शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-255

भारत विरोधी सांसद इल्हान उमर के बाद कट्टर इस्लामिक संस्था की प्रमुख से मिले

अमेरिका में राहुल गांधी की भारत विरोधी गतिविधियां चरम पर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और देश की आर्थिक प्रगति पर सवाल उठाए। 60 साल तक सत्ता भोगने के आदी हो चुके गांधी परिवार के शहजादे राहुल गांधी ने कहा, मुझे लगता है कि 2014 में भारत की राजनीति बहुत नाटकीय रूप से बदल गई। हमने एक ऐसे राजनीतिक दौर में प्रवेश किया जिसे हमने पहले कभी नहीं देखा। ये आक्रामक और हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर हमला करने वाला है। वाशिंगटन प्रेस क्लब में राहुल गांधी ने अपनी विलासी पदयात्रा का महिमामंडन करने के प्रयास में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मीडिया को दबाया, संस्थानों पर नियंत्रण कर लिया, जांच एजेंसियों से विपक्ष पर हमला कराया, राज्य सरकारें गिराईं और हमें लगा कि लोगों तक सीधे पहुंचने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। राहुल गांधी ने अपने इन कथनों का कोई साक्ष्य अमेरिकी मीडिया के समक्ष नहीं रखा।

बांग्लादेश के निष्कासित पत्रकार से राहुल ने की अलग से वार्ता

शुभ-लाभ चिंता

गांधी परिवार के शहजादे ने अमेरिका में प्रेस कॉन्फ्रेंस का ओछा इस्तेमाल घरेलू राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए किया। उन्होंने न केवल घरेलू राजनीतिक मामलों को उछाला बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भी बदनाम किया। उन्होंने कहा, भारत में कांग्रेस और हमारे सहयोगियों के बीच और भाजपा और आरएसएस के बीच एक वैचारिक युद्ध चल रहा है। भारत के दो बिल्कुल अलग दृष्टिकोण हैं। हम एक बहुलतावादी दृष्टिकोण में विश्वास करते हैं, एक ऐसा दृष्टिकोण जहां हर किसी को फलने-फूलने का अधिकार है, सभी कल्पनाएं स्वतंत्र रूप से घूम सकती हैं, एक ऐसा भारत जहां आपको इस आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जाता कि आप किस धर्म में विश्वास करते हैं या आप किस समुदाय से आते हैं या आप कौन सी भाषा बोलते हैं, इसके विपरीत एक बहुत ही कठोर केंद्रीकृत दृष्टिकोण है। राहुल गांधी ने भारत की तुलना सीरिया और इराक से की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दरम्यान और अलग से भी राहुल गांधी को भारत विरोधी कुख्यात बांग्लादेशी पत्रकार ▶10 पर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का महत्वपूर्ण बयान

75% हल हो चुकी भारत-चीन समस्या, 25% पर काम जारी

जेनेवा/बर्लिन, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

स्विट्जरलैंड के जेनेवा स्थित सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत की समस्याओं में लगभग 75 प्रतिशत का समाधान हो गया है, 25 प्रतिशत पर काम चल रहा है। दोनों देशों के बीच बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है। भारत के विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर यह बात कही। विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह बयान काफी महत्वपूर्ण है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर एस जयशंकर ने बर्लिन में कहा कि दोनों देशों को युद्ध के मैदान से बाहर निकल कर आपस में वार्ता करनी होगी। भारत हर वक्त मदद के लिए तैयार है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों ने भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है, उन्होंने कहा कि सीमा पर हिंसा होने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं। लेकिन समस्या का समाधान निकालने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। हमने इसमें

कुछ प्रगति भी की है। मैं मोटे तौर पर कह सकता हूं कि लगभग 75 प्रतिशत समस्याएं सुलझ गई हैं। हमें अभी भी कुछ काम करने हैं।

लेकिन एक बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा पर सैन्यीकरण हो रहा है।

विदेश मंत्री ने संकेत दिया कि अगर विवाद का समाधान हो जाता है तो रिश्ते बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि अगर कोई समाधान निकलता है, शांति और सौहार्द की वापसी होती है, तो हम अन्य संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक कूटनीतिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में अमेरिका में क्वाड शिखर सम्मेलन होगा और समय बीतने के साथ, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में भरोसा बढ़ रहा है। ब्रिक्स के बारे में पूछे गए सवाल पर जयशंकर ने कहा, जी-7 नामक एक और क्लब था और आप किसी और को इस क्लब में घुसने नहीं देंगे। इसलिए हमने अपना क्लब बनाया, जैसे ही इसकी शुरुआत हुई, समय के साथ इसने अपना अस्तित्व हासिल कर लिया। दूसरों ने भी इसमें काफी महत्व देखा।

▶10 पर

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा

भारत को सबसे अच्छा मित्र बनाना चाहता है अमेरिका

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका भारत को अपना सबसे अच्छा दोस्त बनाना चाहता है। व्हाइट हाउस में नेतृत्व परिवर्तन से दोनों देशों के संबंधों में कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन का नाम लिए बिना गार्सेटी ने कहा कि यदि नई दिल्ली को क्षेत्रीय ताकतों से मुकाबला करना है, तो उसे किसी एक देश पर निर्भरता कम करनी होगी और कहा कि ऐसी निर्भरता न केवल आर्थिक जोखिम है, बल्कि सुरक्षा जोखिम भी है।

मिलकेन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में राजदूत ने अमेरिकियों से भारत में अधिक निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निकट भविष्य में दोनों देशों के संबंधों को कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, अमेरिका में नया राष्ट्रपति होगा, लेकिन भारत के प्रति अमेरिका की निष्ठा और मित्रता नहीं बदलेगी। गार्सेटी ने कहा कि हमारे रिश्ते की प्रकृति बदल गई है। अमेरिका हमेशा संकट के समय भारत के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित करने के भारत के प्रयासों का स्वागत किया।

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने बुधवार को पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल संजय सिंह से भी

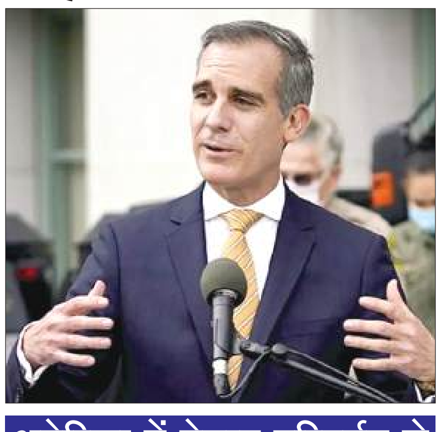

अमेरिका में नेतृत्व परिवर्तन से नहीं बदलेंगे आपसी संबंध

मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समुद्री सुरक्षा सहयोग और द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। गार्सेटी के साथ मुंबई में अमेरिकी महावाणिज्य दूत माइक हैंकी और अन्य अमेरिकी अधिकारी भी थे। पश्चिमी नौसेना कमान ने कहा, समुद्री सुरक्षा सहयोग और द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में मजबूत संबंध हैं।

2000 करोड़ से शुरू होगा मिशन मौसम

हादसों और प्रभावों से निपटने में मदद करेगा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगले दो वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपए की लागत के साथ मिशन मौसम को मंजूरी दे दी। मिशन मौसम को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से कार्यान्वित किया जाएगा।

इस मिशन के तहत भारत के मौसम और जलवायु-संबंधी विज्ञान, अनुसंधान एवं सेवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक बहुआयामी और परिवर्तनकारी पहल की परिकल्पना की गई है।

यह मौसम की चरम घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में नागरिकों सहित हितधारकों को बेहतर ढंग से तैयार करने में मदद करेगा। यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लंबे समय में समुदायों, क्षेत्रों और इकोसिस्टम की क्षमता एवं अनुकूलन को व्यापक बनाने में सहायता करेगा। इस मिशन के जरिए भारत, वायुमंडलीय विज्ञान, विशेष रूप से मौसम निगरानी, मॉडलिंग, पूर्वानुमान और प्रबंधन में अनुसंधान एवं विकास तथा क्षमता का तेजी से विस्तार करेगा। इसके तहत उन्नत अवलोकन प्रणालियों, हाईटेक कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके अधिक स्पष्टता के साथ मौसम की भविष्यवाणी की जा सकेगी। कैबिनेट ने 3,435.33 करोड़ रुपए खर्च के साथ सार्वजनिक परिवहन प्राधिकरणों (पीटीए) द्वारा ई-बसों की खरीद और संचालन के लिए ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498-ए के दुरुपयोग पर जताई चिंता

घरेलू हिंसा अधिनियम का हो रहा बेजा इस्तेमाल

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (विवाहित महिलाओं के साथ क्रूरता) और घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधान सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से हैं। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने भरण-पोषण से संबंधित एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। जस्टिस गवई ने कहा, ऐसे मामलों में, स्वतंत्रता प्राप्त करना सबसे अच्छी बात है। अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने एक मामले का जिक्र किया। उन्होंने कहा, नागपुर में मैंने एक ऐसा मामला देखा था, जिसमें लड़का शादी के बाद अमेरिका चला गया और एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा। इसके बावजूद उसे 50 लाख रुपए देने पड़े। जस्टिस गवई ने कहा, इसके बाद मैं खुले तौर पर कह सकता हूं कि घरेलू हिंसा और धारा 498ए सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले प्रावधानों में से हैं। आईपीसी की जगह अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 को लागू किया गया है और आईपीसी की धारा 498ए के अनुरूप प्रावधान को बीएनएस की धारा 85 में शामिल किया गया है। आईपीसी की धारा 498ए लंबे समय से बहस का विषय रही है। आलोचक यह कहते हैं कि महिलाएं अक्सर अपने पतियों और ससुराल वालों को गलत तरीके से आपराधिक मामलों में उलझाने के लिए इस प्रावधान का दुरुपयोग करती हैं। अदालतों ने भी कई मौकों पर इसे लेकर आलोचना की है। पिछले महीने बॉम्बे हाईकोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा था, दादा-दादी और बिस्तर पर पड़े लोगों को भी ऐसे मामलों में फंसाया जा रहा है।

वरिष्ठ वामपंथी नेता सीताराम येचुरी का निधन

माकपा महासचिव का पार्थिव शरीर एम्स को दान

पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

वरिष्ठ नेता और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने 72 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। वे लंबे समय से बीमार थे। उन्हें पिछले दिनों एम्स में भर्ती किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने सीताराम येचुरी के निधन पर गहरा शोक जताया है। येचुरी के परिवार ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनके पार्थिव शरीर को शिक्षण और शोध उद्देश्यों के लिए नई दिल्ली स्थित एम्स को दान कर दिया है। 72 वर्षीय माकपा नेता सीताराम येचुरी को पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें आईसीयू में ले जाया गया था। तभी से उनका इलाज चल रहा था। गुरुवार को उनकी तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई थी। येचुरी के निधन के बाद पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,950/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,730/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 19^0

भारत की राजनीति और बौद्धिकता में दोगलेपन की इंतिहा

पीएम की इफ्तार पार्टी में सीजेआई का जाना उचित

...तो गणेश पूजा में पीएम का सीजेआई के घर जाना अनुचित कैसे?

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

गणेश चतुर्थी के मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के घर पहुंचे और पूजा में शरीक हुए तो इस पर निम्नस्तरीय राजनीति जारी है। गणेश पूजा के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बाद में सबने हाथ में थाल लेकर गणेश भगवान की पूजा-अर्चना की। यह दृश्य सामान्य मस्तिष्क वाले भारतीय नागरिक के लिए अभिभूत करने वाला था, लेकिन पाखंडियों के लिए यह किसी जख्म से कम नहीं है।

गणेश पूजन का वीडियो देखने के बाद राजनीति के पाखंडी पुरोधा बिलबिलाए हुए हैं। उनके लिए स्वतंत्रता, लोकतंत्र और संविधान सब खतरे में आ गया है। कहा जा रहा है कि अब सीजेआई और प्रधानमंत्री के बीच के रिश्ते खुलकर दिखने लगे हैं। ऐसे में उन्हें आशंका है कि उन्हें अदालत से न्याय मिल सकेगा या नहीं। रोना रोने वालों में एक नाम आरफा खानुम शेरवानी का भी है। सीजेआई के घर में पीएम मोदी को आरती करता देख उसे इतना दुख हुआ कि उसने अपने पोस्ट पर लिखा, इंसान जालिमों की हिमायत में जाएगा। ये हाल है तो कौन अदालत जाएगा। उसने इंसान सीजेआई के लिए मोदी के लिए जालिम लिखा।

इसी तरह कांग्रेस का चारणगान गाने वाली नेहा सिंह राठौड़ ने आरती की घंटी की तुलना खतरे की घंटी से करते हुए कहा, जज साहब के घर गणपति पूजा की आरती में लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बज रही है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

आचार्य तुलसी के 31वें विकास महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में गणाधिपति गुरुदेव आचार्य तुलसी के 31वें विकास महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी वृंद द्वारा तुलसी अष्टम् के संगान के साथ किया गया। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने आचार्य तुलसी द्वारा संघ एवं संपूर्ण मानव जाति के लिए दिए गए आयामों एवं अवदानों को याद करते हुए कहा कि आचार्य श्री तुलसी भविष्य दृष्टा थे। उन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच से समय की आवश्यकताओं को समझा और उनका समाधान किया। इसके लिए उन्होंने अनेक वैर- विरोधों को दृढ़ता के साथ सहन किया और आगे बढ़ते गए। आज जब सब में पद लोलुपत्ता की होड़ लगी हुई है, ऐसे में आचार्य तुलसी ने पद का विसर्जन कर आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का पदारोहण कर एक नया संदेश दिया। इसके साथ ही समण संस्कृति, परमार्थिक शिक्षण संस्थान, साध्वियों में शिक्षा का विकास, आगम संपादन, जैन विश्व भारती का निर्माण, जीवन विज्ञान जैसे अनेक कार्य कर आचार्य तुलसी ने संघ को समृद्ध बनाया और विश्व पटल पर तेरापंथ धर्म संघ की एक अनुपम तस्वीर पेश की। युग को नई पहचान देने के लिए गुरुदेव को समय-समय पर समाज एवं सरकार द्वारा अनेक उपाधियों से सम्मानित किया गया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने गुरुदेव के प्रति अपने उद्गारों को व्यक्त किया। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गदिया ने कहा कि आचार्य तुलसी ने मौलिक परंपराओं को सहेजते हुए संघ का विकास किया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी आस्थाप्रभा जी ने किया।

जन्म के साथ जीव की मृत्यु निश्चित: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि संसार में जीव का जब जब जन्म होता है तब तब मृत्यु भी निश्चित है। जन्म के पीछे मृत्यु निश्चित है, परंतु मृत्यु के बाद जन्म निश्चित नहीं है।

जीवन का शाश्वत सत्य है मृत्यु। जन्म लेने के साथ ही व्यक्ति के मौत का समय भी तय हो जाता है। जन्म के बाद मृत्यु अवश्य है लेकिन मृत्यु के बाद जन्म होगा यह जरूरी नहीं है। जन्म होते ही मरण भी निश्चित हो जाता है।

चाहे तीर्थंकर हो वासुदेव हो चक्रवर्ती हो वें भी मृत्यु को प्राप्त हुए। एक किनारा जन्म है तो दूसरा किनारा मृत्यु। जन्म और मृत्यु जीवन का ऐसा चक्र है, जिससे हर किसी को गुजरना पड़ता है। इसलिए संसार में जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है और यह अटल सत्य है। दुनिया के किसी भी शत्रु से हम बच सकते है लेकिन यह जो काल रूपी चक्र है उससे कोई नहीं बच सकता है। जो व्यक्ति भगवान और मृत्यु को याद रखता है वह कभी पाप कार्य नहीं करता है। जब जब भगवान और मृत्यु को भूल जाता है तब तब वह पाप कार्यों में लिप्त हो जाता है। काल के लोक में जीवन मृत्यु का क्रम निश्चित है किंतु इस अनमोल जीवन में परमात्मा की साधना कर जीव को मोक्ष प्राप्त हो सकता है। तभी यह जीवन सार्थक होगा सफल होगा। इस अवसर पर मथुरा वृंदावन से गुरु भोलेनाथ एवं मल्लेश्वरम संघ से बाबुलाल दक, गौतम गन्ना व अन्य उपस्थित रहे।

गुरु अमर गुणगान महोत्सव की तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी 22 सितम्बर को उत्तर भारतीय प्रवर्तक साहित्य सम्राट अमरमुनि के संयम अमृत वर्ष एवं आचार्य आत्म शिव के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित विश्व शांति जप एवं गुरु गुणगान महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। इसी संदर्भ में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के पदाधिकारियों तथा समस्त व्यवस्था समितियों की बैठक संपन्न हुई। आवास निवास समिति, भोजन समिति, वैय्यावच्छ व अन्य समितियों तथा त्रिशला महिला, त्रिशला बहु मण्डल, राजाजीनगर युवा, कन्या, जिनेश्वर मंडल के सदस्यों को समस्त कार्य सौंपा गया। संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि 22 सितम्बर को आयोजित इस कार्यक्रम में उप प्रवर्तक पंकजमुनि की सानिध्यता एवं बेंगलूरु में विराजित समस्त चारित्र आत्माओं की शुभ निश्रा रहेगी। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने बताया समस्त भारत वर्ष से श्रद्धालुगण इस आयोजन में उपस्थित हो रहे है। यह आयोजन जप तप त्याग एवं धर्म आराधना द्वारा मनाया जायेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, राकेश दलाल, प्रसन्न भलगट व समस्त सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी, समिति के चेयरमैन व सदस्यगण उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महा गणपति सेवा समिति द्वारा यशवंतपुर में आयोजित पांच दिवसीय गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन वंदन किए। उन्होंने कहा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भगवान गणेश को मंदिरों से चौराहे पर लाकर देशवासियों को संगठित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ रेड्डी, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह परमार, जीएस चौधरी, मोनापा आंनद, यशवंतपुर गौ संरक्षण समिति के ललित कुमार, पदमाराम, दुगरसिंह, नरपतलाल, कांतिलाल, जोमताराम, सुरेश, गणेशाराम, भबुताराम एवं बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित थे। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

संस्कारशाला में बड़ों के सम्मान का बताया महत्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार, राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत मइलासंद्रा में स्थित सरकारी स्कूल में संस्कार शाला के चौथे चरण का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता सुमन पटवारी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत आशा लोढ़ा के नमस्कार महामंत्र और महाप्रयाण ध्वनि से हुई। कार्यशाला के विषय माता-पिता एवं बड़ों के सम्मान पर मधु कटारिया ने कहा कि बड़ों का आदर करना हमारे जीवन में बेहद महत्वपूर्ण है। वे हमारे मार्गदर्शक होते हैं और हमें सही रास्ता दिखाते हैं। उनका सम्मान करने से हम अपनी संस्कृति को संजोते हैं और खुद को एक बेहतर इंसान बनाते हैं। बच्चों को एक प्रेरणादायक कहानी सुनाई गई, जो माता-पिता और बड़ों के प्रति सम्मान को दर्शाती थी। बच्चों ने बड़ों के सम्मान पर एक छोटा रोमांचक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें आदर और मार्गदर्शन के महत्व को दर्शाया गया। बच्चों में उपहार वितरित किए गए। अंत में सकारात्मकता के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। जिससे बच्चों को जीवन में अनुशासन और आदर का महत्व समझने की प्रेरणा मिली। कार्यशाला की संयोजिका पूनम दक रहीं।

नागमंगला में जो हुआ वह उपद्रवियों का काम : सीएम

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में गणेश विसर्जन दौरान जुलूस पर पथराव के बाद हालात बिगड़ गए। दो गुटों के बीच झगड़े के बाद वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटना हुई थी। अतिरिक्त पुलिस फोर्स को तैनात कर हालात पर काबू पाया गया। हालांकि इलाके में तनाव बरकरार है। अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह साफ है कि जो नागमंगला में जो हुआ है वो उपद्रवियों का काम है। सरकार ने इसे पूरी तरह गंभीरता से लिया है। अभी तक 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीएम सिद्धरामैया ने कहा यह स्पष्ट है कि गणेश विसर्जन के समय मांड्या जिले के नागमंगला में जो पथराव हुआ है, वह उपद्रवियों का काम है, जिससे समाज की शांति को खतरा है। सरकार ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। इस सिलसिले में 50 से अधिक लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और हमारी पहली प्राथमिकता समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है। पिछले डेढ़ साल में बिना किसी दंगे या हिंसा के राज्य सभी जातियों के लिए शांति के बगीचे की तरह था। उन लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाया जाएगा, जो जाति या धर्म की परवाह किए बिना धार्मिक आधार पर विभाजन की कोशिश कर रहे हैं। मैं जनता से अनुरोध करता हूं कि वे किसी के बहकावे में न आए। शांति और संयम बनाए रखते हुए हमारे साथ सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा घटना नहीं होनी चाहिए थी। एक छोटी सी घटना के रूप में शुरू हुई और झड़प में तब्दील हो गई। हालांकि, मामले में किसी को कोई बड़ी चोट नहीं आई है या लड़ाई नहीं हुई है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया है। जब जुलूस निकल रहा था तब पथराव किया गया इसकी वजह से कुछ झड़पें हुईं।

जैन धर्म का दायरा समस्त विश्व के प्राणी जगत से जुड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जैन धर्म का दायरा समस्त विश्व के प्राणी जगत से जुड़ा है। सूक्ष्म हो या स्थूल, संसारी हो या सिद्ध सभी जीवों से मैत्री-मित्रता के सम्बंध बनाना अति जरूरी है। जब तक एक भी प्राणी से वैर की गांठ बांध रखी है तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती है। प्रत्येक मानव ने पूर्व भवों में जब भी इन्सान का भव मिला था, उसने ऊपर उठने-भगवत्तता प्राप्त करने का प्रयास किया था। परन्तु सभी से न मैत्री बना सका, न क्रोध-मान को जीत सका न इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर सका। कुल मिलाकर यहाँ की यशोगान - प्रदर्शन की वाववाही में फंसकर साधना पथ भूल गया और साधनों में ही इतना मशगूल हो गया कि साता वेदना को ही सच्चा सुख मान बैठा। क्रोध कलह प्रिय पत्नी है। उसी की वजह से हम क्षमा नामक हमारी ममता मयी माता से दूर हो गए है। क्षमा रूपी माता की गोद तो इतनी आराम दायक है, उसमें ऐसी संजीवनी है जो हमें प्रसन्नता तो प्रदान करती है। साथ ही हमारी आपत्ति को संपत्ति में, कठिनाईयों को आनंदोत्सव में तथा मातम को महोत्सव में परिवर्तित कर देती है।

धन को एकत्रित करना सहज, संस्कारों को एकत्रित करना कठिन : मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

धन को एकत्रित करना सहज हैं, लेकिन संस्कारों को एकत्रित करना कठिन हैं, धन को तो लूटा जा सकता हैं, लेकिन संस्कारों के लिए समर्पित होना पड़ता है। श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित रत्न सा-गरजी ने संतों के दर्शनार्थ पधारे डॉक्टर्स, सीए को संबोधित करते हुए यह बात कही। ईश्वर केवल परिचय कराने का कार्य करते हैं, संबंधों में मधुरता अथवा कटुता बढ़ाने का कार्य व्यक्ति स्वयं करता है। जीवन में सफलता वही प्राप्त करते हैं जो आने वाली परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होते है।

दूसरों को समझना बुद्धिमानी है, खुद को समझना असली ज्ञान है। दूसरों को काबू करना बल है और खुद को काबू करना वास्तविक शक्ति है। जिसने संसार को बदलने की कोशिश की वो हार गया और जिसने खुद को बदल लिया वो जीत गया। मुनि वज्ररत्न सागरजी ने कहा हर जगह इत्र नहीं महका करते शख्सियत भी खुशबू दे जाती है। डॉक्टरी पेशे को सेवा का पेशा बताया। इस अवसर पर गदग के मशहूर डॉक्टर जगदीश शिरोल, चंद्रशेखर हिरेगोडर, विजयकुमार सज्जनर, आनंद पोटणीस, मुकुंद पोटणीस, ज्ञानदेव उत्तरकर, विनोद उत्तरकर के अलावा श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य बाबुलाल खिवेसरा, सुरेश भंसाली समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इनर व्हील क्लब बेंगलूरु विजयनगर द्वारा गोविंदराज नगर स्थित श्री बाल गंगाधर नाथ स्वामी खेल मैदान में सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता चिन्नारा क्रीडा उत्सव का आयोजन किया गया। क्षेत्र के विधायक एम कृष्णप्पा ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

एनआईए करे नागमंगला घटना की जांच: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने मांग की कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) नागमंगला घटना की जांच करे, जिसमें बुधवार को कर्नाटक के मांड्या जिले के नागमंगला में गणपति विसर्जन जुलूस पर पथराव के आरोपों पर दंगा भड़क गया था। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए, भाजपा नेता ने सिद्धरामैया सरकार पर केवल हिंदुओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया और कहा कि यह घटना भगवान गणेश के साथ-साथ हिंदुओं का भी अपमान है। उन्होंने आगे सरकार से सवाल किया कि क्या यह एक छोटी सी घटना थी जिसमें उपद्रवियों द्वारा कई दुकानों और वाहनों को जला दिया गया। जब भी कर्नाटक में सिद्धासमैया सरकार होती है, हिंदुओं के खिलाफ कार्रवाई होती है। मांड्या में जो हुआ वह भगवान गणेश और हिंदुओं का अपमान है। सरकार कहती है कि यह एक छोटी सी घटना थी। अगर हिंदुओं की 25 दुकानों को जलाना आपको एक छोटी सी घटना लगती है, तो बड़ी घटना क्या होनी चाहिए थी?

मांड्या में गणपति जुलूस हिंसा के बाद कर्फ्यू

कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान एक बार फिर राज्य ने कट्टरपंथी ताकतों के अत्याचारों को देखा: अशोक

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में तनाव व्याप्त है, जहां नागमंगला शहर में गणपति प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर कथित रूप से पथराव किए जाने के बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। गुरुवार को शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया और किसी भी तरह की हिंसा से बचने के लिए क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी और कर्नाटक भाजपा ने राज्य में हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने में विफलता को लेकर कांग्रेस सरकार की निंदा की है। भाजपा ने पुलिस स्टेशन के सामने हिंदू भक्तों पर हमले पर आश्चर्य व्यक्त किया है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान एक बार फिर राज्य ने कट्टरपंथी ताकतों के अत्याचारों को देखा है, जिससे कर्नाटक में शांति भंग हुई है, जो कभी सभी समुदायों के लिए सद्भाव का प्रतीक था। बुधवार रात को मांड्या जिले के नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुई घटना अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस शासन में कानून व्यवस्था के पतन का एक और उदाहरण है। हालांकि पिछले साल भी नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान ऐसी ही घटना हुई थी, लेकिन इस साल पुलिस कोई भी निवारक उपाय करने में विफल रही, जिससे साबित होता है कि कांग्रेस सरकार पूरी तरह विफल रही है। अशोक ने कहा, तथ्य यह

है कि मुस्लिम कट्टरपंथी, पूर्व नियोजित इरादों के साथ, शांतिपूर्ण गणेश विसर्जन जुलूस को दंगा करके, जनता और पुलिस पर पत्थर और चप्पल फेंककर, पेट्रोल बम फोड़कर और तलवारें लहराकर बाधित करते हैं, यह दर्शाता है कि इन कट्टरपंथियों को राज्य में कानून का कोई डर नहीं है। इसके अलावा, जब लोग सुरक्षा की मांग करने के लिए पुलिस स्टेशन जाते हैं, तो ये कट्टरपंथी उन पर हमला करते हैं और उन पर अत्याचार करते हैं, जिससे पता चलता है कि कांग्रेस सरकार के तहत तालिबान जैसी मानसिकता वाले इन लोगों को किस हद तक प्रोत्साहन और समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार की वोट बैंक की राजनीति, तुष्टिकरण की राजनीति और पक्षपात ऐसी घटनाओं के बार-बार होने का सीधा कारण है। अगर इन कट्टरपंथी तत्वों पर लगाम नहीं लगाई गई तो इसमें

कोई संदेह नहीं है कि वे भविष्य में आतंकवादी बन सकते हैं। मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री जी. परमेश्वर से आग्रह करता हूं कि वे दंगों के लिए जिम्मेदार असामाजिक ताकतों को तुरंत गिरफ्तार करें और एक कड़ा संदेश दें कि कर्नाटक में जिहादी मानसिकता के लिए कोई जगह नहीं है, जो सभी समुदायों के लिए शांति का बगीचा है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा मैं मांड्या जिले के नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुई घटना की कड़ी निंदा करता हूं। गणेश जुलूस में शांतिपूर्वक भाग ले रहे श्रद्धालुओं को निशाना बनाकर एक खास समुदाय द्वारा जानबूझकर दंगे भड़काना, लोगों और पुलिस पर पत्थर और चप्पल फेंकना, पेट्रोल बम फोड़ना और तलवारें लहराना, शहर में कानून व्यवस्था की विफलता का सबूत है। इस समुदाय के गुंडों द्वारा उन लोगों पर हमला करना जो सुरक्षा की मांग करते हुए पुलिस स्टेशन के सामने शांतिपूर्वक विरोध कर रहे थे, मौजूदा हालात पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय पुलिस की विफलता को भी उजागर करता है। नागमंगला में हुई यह जघन्य घटना कर्नाटक कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए एक विशेष समुदाय के अत्यधिक तुष्टीकरण का परिणाम है।

खास समुदाय के गुंडों ने जानबूझकर हिंसा भड़काई

उन्होंने कहा कि इस तरह की तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति बंद होनी चाहिए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी के बुरे दिन दूर नहीं हैं। कुमारस्वामी ने कहा मैं जनता से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। सरकार को शहर में शांति बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा, अगर पुलिस इस घटना का इस्तेमाल विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने के लिए करती है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा विधायक और राज्य महासचिव वी. सुनील कुमार ने कहा एक खास समुदाय के गुंडों ने जानबूझकर हिंसा भड़काई है, जो गणपति विसर्जन के लिए शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे भक्तों को निशाना बनाकर हिंसा कर रहे हैं। उन्होंने पेट्रोल बम फोड़ दिए और तलवारें लहराईं। क्या हम नागमंगला में हैं या पाकिस्तान में? जब से राज्य में कांग्रेस की सरकार आई है, तब से हिंदुओं को निशाना बनाने और हिंदू उत्सवों में बाधा डालने की घटनाएं बढ़ गई हैं। नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुई घटना इसका एक और उदाहरण है।

यह है मामला

आईजीपी (पश्चिमी क्षेत्र) एमबी बोरलिंगैया ने कहा कि फिलहाल मामले का ब्योरा नहीं दिया जा सकता। हमें जांच करनी है और अभी कुछ नहीं कह सकते। हमारी प्राथमिकता स्थिति को नियंत्रित करना है और स्थिति अब नियंत्रण में है। इसके बाद हम पता लगाएंगे कि मास्टरमाइंड कौन है। हम सबूत जुटाएंगे और उपद्रवियों से निपटा जाएगा। लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए हमारी मौजूदगी हर जगह सुनिश्चित है। हम अपनी निगरानी जारी रखेंगे। कर्नाटक के मांड्या जिले में बुधवार रात दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जब नागमंगला कस्बे में गणपति प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर कथित तौर पर पथराव किया गया। घटना के बाद कुछ दुकानों और वाहनों में आग लगा दी गई। सूत्रों के अनुसार, कुछ युवक गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए जुलूस निकाल रहे थे और जब वे कस्बे में एक दरगाह के पास से गुजर रहे थे, तो कुछ बदमाशों ने उन पर पथराव करना शुरू कर दिया, जिसके बाद झड़पें हुईं। पुलिस ने इलाके में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए हैं और हाई अलर्ट पर हैं। घटना के बाद, हिंदू समुदाय के लोगों ने स्थानीय पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया और पथराव के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

पीएसआई भर्ती परीक्षा 22 सितंबर की बजाय 28 सितंबर को होगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि पीएसआई के 402 पदों पर भर्ती के लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण द्वारा लिखित परीक्षा 22 सितंबर की बजाय 28 सितंबर को आयोजित की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रथम स्तर के 545 पीएसआई पदों की भर्ती के लिए अंतिम परिणाम की दोबारा जांच की जा चुकी है। हम भर्ती आदेश जारी करने की प्रक्रिया में हैं। दूसरे चरण में 402 पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण को एक प्रस्ताव भेजा गया था और परीक्षा आयोजित करने की तारीख 22 सितंबर तय की गई थी। लेकिन कई अभ्यर्थियों ने परीक्षा तिथि स्थगित करने का अनुरोध किया।

यूपीएससी की मुख्य परीक्षा 22 सितंबर को होने जा रही है। यह समझते हुए राज्य के 100 उम्मीदवार जो पहले ही प्रारंभिक परीक्षा में सफल हो चुके थे और मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए थे, वे अवसर चूक जाएंगे। इसलिए भाजपा के अश्वथ नारायण और अन्य नेताओं ने भी परीक्षा स्थगित करने का अनुरोध किया था। जब हमने कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण से चर्चा की, तो हमें बताया गया कि दिसंबर तक कोई खाली स्लॉट नहीं है।

मैंने फिर से वरिष्ठ अधिकारियों और स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा से चर्चा की। परीक्षा संचालन में शिक्षा विभाग का सहयोग जरूरी है। उन्होंने बताया कि परीक्षाएं दिसंबर तक हर रविवार को निर्धारित हैं। इस लिए मंत्री और अधिकारियों से चर्चा के बाद पीएसआई के 402 पदों पर भर्ती के लिए 28 सितंबर को परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयु सीमा बढ़ाने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हमने विभिन्न राज्यों में लागू नियमों और उपायों के बारे में जानकारी जोड़ी है। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक मामले की जांच कर रहे हैं।

नागमंगला दंगा मामला

अनावश्यक रूप से भड़काऊ बयान देने से बचें: कृषि मंत्री

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी और कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी ने नागमंगला गणेश विसर्जन दंगा मामले में अनावश्यक रूप से भड़काऊ बयान दिए बिना स्थिति को समझने में सहयोग करने की अपील की है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह यात्रा पर थे और बुधवार शाम को ही विमान से उतरे हैं। इसी बीच जानकारी मिली कि नागमंगला में दंगा हो गया। मैंने तुरंत एसपी, आईजीपी, एडीजीपी को फोन किया और उन्हें मौके पर जाने का निर्देश दिया। मैंने स्थानीय अधिकारियों से चर्चा की है। गणपति प्रतिमा के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प की

जानकारी है। अनावश्यक विवाद न करें। आपदाओं की स्थिति में नुकसान गंभीर होता है। किसी को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, नागमंगला में 40 साल से शांति है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान के काम में दंगे नहीं होने चाहिए। संघर्ष में कुछ छोटी-मोटी घटनाएँ हुईं। दुकानें और बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। कोई हताहत नहीं हुआ। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मुझसे जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को उचित निर्देश दिये गये हैं। सबसे पहले हमारी प्राथमिकता स्थिति को संभालना और शांति स्थापित करना है। बाद में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस पहले ही कई लोगों को हिरासत में ले चुकी है। यहां सत्ता का सवाल ही नहीं है। यह जनहित का मामला है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे की संलिप्तता, पुलिस की विफलता, दोनों समुदाय के नेताओं की चूक सहित सभी मुद्दों की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस समय हमारे लिए जनता का हित महत्वपूर्ण है।

कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा देना बंद कर उनसे प्रभावी तरीके से निपटे सरकार: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने मांड्या जिले के नागमंगला कस्बे में एक दरगाह के पास गणपति प्रतिमा जुलूस के दौरान हिंदू भक्तों पर पथराव की घटना के बाद भड़की हिंसा के सिलसिले में गुरुवार सुबह तक 52 लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग शामिल हैं। भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि ने जानबूझकर हिंसा करने और पेट्रोल बम फेंकने वाले मुस्लिम दंगाइयों को गिरफ्तार करने के बजाय आयोजन समिति के पदाधिकारियों हिंदू भक्तों को गिरफ्तार करने के लिए कांग्रेस

सरकार की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि इस संबंध में पुलिस की कार्रवाई अक्षम्य है। तत्काल उच्च स्तरीय समिति को मामले की जांच करनी चाहिए और सख्त कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। पेट्रोल बम फेंककर 25 से अधिक दुकानों को जला दिया गया। इससे पता चलता है कि यह एक पूर्व नियोजित कृत्य है और पिछले साल भी गणेश जुलूस पर हमला करने का प्रयास किया गया था। इस साल वे पूरी तैयारी के साथ आए और सूचना उपलब्ध होने के बावजूद पुलिस विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। यह पुलिस विभाग की विफलता है। धार्मिक कट्टरपंथी ताकतों को लगता है कि उनकी सरकार राज्य पर शासन कर रही है और वे किसी भी तरह की गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं। गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव करने वालों, भगवान गणेश का अपमान करने वालों, पेट्रोल बम फेंकने वालों और 25 से अधिक दुकानों में आग लगाने वालों को सजा मिलनी चाहिए। इसके बजाय, जुलूस के आयोजन में सबसे आगे रहने वालों और पुलिस की निष्क्रियता की निंदा करने वालों को गिरफ्तार किया गया और उनके साथ अन्याय किया गया। यह एक अपराध है। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा देना बंद करे और उनसे प्रभावी तरीके से निपटे। अगर हम कलबुर्गी शहर में इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम को जलाने और चिकमगलूरु में डॉक्टरों पर हमले जैसी अन्य घटनाओं को देखें, तो आरोपी एक धर्म के थे। मुझे संदेह है कि इन सबके पीछे एक थिंक टैंक है और एक खास मकसद से हिंसा की साजिश रच रहा है। सूत्रों ने कहा कि गणेश प्रतिमा बदरीकोप्पल इलाके में स्थापित की गई थी। जब मूर्ति को नागमंगला शहर में मैसूरु रोड पर दरगाह के पास विसर्जन जुलूस में लाया गया, तो दूसरे धर्म से आने वाले एक समूह ने अचानक जुलूस पर पथराव करना शुरू कर दिया।

नागमंगला की घटना सांप्रदायिक हिंसा नहीं, बल्कि क्षणिक आवेश में हुई: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि मांड्या जिले के नागमंगला शहर में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच हुई झड़पों को सांप्रदायिक हिंसा नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह घटना क्षणिक आवेश में हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों से 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और पथराव और वाहनों तथा संपत्तियों को आग लगाने जैसी घटनाओं में उनकी संलिप्तता के बारे में सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

परमेश्वर ने कहा घटना नहीं होनी चाहिए थी। जो एक छोटी सी घटना के रूप में शुरू हुई थी, वह समाप्त हो गई है। कोई बड़ी चोट या झगड़ा नहीं हुआ है। पुलिस ने

स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। जब जुलूस चल रहा था, तो पथराव किया गया, जिससे कुछ झड़पें हुईं। उसके बाद जब लगा कि सब कुछ सुलझ गया है और लोग तितर-बितर हो रहे हैं, तो कुछ लोगों ने बाइक और दुकानों में आग लगा दी, और बाद में (पुलिस) ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की जान-माल की हानि या किसी बड़ी समस्या की खबर नहीं है। पुलिस अधीक्षक और महानिरीक्षक घटनास्थल पर हैं, जबकि कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की एक टुकड़ी तैनात की गई है। उन्होंने कहा मैंने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), कानून एवं व्यवस्था को भेजा था, वे भी मौके पर गए थे और वहीं डेरा डाले हुए हैं। सब कुछ नियंत्रण में है और आगे कोई घटना नहीं हुई है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह सांप्रदायिक हिंसा थी, मंत्री ने कहा गलती से जुलूस के वहां जाते समय किसी ने पथराव किया, जिसका जवाब इन लोगों ने भी पथराव करके दिया और इससे झड़पें हुईं। इसे सांप्रदायिक हिंसा नहीं कहा जा सकता। जब उनसे कहा गया कि कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंका गया और पूछा गया कि क्या घटना पूर्व नियोजित थी, तो उन्होंने कहा नहीं, नहीं, यह (घटना) तत्काल अचानक हुई है। पुलिस ने इसे और बढ़ने नहीं दिया और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। मैं मीडिया से अपील करता हूं कि इसे और प्रचारित न करें। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि घटना नहीं हुई है। घटना हुई है, हमने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह और न बढ़े, मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद हैं। पुलिस की ओर से कथित तौर पर एहतियाती उपाय न किए जाने के आरोपों पर, जबकि पिछले साल भी ऐसी ही घटनाएं हुई थीं, परमेश्वर ने कहा कि मौके पर केएसआरपी की एक टुकड़ी तैनात थी, जिसने स्थिति को नियंत्रण में लाने में मदद की। अगर ऐसा नहीं होता, तो बड़ी हिंसा हो सकती थी। पुलिस पर भी पथराव किए जाने का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि एक सहायक उपनिरीक्षक घायल हो गया है और उन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मामले दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि घटना के पीछे कोई राजनीतिक साजिश नहीं है। देखते हैं कि जांच रिपोर्ट में क्या सामने आता है।

विजयेंद्र ने नागमंगला सांप्रदायिक दंगों की कड़ी निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र ने नागमंगला में गणपति विसर्जन के दौरान पथराव करने वाले हिंदू विरोधी कट्टर उपद्रवियों के उत्पात से उत्पन्न अशांत स्थिति की कड़ी निंदा की। उन्होंने अपने सोशल नेटवर्क एक्स पर पोस्ट कर कहा मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। पिछले साल ठगों द्वारा इसी तरह का व्यवहार करने की घटना के मद्देनजर यह स्पष्ट है कि पुलिस सावधानी बरतने में विफल रही है। लोगों को तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, लोगों की धार्मिक भक्ति को ठेस पहुंचाने के लिए शांतिपूर्ण गणपति विसर्जन के दौरान हुई घटना हिंदू समुदाय को भड़काने के लिए किया गया कुकृत्य है। पुलिस उन उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे जो समाज के

सौहार्द्र में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने हिंदू समुदाय के रीति-रिवाजों को दबाने का काम किया है और जो भारतीय विरासत को हमेशा के लिए अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यदि सरकार नागमंगला घटना को गंभीरता से लेती है और हिंदू विरोधी गतिविधियों का आयोजन करने वाली बुरी ताकतों का दमन नहीं करती है, तो कांग्रेस सरकार को परिणामों की जिम्मेदारी उठानी होगी। विजयेंद्र ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की वोट बैंक पर आधारित पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करुणाद को जला रही है।

हिमाचल में वक्फ बोर्ड की करतूतों का खुलासा

जमीनों का तीसरा सबसे बड़ा मालिक वक्फ बोर्ड

शिमला, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इन दिनों में अवैध मस्जिद को लेकर विवाद चल रहा है। हिंदू संगठन अवैध मस्जिद को गिराने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हुए हैं, हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार उन पर लाठियां बरसा रही है। अब हिमाचल प्रदेश में वक्फ बोर्ड की जमीन को लेकर भी नए खुलासे हो रहे हैं।

प्रदेश की राजधानी शिमला में जहां एक तरफ जमीन की किल्लत बढ़ती जा रही है, वहीं वक्फ बोर्ड शिमला में वन विभाग और राजस्व विभाग के बाद जमीनों का तीसरा सबसे बड़ा मालिक बना हुआ है। सरकारी सत्यापन में बताया गया है कि वक्फ बोर्ड के पास शिमला के भीतर 70 बीघा जमीन है। हिमाचल प्रदेश वक्फ बोर्ड के पास राजधानी शिमला में ही लगभग 70 बीघे जमीन है। यह जानकारी सरकारी सत्यापन से सामने आई है। वक्फ बोर्ड के पास शिमला के लक्कड़ बाजार, संजौली, छोटा शिमला और बालूगंज जैसे इलाकों में बड़ी जमीनें हैं। बताया गया है कि शिमला के टूटीकंडी में ही बोर्ड के पास लगभग 46 बीघे जमीन है। गौरतलब है कि यह वही इलाका है जहां शिमला का अंतरराज्यीय बस टर्मिनल है। इस इलाके में जमीन की इतनी समस्या है कि यहां सरकारी बसों को सड़क पर खड़ा करना पड़ता है।

इसके अलावा वक्फ बोर्ड के पास शिमला के लक्कड़ बाजार में 7.41 बीघे जमीन है। ताराहाल इलाके में भी वक्फ बोर्ड के पास 6 बीघे से अधिक जमीन है। इसके अलावा उस संजौली में भी वक्फ बोर्ड के पास बड़ी जमीनें हैं जहां पर वर्तमान में मस्जिद को लेकर विवाद चल रहा है। शिमला के बम्लोई, छोटा शिमला, बालूगंज और लोअर बाजार इलाके में मिला कर वक्फ के पास 10 बीघा से अधिक जमीन है। यह भी सामने आया है कि वक्फ की इन जमीनों पर कई जगह लोगों ने निर्माण भी कर लिए हैं।

जहां सरकारी सत्यापन में बताया गया है कि शिमला में वक्फ बोर्ड के पास 70 बीघा जमीन है तो वहीं हिमाचल के ही हिंदू जागरण मंच ने कहा है कि यह जमीन असल में 200 बीघा से ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने रिकॉर्ड भी दिया है। हिंदू जागरण मंच के कमल गौतम के अनुसार, वक्फ बोर्ड के पास शिमला के भीतर लगभग 215 बीघा जमीन है। कमल गौतम ने बताया कि सबसे ज्यादा जमीन उसी संजौली में है जहां पर वर्तमान में अवैध मस्जिद स्थित है। से कमल गौतम ने बताया कि यहां वक्फ बोर्ड के पास 156 बीघा जमीन है। इसके अलावा उन्होंने वक्फ के कब्जे वाली जमीन की माप टूटी कंडी इलाके में वही बताई है जो सरकारी सत्यापन में निकल कर आई है।

वक्फ के पास मौजूद इस जमीन की कीमत करोड़ों-अरबों में है और यह सारी जमीन उस इलाके में स्थित है जो शिमला के रिहायशी और महंगे इलाके माने जाते हैं। जमीन के रिकॉर्ड के अनुसार, वक्फ बोर्ड के पास जितनी भी जमीनें हैं, उनमें से अधिकांश पर कब्रिस्तान अंकित है। कुछ पर मकान और मस्जिद भी अंकित है।

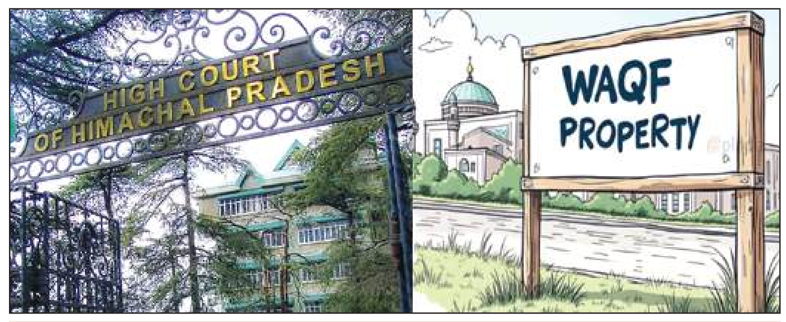

मस्जिद का अवैध हिस्सा गिराने की मुस्लिम पक्ष ने की पहल

वक्फ बोर्ड के पास जो जमीनें अभी मौजूद हैं, उसके अलावा नई जमीन लेने का भी प्रयास हो रहा है। यह दावा कमल गौतम ने किया है। कमला गौतम ने बताया कि वर्तमान में कई जगह प्रदेश में वक्फ बोर्ड की जमीन पर कई लोग निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कब्जा जानबूझ कर करवाया जा रहा है। कमल गौतम का आरोप है कि जब इस जमीन पर कब्जा हो जाता है तो नई जमीन की मांग की जाती है। इस तरह से लगातार जमीन वक्फ बोर्ड के पास जा रही है। यह भी आरोप है कि उन गांवों में भी कब्जे के लिए जमीन मांगी जा रही है जहां मात्र एक मुस्लिम परिवार रहता है। कई जगह हिंदू परिवारों ने इसका विरोध किया है।

शिमला की संजौली मस्जिद से चालू हुआ विवाद अब लगातार बढ़ता जा रहा है। संजौली में बनी अवैध मस्जिद को गिराने की मांग लगातार बढती जा रही है। स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों ने संजौली में बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। अवैध मस्जिद गिराने की मांग करने वाले हिंदुओं पर हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने खूब डंडे बरसाए। प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार भी की गई।

संजौली की अवैध मस्जिद को हटाने की लम्बे समय से मांग चल रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि संजौली की यह मस्जिद पहले कच्ची थी और मात्र दो मंजिल की थी। लेकिन 2010 के बाद इसमें तेजी से पक्का निर्माण किया जाने लगा। देखते देखते यह मस्जिद पांच मंजिल तक पहुंच गई। इस मामले में राज्य सरकार ने बताया कि 2010 में जब इस मस्जिद में अवैध निर्माण चालू हुआ तो शिमला नगर निगम ने नोटिस भी भेजे लेकिन निर्माण नहीं रुका। मस्जिद के निर्माण रोकने को लेकर 30-35 नोटिस भेजे जा चुके हैं। इसके आसपास एक अवैध निर्माण को शिमला नगर निगम ने तोड़ा भी था। फिर भी यह पांच मंजिल मस्जिद शहर के बीचों-बीच खड़ी कर दी गई। तब से इस मस्जिद को लेकर स्थानीय लोग आंदोलन कर रहे हैं। मस्जिद के अवैध होने की बात हिमाचल सरकार में मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने भी कही थी। स्थानीय लोगों को हिंदू संगठनों की मांग है कि इस अवैध निर्माण को जमींदोज किया जाए और सरकार इसमें ढिलाई ना बरते। हालांकि, सुक्खू सरकार बता रही है यह मामला अभी कोर्ट में है।

अवैध निर्माण गिराने के लिए खुद आगे आया मुस्लिम पक्ष

शिमला, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुस्लिम वेलफेयर कमेटी के पदाधिकारियों ने निगम आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को सील करने का आग्रह किया गया और मामले पर अदालत का फैसला आने के बाद इसे गिराने की पेशकश की गई है। शिमला के नगर आयुक्त भूपेंद्र कुमार अत्री ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है।

शिमला के नगर आयुक्त भूपेंद्र कुमार अत्री ने कहा, फिलहाल केस कोर्ट में विचाराधीन है। इस दौरान विवादास्पद हिस्से को सील करने की पेशकश की गई है। अधिकारी कोर्ट के फैसले तक इस पर कार्रवाई कर सकते हैं। दूसरी तरफ, आज भी संजौली में प्रदर्शन जारी रहा। शिमला व्यापार मंडल ने बंद का आह्वान किया था और दुकानदारों से दोपहर तक अपनी दुकानें बंद रखने का आग्रह किया था। इस आह्वान पर शिमला में दुकानें बंद रहीं और व्यापारिक कामकाज ठप्प रहा।

मुफ्ती मोहम्मद शफी कासमी ने कहा, हमने शिमला में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए संजौली में स्थित मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को ध्वस्त करने के लिए शिमला नगर आयुक्त से अनुमति मांगी है। हम दशकों से यहां रह रहे हैं। हमारा फैसला प्रदेश में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए है। ज्ञापन सौंपने वाली कमेटी में मस्जिद के इमाम, वक्फ बोर्ड के सदस्य और मस्जिद कमेटी शामिल है।

दिल्ली में सिख समुदाय का जोरदार प्रदर्शन

राहुल गांधी, शर्म करो शर्म करो

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सिख समुदाय पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिख प्रकोष्ठ ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अमेरिका में सिख समुदाय पर दिए गए बयान को लेकर लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ उनके आवास के बाहर सिख प्रकोष्ठ के नेताओं ने पोस्टर-बैनर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और जबरदस्त नारेबाजी की। शर्म करो, शर्म करो राहुल गांधी की तख्ती लिए हुए सिख समाज के लोगों ने राहुल गांधी से माफी मांगने की अपील की।

भाजपा नेता आरपी सिंह ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। राहुल पर वार करते हुए भाजपा नेता सिंह ने कहा कि उन्होंने भारत को बदनाम करने के लिए विदेशी धरती का इस्तेमाल किया। उन्होंने सिखों के बारे में कैसे बयान दिया कि सिखों को पगड़ी पहनने और गुरुद्वारे में जाने की इजाजत नहीं है। जबकि सिखों को देश में ऐसी कोई दिक्कत नहीं है। वे विदेशों में जाकर भारत की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने भारत में सिखों के अस्तित्व को खतरा बताते हुए एक विवादित टिप्पणी की। अमेरिका के वर्जीनिया में भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि यह लड़ाई किस बारे में है। यह राजनीति के बारे में नहीं है, जो सतही है। यह लड़ाई इस बारे में है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने की इजाजत है? या क्या एक सिख गुरुद्वारे में जा सकता है? यह लड़ाई इस बारे में है और सिर्फ सिखों के लिए नहीं है बल्कि सभी धर्मों के लिए है। राहुल गांधी के इस बयान का भारत में कड़ा विरोध हो रहा है।

राहुल गांधी के इस बयान से खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू खुश हुआ है। पन्नू ने कहा कि भारत में सिखों के अस्तित्व को खतरे पर राहुल गांधी का यह बयान साहसिक है। उनका बयान साबित करता है कि सिख फॉर जस्टिस की अलग स्वतंत्र सिख राज्य (खालिस्तान) की मांग सही है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

अनंतनाग में चार उम्मीदवारों के बीच है जंग

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 सितम्बर।

दक्षिण कश्मीर के मुख्य अनंतनाग विधानसभा क्षेत्र में चार उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जिसमें एक निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल है, जो पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) से जुड़ा हुआ था। चार उम्मीदवारों में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार पीरजादा मोहम्मद सईद, पीडीपी के डॉ. महबूब बेग, अपनी पार्टी के हिलाल अहमद शाह और निर्दलीय उम्मीदवार पीर मंसूर शामिल हैं।

पीरजादा मोहम्मद सईद जम्मू और कश्मीर के एक प्रमुख राजनेता हैं, जो कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है और कोकरनाग निर्वाचन क्षेत्र से चार बार विधायक चुने गए हैं। सईद, जिन्होंने कई मंत्रालय संभाले हैं, दूसरे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उनकी अपनी सीट एसटी-आरक्षित लानी है। हालांकि, एनसी का समर्थन उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है।जबकि मिर्जा अफ़ज़ल बेग के बेटे डॉ. महबूब बेग लंबे समय तक नेकां से जुड़े रहे, लेकिन बाद में पीडीपी में शामिल हो गए। बेग जम्मू-कश्मीर विधानसभा, विधान परिषद और भारतीय संसद के लिए कई बार चुने जा चुके हैं। वे स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा के कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। अपने परिवार, खासकर अपने पिता अफजल बेग के राजनीतिक प्रभाव के कारण डॉ. बेग भी इस सीट के मुख्य दावेदार हैं।

इसी तरह से काफी समय तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े रहे हिलाल अहमद कुछ साल पहले अपनी पार्टी में शामिल हुए थे। शाह, जो नगर निगम अनंतनाग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, ने 2014 में पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के खिलाफ करीब 11,000 वोट हासिल किए थे और इस बार वे बाजी पलट सकते हैं। और शंगस निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक पीर मंसूर हुसैन पीडीपी और अपनी पार्टी से जुड़े रहने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। मंसूर के पास इस क्षेत्र में अच्छा मतदाता आधार है और वे अन्य तीन उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, जिन्हें अपनी-अपनी पार्टियों का समर्थन प्राप्त है।इसी तरह से डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के मीर अल्ताफ़ हुसैन और भाजपा के सैयद पीरज़ादा वजाहत हुसैन भी वोटों का अच्छा हिस्सा हासिल कर सकते हैं, जिससे मुख्य चार दावेदारों के बीच वोट शेयर और भी बंट जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेकां-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार पीरज़ादा मोहम्मद सईद का निर्वाचन क्षेत्र में न रहना एक कमज़ोर कारक हो सकता है, लेकिन नेकां उम्मीदवार पीर मोहम्मद हुसैन का पूरा समर्थन सईद को जीतने में मदद कर सकता है। उनके अनुसार, डॉ. महबूब बेग और उनके पिता का निर्वाचन क्षेत्र में लंबे समय से प्रतिनिधित्व बेग को सीट फिर से हासिल करने में मदद कर सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि हिलाल शाह, जिन्होंने 2014 में कांग्रेस के टिकट पर मुफ़्ती मोहम्मद सईद के खिलाफ़ लगभग 11,000 वोट हासिल किए थे, एक बार फिर अच्छी संख्या में वोट हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, 2014 में पीडीपी टिकट पर शंगस

निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पीरजादा मंसूर इस तथ्य का लाभ उठा सकते हैं कि शंगस का हिस्सा रहे गांव अब अनंतनाग का हिस्सा हैं, और इससे उनका वोट शेयर बढ़ेगा और उन्हें जीतने में मदद मिलेगी। 2014 में जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों में, पीडीपी के नेता मुफ़्ती मोहम्मद सईद ने 6,028 वोटों के अंतर से सीट जीती थी। उन्हें 51.20% वोट शेयर के साथ 16,983 वोट मिले। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार हिलाल अहमद शाह को हराया, जिन्हें 10,955 वोट (33.03%) मिले। नेकां उम्मीदवार इफ्तिखार हुसैन मिसगर 2,403 वोट (7.24%) के साथ तीसरे स्थान पर रहे, और भाजपा उम्मीदवार मोहम्मद रफीक वानी सिर्फ 1,275 वोट (3.84%) के साथ चौथे स्थान पर रहे। कुल 33,200 वोट (39.71%) पड़े। इसी तरह से 2008 के जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीडीपी नेता मुफ़्ती सईद ने 39.49% वोट शेयर के साथ 12,439 वोट पाकर सीट जीती थी। नेकां उम्मीदवार मिर्ज़ा महबूब बेग को 7,548 वोट (23.96%) मिले और वे दूसरे स्थान पर रहे। सईद ने बेग को 4,891 वोटों के अंतर से हराया। कुल 31,501 वोट (41.23%) पड़े। स्वतंत्र उम्मीदवार लियाकत अली खान 1,895 वोट (6.02%) के साथ तीसरे स्थान पर रहे, और एक अन्य स्वतंत्र उम्मीदवार हिलाल अहमद शाह 1,683 वोट (5.34%) के साथ चौथे स्थान पर रहे।

विधानसभा क्षेत्र 44-अनंतनाग में 61,070 मतदाता (30,645 पुरुष, 30,425 महिलाएँ) हैं और 70 मतदान केंद्र (43 शहरी और 27 ग्रामीण) हैं। एसी 45-श्रीगुफवारा-बिजबेहरा में 1,02,081 मतदाता (50,728 पुरुष, 51,353 महिलाएँ) हैं और 125 मतदान केंद्र (16 शहरी और 109 ग्रामीण) हैं। ऐतिहासिक रूप से, अनंतनाग सीट का प्रतिनिधित्व 1951 में नेशनल कॉन्फ्रेंस के मिर्ज़ा अफ़ज़ल बेग ने किया था। 1962, 1967 और 1972 में इसका प्रतिनिधित्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शमसुद्दीन ने किया था। बेग ने 1974 और 1977 में इस सीट पर कब्ज़ा किया, इसके बाद 1983 में मिर्ज़ा महबूब बेग ने जीत हासिल की। 1987 में, एक स्वतंत्र मोहम्मद सईद शाह ने सीट जीती, इसके बाद 1996 में एनसी के सफ़दर अली बेग ने जीत हासिल की। 2002 में महबूब बेग ने सीट जीती, इसके बाद 2008 और 2014 में मुफ़्ती सईद ने और 2016 के उपचुनाव में महबूबा मुफ़्ती ने जीत हासिल की।

अब्दुल्ला परिवार अपना किला जीतेगा या लिखा जाएगा नया अध्याय

जम्मू, 12 सितम्बर (ब्यूरो)। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, सभी की निगाहें कश्मीर के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवार के वंशज उमर अब्दुल्ला पर टिकी हैं, क्योंकि वह अपने पुश्तैनी गढ़ गंदरबल को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, यह निर्वाचन क्षेत्र अब्दुल्ला के लिए वैसा ही है जैसा गांधी परिवार के लिए अमेठी था। गंदरबल कोई साधारण निर्वाचन क्षेत्र नहीं है; यह एक पारिवारिक विरासत है, जो अब्दुल्ला परिवार की पीढ़ियों से चली आ रही है। शेख अब्दुल्ला से लेकर उनके बेटे फारूक अब्दुल्ला तक, यह निर्वाचन क्षेत्र दशकों से परिवार का राजनीतिक खेल का मैदान रहा है। लेकिन सभी महान कहानियों की तरह, इस कहानी में भी उतार-चढ़ाव हैं। गंदरबल की तुलना अक्सर गांधी परिवार के अमेठी से की जाती है, जहां गांधी परिवार ने कई चुनाव जीते हैं। निर्वाचन क्षेत्र का चुनावी इतिहास एक पारिवारिक इतिहास की तरह है, जिसकी शुरुआत 1977 में हुई थी, जब नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के शेख मुहम्मद अब्दुल्ला ने सीट हासिल की थी। उनके बेटे फारूक अब्दुल्ला ने 1983, 1987 और 1996 में लगातार तीन कार्यकालों के लिए किले पर कब्ज़ा किया, जिससे अब्दुल्ला परिवार की गंदरबल पर पकड़ और मजबूत हुई।

अगर 2002 के घटनाक्रम पर मुड़ कर देखें तो तब अकल्पनीय हुआ था। पीडीपी के काज़ी अफ़ज़ल के गढ़ में घुसने के बाद अब्दुल्ला का किला ढह गया, जिससे कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मच गई। यह डेविड बनाम गोलियत का क्षण था, जिसने अब्दुल्ला परिवार को अपने घावों को चाटने और फिर से संगठित होने के लिए छोड़ दिया। लेकिन उमर, युवाओं की दृढ़ता और अपने परिवार के नाम के वजन के साथ, पीछे हटने वालों में से नहीं थे। 2008 में, उन्होंने वापसी की, न केवल गंदरबल जीता बल्कि जम्मू और कश्मीर के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री भी बने। यह फिनिक्स की तरह उछाल था, जो अब्दुल्ला विरासत की स्थायी अपील का प्रमाण था।

अब, जैसे-जैसे घड़ी 2024 के चुनावों की ओर बढ़ रही है, गंदरबल खुद को एक और चौराहे पर पाता है। इस निर्वाचन क्षेत्र में सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। 1.29 लाख मतदाताओं के साथ 64,109 पुरुषों और 64,904 महिलाओं का लगभग सही संतुलन, यह किसी के भी लिए एक खेल है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार तेज होता है, गंदरबल की सड़कें अटकलों से गुलजार हो जाती हैं। पुराने लोग शेख अब्दुल्ला के दिनों को याद करते हैं, जबकि युवा नई पार्टियों द्वारा किए गए बदलाव के वादों पर बहस करते हैं। चाय की दुकानों और बाज़ारों में, विकास, बेरोजगारी और कश्मीर की अनूठी चुनौतियों के बारे में गरमागरम चर्चाएँ बातचीत पर हावी रहती हैं।

राजनीतिक परिदृश्य पहले से कहीं ज़्यादा जटिल है। उमर अब्दुल्ला को कई तिमाहियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, पीडीपी के बशीर मीर कोई राजनीतिक नौसिखिया नहीं हैं। 2014 में, मीर ने पड़ोसी कंगन निर्वाचन क्षेत्र में नेकां के मियां अल्ताफ़ को कड़ी टक्कर दी थी। परिसीमन के बाद कंगन अब अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित है, मीर ने गंदरबल पर अपनी नज़रें टिकाई हैं और अपने राजनीतिक कौशल और स्थानीय संबंधों को मैदान में उतारा है। अब्दुल्ला की चुनौतियों में इज़फ़ाक जब्बार भी शामिल हैं, जिन्होंने 2014 में नेकां टिकट पर गंदरबल सीट जीती थी, लेकिन अब वे पार्टी से अलग हो गए हैं। स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे जब्बार एक कठिन चुनौती पेश कर रहे हैं, जिससे नेकां के पारंपरिक वोट आधार में संभावित रूप से विभाजन हो सकता है। राजनीतिक नवागंतुक शेख आशिक के प्रवेश के साथ कहानी और भी जटिल हो गई है।

कांग्रेस का मजदूर विरोधी चेहरा फिर हुआ बेनकाब

कर्नाटक में काम के घंटे बढ़ाने की साजिश में सरकार

बेंगलुरु, 12 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में फ़ासीवादी मोदी सरकार के विकल्प के तौर पर कांग्रेस के नेतृत्व में बनी इंडी गठबंधन को देखा जा रहा था। राहुल गांधी से उम्मीदें लगाई जा रही थी। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने भी अपने घो-षणापत्र में बड़े-बड़े वादे किये तथा उसे न्यायपत्र का नाम दिया। न्यायपत्र में और कांग्रेस की नीतियों में देश के मजदूरों-मेहनतकशों के लिए कितना न्याय मिला है यह भी सोचने का विषय है। कांग्रेस के इतिहास और नीतियों पर यदि एक निगाह डाली जाए तो इसके मजदूर-विरोधी और मेहनतकश जनता-विरोधी चेहरे को आसानी से समझा जा सकता है। कांग्रेस हमेशा से आम तौर पर पूंजीपतियों और विशेष तौर पर बड़े पूंजीपतियों की पार्टी रही है और उनके लिए नीतियां बनाकर उनकी सेवा करती रही है। इसी बात का एक और ताज़ा उदाहरण कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पेश किया है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार आईटी सेक्टर में काम के घंटे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत एक सप्ताह में 70 घंटे और रोजाना 14 घंटे काम करना होगा। कांग्रेस सरकार द्वारा की जा रही यह तैयारी उसके पूंजीपति परस्त और मजदूर-विरोधी चेहरे को उजागर करती है।

यह घटना हमें बताती है कि कांग्रेस पार्टी और उसकी विभिन्न राज्य सरकारों की नीतियां पूंजीपतियों की सेवा करने और मजदूरों के दमन और शोषण पर केंद्रित हैं। कांग्रेस के चेहरे पर कल्याणकारी वादों का केवल मुखौटा चस्पा है। अन्य चुनावबाज पार्टियां भी इस मसले को लेकर कुछ नहीं बोल रही हैं। यह चुप्पी उनके मौन समर्थन की सनद है। नकली वामपंथी पार्टियां भी इस मसले को लेकर केवल जुबानी जमा खर्च ही कर रहीं हैं। उनकी तरफ से कोई जुझारू जनान्दोलन खड़ा करने की बात तक सामने नहीं आई है।

इस घटना पर राजनीतिक पार्टियों के ट्रेड यूनियनों की प्रतिक्रिया भी काफी ठंडी है। इस बात से उनके चरित्र का अन्दाजा लगाया जा सकता है। आईटी सेक्टर में काम के घंटे बढ़ाने की तैयारी हमें यह भी बताती है कि आईटी सेक्टर भी अपने संतृप्त बिंदु पर पहुंच चुका है। इस सेक्टर में भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पूंजीपति वर्ग के मुनाफे की गिरती औसत दर ही संकट कहलाती है जिससे बचने के लिए बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियां सरकारों पर दबाव बना रही हैं। इसी दबाव का नतीजा है कि कर्नाटक की सरकार काम के घंटे बढ़ाने की तैयारी में है।

काम के घंटे बढ़ने से कंपनियों में तीन शिफ्ट की जगह दो शिफ्ट में ही काम होगा जिससे कि अभी काम कर रहे कुल मजदूरों के एक-तिहाई हिस्से को बाहर कर दिया जाएगा। बेरोजगारों की रिजर्व आर्मी में बढ़ोतरी होगी जिसका दूरगामी फ़ायदा भी इन्हीं कंपनियों को होगा।

18 अटल आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र का सीएम योगी ने किया शुभारंभ

57 जनपदों, 350 तहसीलों, 825 विकासखंडों में बनेंगे अटल आवासीय जैसे विद्यालय

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मोहनलालगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एक साथ प्रदेश के सभी 18 अटल आवासीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024-25 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अभी तो हमने 18 विद्यालय प्रारंभ किए हैं, जबकि दूसरे चरण में 57 जनपदों में कंपोजिट विद्यालय के रूप में भी ऐसे ही विद्यालय खोलने जा रहे हैं। वहीं, तीसरे चरण में इसे प्रदेश की सभी 350 तहसीलों में लेकर जाएंगे तो चौथे चरण में 825 विकास खंड में इस तरह के विद्यालयों की स्थापना होगी। यही नहीं, उन्होंने कहा कि पांचवें चरण में इसे हम न्याय पंचायत स्तर पर लेकर जाएंगे। इसका मतलब 2000 ऐसे विद्यालय प्रदेश के अंदर दिखाई देंगे जो बच्चों को उत्तम शिक्षा देने का माध्यम बनेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगले चरण में जो 57 विद्यालय बनेंगे उनमें पहली क्लास से लेकर 12वीं क्लास तक के बच्चे अध्ययन करेंगे। इनमें बाल वाटिका भी बनाई जाएगी। इससे पूर्व सीएम योगी ने कक्षा 6 और कक्षा 9 में प्रवेश पाने वाले बच्चों को स्कूल बैग एवं पाठ्य पुस्तकें प्रदान कीं। वहीं सीएम ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 6 में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट वितरित किया। इसके अतिरिक्त विज्ञान रत्न और खेलकूद व अन्य गतिविधियों में अग्रणी छात्रों को भी सीएम ने पुरस्कार प्रदान किया। वहीं, छात्रों ने सीएम योगी के स्वागत में नृत्य प्रस्तुतियां देकर उनका दिल जीत लिया।

अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी कहते थे कि जो समाज अशिक्षा और अभाव का सफलतापूर्वक मुकाबला कर ले उसको सुरक्षित और समृद्ध होने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। ये अभाव और अशिक्षा समाज के सबसे बड़े दुश्मन हैं। अभाव आता है गरीबी से, अकर्मण्यता से, अराजकता से, भ्रष्टाचार से, आपसी बंटवारा से और जहां भी भ्रष्टाचार होगा, अराजकता होगी, अभाव होगा, वहां पर जंगलराज भी होगा, अव्यवस्था होगी, असुरक्षित माहौल होगा, किसी का सम्मान नहीं होगा। वहीं, जब समाज को सही दिशा में नेतृत्व न मिले तो अशिक्षा जैसी बीमारियां तेजी के साथ फैलती हैं और समाज का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आता है। ऐसे में गरीबी, भुखमरी, अभाव ये सारी विकृतियां समाज में देखने को मिलती हैं। श्रद्धेय अटल जी को एक व्यापक जीवन का अनुभव था और उस अनुभव को उन्होंने अपने शब्दों से, अपने काव्यों के माध्यम से और जब सरकार में आने का अवसर प्राप्त हुआ तो इन बुराइयों से लड़ने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य किया था।

सीएम योगी ने कहा कि व्यक्ति हो या समाज, उसे सुशिक्षित किए बगैर आप सभ्य और समर्थ समाज और राष्ट्र की कल्पना नहीं कर सकते। सीएम योगी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता का मानक बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तबके के बच्चे को उसकी जाति, चेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के संसाधनों पर अधिकार मिलना चाहिए। इसी अधिकार का अहसास दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक क्लास रूम में बच्चों के साथ इंटरैक्शन का अवसर मिला। प्रतिभा जाति, मत और मजहब की बंधक नहीं होती। प्रतिभा कहीं भी पैदा हो सकती है, उसको सिर्फ एक मंच देना है। उसके लिए उचित अवसर उपलब्ध करवाना है और यही सरकार का दायित्व होना चाहिए।

सीएम ने बंटवारे की राजनीति करने वालों पर हमला करते हुए कहा कि ये जाति के नाम पर लड़ाने वाले समाज में सामाजिक न्याय के नाम पर सामाजिक वैमनस्यता पैदा कर देश के दुश्मनों को प्रोत्साहित करने वाले लोग गरीबी के दंश को क्या झेल पाएंगे, क्या समझ पाएंगे। जिन लोगों ने हमेशा शोषण किया, अराजकता फैलाई, कभी गरीबी नहीं देखी, उनसे उम्मीद करना कि वो बीओसी बोर्ड से जुड़े हुए रजिस्टर्ड श्रमिक या इन निराश्रित बच्चों जिन्होंने कोविड कालखंड में अपने माता-पिता या अभिभावक को खोया है, उनकी पीड़ा को समझ पाएंगे। उन लोगों के पास उसे समझने के लिए न समय है, न फुर्सत है, क्योंकि उनके अपने एजेंडे हैं। उनका एकमात्र एजेंडा और ध्येय राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों को बांटना है। इसके अलावा उनको कुछ भी नहीं दिखाई देता। ये चाहते हैं कि एक गरीब कभी गरीबी, अभाव और अशिक्षा से मुक्त न होने पाए। अगर हो जाएगा तो इनके बंटवारे और सामाजिक वैमनश्यता की राजनीति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इसलिए येन केन प्रकारेण ये लोग समाज को विभाजन की कगार पर पहुंचाना चाहते हैं। यही कारण है कि सरकारें पहले भी थीं, पैसा पहले भी था, लेकिन गरीबों के बच्चों के लिए शिक्षा का प्रबंध नहीं किया गया। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जो लोग अराजकता पैदा करना चाहते हैं, अव्यवस्था पैदा करना चाहते हैं, माफियागीरी करना चाहते हैं उनकी चूलों को हिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय एक मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा है। सीएम योगी ने आगामी कार्ययोजना को लेकर कहा कि प्रदेश के हर गरीब बच्चे को, हर वंचित के बच्चे को बिना भेदभाव शिक्षा प्राप्त हो सके इसके लिए अगले सत्र में हमने बेसिक शिक्षा परिषद को 57 जनपदों में विद्यालयों की स्थापना हेतु पैसा दे दिया है। 57 जनपदों में ऐसे विद्यालय खुलने जा रहे हैं। सीएम कंपोजिट विद्यालय के रूप में हम उन्हें स्थापित करने जा रहे हैं और तीसरे चरण में इसे हम सभी तहसीलों में लेकर जाएंगे। प्रदेश में 350 तहसील हैं , उनमें एक-एक विद्यालय बनेगा। चौथे चरण में 825 विकास खंड में इस तरह के विद्यालय बनेंगे। 825 विकास खंडों में इस तरह के विद्यालय बनेंगे तो किसी भी गरीब का बच्चा अच्छी और उत्तम शिक्षा से वंचित नहीं रहने पाएगा। उन्होंने कहा कि पांचवें चरण में इसे हम न्याय पंचायत स्तर पर लेकर जाएंगे। इसका मतलब 2000 ऐसे विद्यालय प्रदेश के अंदर दिखाई देंगे जो बच्चों को उत्तम शिक्षा देने का माध्यम बनेंगे। अटल आवासीय विद्यालय कक्षा 6 से लेकर 12वीं क्लास तक के लिए हैं। इनमें कंप्यूटर, स्किल डेवलपमेंट, खेलकूद, कला और संगीत की जानकारी दी जा रही है। हालांकि जो 57 विद्यालय बनने जा रहे हैं उनमें पहली क्लास से लेकर 12वीं क्लास तक के बच्चे अध्ययन करेंगे। उनमें बाल वाटिका भी बनेगी। यानी प्री प्राइमरी से लेकर 3 से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को भी वहां एडमीशन देकर नई पीढ़ी को भी इससे जोड़ने का काम करेंगे, ताकि वो भी अपने भावी विद्यालय को देख सकें।

इन विद्यालयों में खेलकूद के साथ हेल्थ चेकअप की भी व्यवस्था की गई है। बच्चे स्वस्थ होंगे तभी तो स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। सीएम योगी ने शिक्षकों से अपील की कि इन बच्चों को सर्वांगीण विकास की ओर ले जाने की आवश्यकता है। उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो, वो बौद्धिक रूप से परिपक्व हों, उनकी प्रतिभा को बिना भेदभाव के समाज के सामने लाने की अवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव न हो। सामाजिक, शैक्षणिक, व्यवहारिक रूप से उन्हें यह बताने की आवश्यकता है कि हर बच्चे का एक ही ध्येय हो और वो ये कि मेरे लिए जीवन की पहली प्राथमिकता मेरा देश होगा। उनके मन में देश के प्रति संपूर्ण समर्पण का भाव होना चाहिए। अगर इस भाव के साथ वो काम करेंगो तो न केवल इस प्रकार के संस्थानों की स्थापना को साकार करने में मदद मिलेगी अपितु और लोग भी इस दिशा में जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि बताते हुए खुशी हो रही है कि अटल आवासीय विद्यालय का मॉडल देखकर तमाम लोगों ने ऑफर किया है कि विद्यालय बनाने में हम भी इसमें सहयोग करना चाहते हैं।

कालिंदी एक्सप्रेस को दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश रचने वाला

हिस्ट्रीशीटर शाहरुख खान गिरफ्तार, आईएसआईएस से लिंक

कानपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश के मामले में शाहरुख खान नाम के एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। जब उसे गिरफ्तार किया गया तो वह घटनास्थल से कुछ दूर चला गया था। रिपोर्ट के अनुसार, पूछताछ के बाद छह संदिग्धों को छोड़ दिया गया और मुख्य संदिग्ध शाहरुख खान को पकड़ लिया गया।

अब तक की जांच में उत्तर प्रदेश के कानपुर में ट्रेन को पलटने की साजिश में आतंकवादियों के शामिल होने के कई सबूत मिले हैं। कई सरकारी एजेंसियों द्वारा की गई जांच में पता चला है कि ट्रेन पलटने की साजिश रचने वाला आरोपी शाहरुख खान एक कट्टरपंथी है। उसके खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस के खुरासान मॉड्यूल से संदिग्ध संबंध हैं।

9 सितंबर 2024 को कानपुर में अनवरगंज-कासगंज रूट पर चल रही कालिंदी एक्सप्रेस (14117) एक बड़ी दुर्घटना से बच गई थी। पटरी पर गैस सिलिंडर देखकर लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर गाड़ी रोक दी थी। इससे एक बड़ा हादसा टल गया था। सिलेंडर से टकराने के बाद सिलिंडर में तेज धमाका हुआ था।

लोको पायलट ने बताया था कि उसे पटरी पर कोई संदिग्ध चीज दिखी थी, लेकिन जब तक वह ब्रेक लगाए तब उससे टक्कर हो गई और धमाके की आवाज हुई। मौके पर पहुंची पुलिस को जांच में यहां से ङझ्रऋ सिलेंडर मिला। इसके आसपास एक पेट्रोल की बोतल और माचिस भी मिली। मौके पर से एक झोला भी मिला, बताया गया है कि इसमें बारूद थी। पुलिस ने बताया कि सिलेंडर को ट्रेन की पटरी पर ही रखा गया था जो हादसे के दौरान रगड़ खा गया। बीते कुछ समय में कई ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जानबूझ कर ट्रेन की पटरी पर ऐसे सामान रखे गए जिनसे ट्रेन पलट सकती थी। इससे पहले 17 अगस्त, 2024 को कानपुर में ही साबरमती एक्सप्रेस के साथ भी दुर्घटना हुई थी। इस हादसे में 17 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इसके अलावा, अलीगढ़ में पटरी पर एक मोटरसाइकिल का पहिया रखा गया था।

इस मामले में अफसान नाम के युवक को गिरफ्तार किया गया था। यह सभी मामले तब सामने आए हैं जब पाकिस्तानी आतंकी फरहतुल्लाह गोरी भारत में ट्रेन और बाकी इन्फ्रा को निशाने पर लेने की बात कर रहा है। पाकिस्तान में रहने वाले आतंकी फरहतुल्लाह गोरी ने यह काम स्लीपर सेल से करने को कहा था। सामने आए वीडियो में आतंकी गोरी ने कहा था कि ईडी आतंक की कमर तोड़ रहा है। इसका जवाब देने के लिए उसने देश भर में इन्फ्रा पर हमला करने को कहा था। वीडियो में गोरी बता रहा है कि कैसे ट्रेनों में अलग-अलग तरीके से धमाके किए जा सकते हैं। वह इसके लिए प्रेशर कुकर जैसी चीजों से बम बनाने का भी आईडिया दे रहा है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की शह पर काम कर रहा था।इससे पहले 21 फरवरी 2019 को कानपुर-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस बम विस्फोट हुआ था। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई थी। विस्फोट की जांच करते समय सुरक्षा एजेंसियों को जैश-ए-मोहम्मद के संचालक द्वारा लिखा गया एक पत्र मिला था।

पत्र में आरडीएक्स के प्रयोग से रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले की साज़िश का विवरण था।इस पत्र में शताब्दी एक्सप्रेस और दिल्ली-कानपुर मार्ग पर बने एक पुल पर हमला करने के बारे में भी लिखा था। कालिंदी एक्सप्रेस ने शाम 5:30 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन से भिवानी, हरियाणा की ओर यात्रा निकली थी। ट्रेन कानपुर से 40 किलोमीटर दूर बर्राजपुर स्टेशन पर शाम करीब 6:40 बजे पहुंची। बम धमाका सामान्य डिब्बे के टॉयलेट में हुआ था।

मेजर हर्षित चौधरी बन घूमता था चोर शहबाज अली

वंदे भारत में पकड़े गए चोर से हुआ खुलासा

अहमदाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

गुजरात की अहमदाबाद रेलवे पुलिस ने वंदे भारत ट्रेन में चोरी करने वाले शहबाज अली नाम के एक चोर को गिरफ्तार किया है। उसने हर्षित चौधरी नाम से अपना पहचान पत्र बनवा रखा था और खुद को आर्मी में मेजर बताता था। उसके पास से सेना का एक आई कार्ड एवं अन्य कागजात भी बरामद हुए हैं। फर्जी कागजातों से शहबाज ट्रेन और हवाई यात्राएं करता था। उसके अब्बू सेना के रिटायर्ड हैं, जबकि उसका भाई एयरफोर्स में है।

गुजरात में कुछ दिन पहले वन्दे भारत ट्रेन से एक सूटकेस चोरी हुआ था। इस घटना की शिकायत अहमदाबाद रेलवे पुलिस में दर्ज करवाई गई थी। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान एक युवक चोरी हुए सूटकेस के साथ नजर आया। इस युवक की पड़ताल रेलवे रिजर्वेशन से करवाई गई। सीट बुकिंग में इस्तेमाल दस्तावेजों के आधार पर युवक की पहचान राजस्थान के हर्षित चौधरी के तौर पर हुई।

आखिरकार 5 सितंबर 2024 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपी को अहमदाबाद लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी हर्षित चौधरी नहीं, बल्कि शहबाज मुश्ताक अली खान है। उसने हर्षित चौधरी के नाम का फर्जी आधार कार्ड बनवा रखा था। शहबाज न सिर्फ खुद को हिंदू, बल्कि भारतीय सेना में मेजर बताया करता था। तलाशी के दौरान उसके पास से एक आई कार्ड भी बरामद हुआ। इस आई कार्ड में भी शहबाज ने अपनी फोटो लगाकर खुद को हर्षित चौधरी बता रखा था। फर्जी कागजात बरामद होने के बाद पुलिस ने शहबाज से आगे की पूछताछ शुरू की। उसने बताया कि वह मूलतः उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले का रहने वाला है। अलीगढ़ में वह मौलाना आजाद नगर में रहता है। पूछताछ में उसने बताया कि इन फर्जी पहचान पत्रों पर उसने 3 बार घरेलू उड़ान से और इतनी ही बार ट्रेन से यात्रा कर चुका है। फर्जी कागजात बनाने के पीछे शहबाज ने लोगों पर रुतबा झाड़ने की मंशा बताया है। फिलहाल जांच एजेंसियां इसकी पड़ताल कर रही हैं। शादीशुदा शाहबाज अली 2 बच्चों का बाप है। पुलिस को पता चला कि शहबाज का पिता मुश्ताक अली खान सेना से रिटायर्ड है। शाहबाज का एक भाई भारतीय वायुसेना में है। आरोपी शहबाज को न्यायिक हिरासत में रखा गया है। पुलिस की जांच इस बिंदु पर भी हो रही है कि सेना के अधिकारी का आई कार्ड शहबाज ने सिर्फ धौंस जमाने के लिए बनवाया था या इसके पीछे उसकी कोई और मंशा थी।

ढाबे का कारीगर सद्दाम हुसैन रोटियों पर थूकता हुआ पकड़ा गया

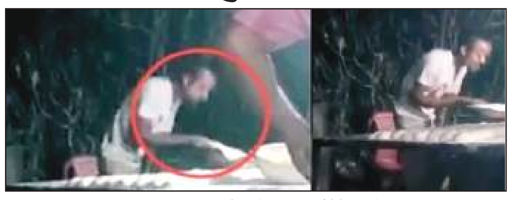

बागपत, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

बागपत जिले में एक ढाबे पर रोटी बना रहे सद्दाम हुसैन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वीडियो में कारीगर सद्दाम को तंदूरी रोटियों पर थूकते देखा जा सकता है। सद्दाम के साथ होटल मालिक एहसान को भी नामजद किया गया है।

मामला बागपत जिले के कोतवाली शहर की है। हेड कॉन्स्टेबल धीरज कुमार ने थाने में तहरीर देकर कहा कि वायरल वीडियो की जांच में बागपत के दिल्ली रोड स्थित गुलजार होटल का मामला निकला। इस वीडियो में तंदूर के पास खड़ा कारीगर रोटियों पर थूकता दिख रहा है। हेड कॉन्स्टेबल धीरज कुमार के मुताबिक, कारीगर की इस हरकत से संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा है। पुलिस ने फ़ौरन होटल के मालिक गुलजार से बात की। गुलजार ने बताया कि उन्होंने अपना ढाबा फूंस वाली मस्जिद के पास रहने वाले एहसान को दे रखा है। एहसान द्वारा चलाए जा रहे ढाबे में रोटी बनाने के लिए सद्दाम हुसैन नियुक्त था। सद्दाम हुसैन उत्तर प्रदेश के बागपत शहर में काजियान मस्जिद के पास रहता है। पुलिस ने सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में जांच व अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अटल आवासीय विद्यालय में छात्रों से संवाद

शिक्षक बने योगी ने दिए छात्रों के सवालों के जवाब

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

अटल आवासीय विद्यालयों के द्वितीय शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ करने लखनऊ के मोहनलालगंज के सिठौली कला स्थिति विद्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां बच्चों के साथ क्वालिटी समय बिताया। इस दौरान न सिर्फ सीएम योगी ने प्रतिभाशाली छात्रों के द्वारा बनाए गए इनोवेटिव मॉडल्स को देखा और उसकी सराहना की, बल्कि क्लासरूम जाकर बच्चों से संवाद भी किया। सीएम योगी ने शिक्षक बनकर छात्रों को सफलता के मंत्र भी बताए, जबकि छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान सीएम योगी ने छात्रों के साथ ग्रुप फोटोशूट भी कराया तो सेल्फी भी क्लिक की।

कार्यक्रम के लिए मोहनलालगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले छात्रों द्वारा बनाए गए इनोवेटिव मॉडल्स की प्रदर्शनी देखी। इस प्रदर्शनी में स्मार्ट डस्टबिन, स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट, ऑबस्टिकल अवॉइडिंग रोबोट, कंप्यूटर मॉडल, कैलीग्राफी और आर्ट एंड क्राफ्ट जैसे डिवाइस प्रस्तुत किए गए, जिसे देखकर सीएम योगी ने छात्रों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। छात्रों ने उन्हें अपने मॉडल्स की विशेषताएं भी बताईं। एक बच्ची ने सीएम योगी का चित्र भी बनाया, जिस पर सीएम योगी ने अपने सिग्नेचर भी किए। इस अवसर पर सीएम ने सभी बच्चों के साथ फोटोशूट भी कराया। यहां से सीएम योगी सीधे क्लासरूम पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों से विद्यालय के बारे में, पढ़ाई के बारे में चर्चा की और उन्हें चॉकलेट वितरित की। सीएम योगी ने बच्चों से पूछा कि पहले किस तरह की शिक्षा प्राप्त कर रहे थे और अब उनके जीवन में क्या बदलाव आया है। बच्चों ने बताया कि अब उन्हें अब स्मार्ट क्लास में पढ़ने का सुअवसर मिल रहा है।

इस दौरान सीएम योगी ने छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए। एक छात्र ने पूछा कि हाल ही में हमने लखनऊ में स्वतंत्रता दिवस की परेड में भाग लिया था, जहां हमें पुरस्कार भी मिला था। क्या हम दिल्ली की परेड में भी जा सकते हैं।

इस सवाल के जवाब में सीएम योगी ने मुस्कुराते हुए कहा कि हां जरूर भेजा जाएगा। इसी तरह एक बच्चे ने पूछा कि जब आप स्कूल में पढ़ते थे तो क्या आपको भी गलती करने पर डांट पड़ती थी। इस पर सीएम ने शिक्षक की तरह छात्रों को नसीहत दी कि गलती अनजाने में हो जाए तो उसके लिए व्यक्ति दोषी नहीं होता है, उसमें सुधार की गुंजाइश होती है, लेकिन बार-बार गलती को दोहराना नहीं चाहिए। व्यक्ति कार्य करेगा तो गलती होगी, लेकिन यदि गलती बार-बार दोहराता है तो वह आदतन कर रहा है। स्वाभाविक रूप से हर बच्चे के जीवन में यह चीजें होती हैं। जब आप कुछ भी कार्य करिए, मेहनत करिए। अच्छी दिशा में कार्य करेंगे तो परिणाम अच्छे आएंगे। सवाल-जवाब के बाद सीएम योगी ने सभी बच्चों के साथ सेल्फी भी ली।

इस दौरान एक बच्ची ने अटल आवासीय विद्यालय में अच्छी व्यवस्था के लिए सीएम योगी का धन्यवाद देते हुए पूछा कि जब वो बच्चे थे तब क्या उन्हें भी इसी तरह की शिक्षा का अवसर मिला था। इस पर सीएम योगी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना है जो आप लोगों के लिए यह व्यवस्था बनाई गई है। वास्तव में यह जनता का ही पैसा है। गलत हाथों में पैसा जाता है तो वो इसका दुरुपयोग करते हैं। सही हाथों में पैसा जाता है तो ऐसे ही सदुपयोग होता है जैसे आपके लिए इतना अच्छा विद्यालय बना है। अटल आवासीय विद्यालय अभी 16 बन चुके हैं और 2 बन रहे हैं। 57 अन्य जनपदों में भी हम बना रहे हैं। इससे हजारों बच्चों का कल्याण होने वाला है। अगर सही रास्ते पर चलोगे तो मंजिल मिलेगी, अगर गलत रास्ते पर चलोगे तो भटक जाओगे। यूपी सरकार ने अटल आवासीय विद्यालय के लिए भवन और भूमि उपलब्ध करवाने के साथ ही रजिस्टर्ड श्रमिकों के सेस के पैसे से यहां की हर दिन की गतिविधियों के संचालन के लिए एक कॉर्पस फंड बनाया है। इसके लिए आपको प्रधानमंत्री मोदी जी को पत्र लिखकर धन्यवाद ज्ञापित कीजिए। कक्षा 6 की छात्रा छवि गौतम ने सीएम से पूछा कि बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय खोलने का विचार उनके मन में कब और कैसे आया? इस पर सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसके बारे में हमें कहा था कि जो बीओसी बोर्ड होता है जहां पर रजिस्टर्ड श्रमिकों के सेस का पैसा इकट्ठा होता है उसका कमोवेश दुरुपयोग होता है।

क्या बताता है

आंख मिलाना

जो व्यक्ति बातचीत के क्रम में आंखों में आंख मिलाकर यानी आंख के सामने दृष्टि डालकर स्थिर स्वभाव से बोलता या बातचीत करता है वह प्रबल आत्मविश्वासी,दृढ़,धैर्य व स्थिर स्वभाव वाला होता है। ऐसा व्यक्ति साहसी,सत्यनिष्ठ, निष्कपट व दृढ़ चरित्र वाला होता है। इसी कारण वह आंख से आंख मिलाकर निडर होकर बातचीत करता है। प्राय: ऐसे व्यक्तियों की गणना उत्तम व्यक्तियों में होती है।

देखने का अंदाज...?

मनुष्य के शरीर का यूं तो प्रत्येक अंग ही उसके व्यक्तित्व की पहचान कराने वाला होता है

लेकिन इनमें आखों का भी एक अलग स्थान है। सच कहा जाय तो हमारे देखने का अंदाज भी हमारे बारे में बहुत कुछ कह देता है। विशेषकर स्वभाव,चरित्र और व्यक्तित्व की कसौटी हैं हमारी आंखें। हम किसी के बारे में यदि कुछ जानना चाहें तो बहुत कुछ सामने वाले की दृष्टि देखकर जान सकते हैं।

चेहरे पर निगाहें

जिस व्यक्ति की दृष्टि बातचीत करते वक्त सामने वाले व्यक्ति के मुख मंडल पर विचरण करती रहती है वह व्यक्ति सामने वाले की मन स्थिति को चेहरा पढ़कर समझने की कोशिश करता है। इस श्रेणी के व्यक्ति सज्जन,स्नेही,उदार,दयावान तथा विनम्र स्वभाव के निष्कपट होते हैं।

सिर पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति से बातचीत के क्रम में अपनी निगाहें उसके सिर पर करते हुए ऊपर देखते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ऐसे व्यक्ति अपनी निगाहें नीची करके बातचीत करने में अपना अपमान समझते हैं इस प्रकार की दृष्टि वाले व्यक्ति अभिमानी,दम्भी,पाखंडी तथा मध्यम श्रेणी के होते हैं।

सीने पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति के वक्ष स्थल पर,सीने पर निगाहें केंद्रित करके बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति संकोचशील व शर्मीले स्वभाव के होते हैं। ऐसे व्यक्ति कभी आंख से आंख मिलाकर बातचीत नहीं कर सकते। ये प्रायः अच्छे चरित्र व स्वभाव वाले होते हैं।

नीचे निगाहें

जो बातचीत करते समय अपनी दृष्टि नीचे की ओर रखते हैं वे पापात्मा,अपराधी,गुनाहगार,नीच चरित्र वाले होते हैं। अगर इनकी बातचीत करते समय दृष्टि पैर पर केंद्रित है तो समझना चाहिए कि वे अपनी गलती के लिए मन ही मन क्षमा मांग रहे हैं। जिनकी दृष्टि देखते समय या बातचीत के समय अपने सामने वाले व्यक्ति के कटिप्रदेश पर केंद्रित होती है। वे व्यक्ति कलुषित भावना, पाशविक,यौन जिज्ञासु तथा भ्रष्ट चरित्र वाले होते हैं जिनकी गणना अधम व्यक्तियों में की जाती है।

इधर उधर नजरें

जो लोग बात करते वक्त अपनी दृष्टि इधर उधर घुमाते हैं या अपनी नजर झुकाकर बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति विश्वासघाती,भीरू,दुष्ट, छलकपट भरे हृदय वाले तथा निंदक होते है। बातचीत समाप्त होने के बाद आप जैसे ही जाने के लिए उद्यत होंगे तो ऐसा व्यक्ति फिर आपकी पीठ पर अपनी दृष्टि डालेगा ऐसे लोगों से सावधान रहना हितकर रहता है।

असफलता से न हों परेशान...

लोगों को अवसाद में घिरकर जीवन समाप्त करते देखना इन दिनों आम हो गया है। व्यक्तिगत कारण हों या ऑफिस से ज्यादा अपेक्षाएं पाल लेना, ऐसी घटनाओं का केंद्र-बिंदु यही होता है कि हम वास्तविकता की अनदेखी कर देते हैं। निराशा या क्रोध हमें तभी घेरते हैं, जब दूसरे व्यक्ति से तथाकथित अपेक्षित उत्तर नहीं मिल पाता। सच पूछा जाए तो हमारी खुशियां अपेक्षाओं की मोहताज हैं। बेटे का आशानुरूप रिजल्ट आया तो खुशियां दोगुनी, अन्यथा नहीं। समयानुकूल प्रमोशन मिला तो खुश, नहीं तो उदासी ही उदासी। असली और आंतरिक खुशी का एहसास करना हो तो अपनी अपेक्षाओं को नियंत्रण में रखना सीखें। तभी अपनी असफलताओं से दुःख नहीं, बल्कि सीख मिलेगी। वास्तव में हम अपना आकलन कर खुद को सीमाओं में बांध लेते हैं, पर दूसरों से हम हद से ज्यादा उम्मीद रखने लगते हैं। हालांकि दूसरा पहलू यह भी है कि उम्मीदें हमें कर्मपथ पर अग्रसर करती हैं। अपेक्षाएं मनोबल बढ़ाती हैं। विद्यार्थी अपने माता-पिता की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलने में ऊर्जा के साथ-साथ प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। कर्मचारी अपने मालिक की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलकर कंपनी की प्रगति में सहायक होते हैं। बस, इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए बहुत ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहिए। अपेक्षा किसी की योग्यता के विपरीत भी नहीं बनानी चाहिए। इसलिए जिससे उम्मीदें रखते हैं, उसकी योग्यता और कार्यक्षमता की पहचान कर लेनी चाहिए।

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य और विज्ञान में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है कि जीव कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए।

कैसे मिलेगा मोक्ष...?

आत्मा के बारे में साधारणतया माना जाता है कि वह शरीर के हर हिस्से और रेशे रेशे में रहती है। यानी जहां भी संवेदना होता है, वहीं उसकी उपस्थिति महसूस की जाती है। इस मान्यता को यथार्थ और तथ्य की कसौटी पर कसें तो बाल और नाखून जैसे हिस्सों में उसका वास नहीं होना चाहिए। लेकिन शास्त्रों की मानें तो आत्मा मूलतः मस्तिष्क में निवास करती है। योग की भाषा में उस केंद्र को सहस्त्रार चक्र या ब्रह्मरंध्र कहते हैं। अब विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करने लगा है। विज्ञान के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा या चेतना शरीर के उस भाग से निकल कर बाहरी जगत में फैल जाती है। शास्त्र की भाषा में दूसरे लोकों की यात्रा पर निकल जाती है। मृत्यु का करीब से अनुभव करने वाले या मृत करार दिए गए किंतु फिर जी उठे लोगों के अनुभवों के आधार पर यह सिद्धांत काफी चर्चा में है। विज्ञान के अनुसार शरीर की तंत्रिका प्रणाली से व्याप्त क्वांटम जब अपनी जगह छोड़ने लगता है तो मृत्यु जैसा अनुभव होता है। इस सिद्धांत या निष्कर्ष का आधार यह है मस्तिष्क में क्वांटम कंप्यूटर के लिए चेतना एक प्रोग्राम की तरह काम करती है। यह चेतना मृत्यु के बाद भी ब्रह्मांड में परिव्याप्त रहती है। एरिजोना विश्वविद्यालय में एनेस्थिसियोलॉजी एवं मनोविज्ञान विभाग ने इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया है। प्रयोग और शोध अध्ययनों के अनुसार आत्मा का मूल स्थान मस्तिष्क की कोशिकाओं के अंदर बने ढांचों में होता है जिसे माइक्रोट्यूबुल्स कहते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सिद्धांत को आर्वेक्स्ट्रेड ऑब्जेक्टिव रिडक्शन (आर्च-ओर) का नाम दिया है। इस सिद्धांत के अनुसार हमारी आत्मा मस्तिष्क में न्यूरॉन के बीच होने वाले संबंध से कहीं व्यापक है।

इस तरह रहती है आत्मा

दरअसल, आत्मा निर्माण उन्हीं तंतुओं से हुआ जिससे ब्रह्मांड बना था। यह आत्मा काल के जन्म से ही व्याप्त थी। इस निष्कर्ष के बाद भारतीय दर्शन या योग अध्यात्म की इस मान्यता को काफी बल मिला है कि चेतना या आत्मा विश्व ब्रह्मांड का ही एक अभिन्न अंग है। शरीर में उसकी एक किरण या स्फुल्लिंग मात्र रहता है। मृत्यु जैसे पट परिवर्तन में माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन इसके अंदर के अनुभव नष्ट नहीं होते। आत्मा केवल शरीर छोड़ती है और ब्रह्मांड में विलीन हो जाती है। हृदय काम करना बंद हो जाता है, रक्त का प्रवाह रुक जाता है, माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन वहां मौजूद क्वांटम सूचनाएं नष्ट नहीं होतीं।वे व्यापक ब्रह्मांड में वितरित एवं विलीन हो जाती हैं। यदि रोगी ठीक नहीं हो पाता और उसकी मृत्यु हो जाती है तो क्वांटम सूचना शरीर के बाहर व्याप्त है। धर्म परंपरा इस अनुभव को स्मृति और संस्कार के साथ शरीर के बाहर रहने और उपयुक्त स्थितियों का इंतजार करना बताते हैं। दूसरे शब्दों में आत्मा पुनर्जन्म की तैयारी करने लगती है।

स्व कर्मानुसार गति

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है जीव कि कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और दूसरे जिसमें प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए। वेदादि शास्त्रों में उक्त दोनों गतियों को कई नामों से जाना गया है। श्रीमद् भगवद् गीता के अनुसार देव, मनुष्य आदि प्राणियों की मृत्यु के अनन्तर दो गतियां होती है। इस जंगम जगत के प्राणियों की अग्नि, ज्योति, दिन, शुक्ल पक्ष और उत्तरायण से उपलक्षित अपुनरावृत्ति-फलक प्रथम गति तथा धूम, रात्रि, कृष्णपक्ष और दक्षिणायन से उपलक्षित पुनरावृत्ति-फलक दूसरी गति अनादि काल से चली आ रही है। इसमें दूसरे मार्ग से प्रयाण करने वाला प्राणी कर्मानुसार पुन: पुन: जन्म मरण के वक्र चक्र में पड़कर आ-ब्रह्मलोक परिभ्रमण करता रहता है, लेकिन प्रथम मार्ग से प्रयाण करने वाला जीव सूर्यमंडल भेदन करके सर्वदा के लिए जन्म और मरण के बंधन से छूट जाता है, अर्थात् मोक्ष को प्राप्त हो जाता है।

मोक्ष को लेकर मतभेद

मोक्ष के अर्थ के लिए साधारण सी भाषा में प्राय: कह दिया जाता है कि छुट्टी मिल गई, मुक्ति हो गई, पीछा छूटा, झंझटो से दूर हुए, ब्रहम में लीन हो गए, सांसारिक बंधनों से छुटकारा मिल गया, जन्म-जन्मान्तर के चक्कर से मुक्ति मिल गई आदि। दार्शनिक विचारकों में मोक्ष के विषय में मतभेद है, चार्वाक् के अनुसार देहनाश अर्थात् शरीर का अन्त ही मोक्ष है। शून्यवाद बौद्ध आत्मा के उच्छेद को मोक्ष मानते हैं। अन्य बौद्ध निर्मल ज्ञान की उत्पत्ति को मोक्ष कहते हैं। जैन दर्शन के अनुसार कर्म से उत्पन्न आवरण के नाश से जीव का निरन्तर ऊपर उठना ही मोक्ष है। वैशिषिक का मत है कि आत्मा के समस्त विशेष गुणों का अभाव होना ही मोक्ष है। नैर्यायक कहते हैं कि 21 प्रकार के दु:खों यानी 6 ज्ञानेन्द्रिय, उनसे उत्पन्न 6 ज्ञान, उनमें 6 विषय, सुख-दुख और शरीर की आत्यन्तिक निवृत्ति मोक्ष है। मीमासंको के अनुसार विहित वैदिक कर्म के द्वारा स्वर्ग को प्राप्त करना ही मोक्ष है। सांख्य दर्शन का मत है कि प्रकृति जब पूर्णतया उपरत हो जाए तब पुरूष का अपने स्वरूप में स्थित होना मोक्ष है, योग दर्शनकार के अनुसार चित्शक्ति का निरूपाधिक रूप से अपने आप में स्थित होना मोक्ष है रामानुज सम्प्रदाय में ईश्वर के गुणों की प्राप्ति के साथ ईश्वर के स्वरूप का अनुभव होना मोक्ष है। माहवमत में दु:ख से मिले पूर्ण सुख की प्राप्ति ही मोक्ष है। मोक्ष अवस्था में जीव को ईश्वर के तीन गुण यानी सृष्टि कर्तव्य, लक्ष्मीपतित्व और श्रीवत्स की प्राप्ति को छोड़कर सब कुछ प्राप्त होता है। पाशुमत दर्शन में परमेश्वर बन जाना, शैव, दर्शन में शिव हो जाना और प्रत्यमिज्ञा दर्शन में पूर्ण आत्मा की प्राप्ति को मोक्ष कहा गया है। रसेश्वर दर्शन में रस के सेवन से देह का स्थिर हो जाना और जीते जी मुक्त होना मोक्ष है। वैयाकरणों का कहना है कि मूलाधार चक्र में स्थित परा नामक ब्रह्मरूपणी वाक् का दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्तों में मूल दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्त में मूल ज्ञान के नष्ट हो जाने पर अपने स्वरुप की अनुभूति अर्थात् आत्म साक्षात्कार ही मोक्ष है।

मोक्ष प्राप्ति के साधन

वाणी का संयम: मौन अर्थात् इन्द्रियजीत होकर वाणी का संयम कर ले। वाणी का प्रयोग कभी सांसारिक कार्यों में न करें। ब्रह्मचर्य व्रत अर्थात् ब्रह्मचर्य का विधिवत् पालन करें। श्रुति कहती है कि केवल ब्रह्मचर्य व्रत से ही जीव की मुक्ति हो जाती है। शास्त्र श्रवण निरंतर करते रहें और श्रवण के बाद उसका सतत् मनन और निदिध्यासन चलता रहे तो भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अहं को मिटा दें: तप अर्थात् तपस्या से अहं मिटता है, तपस्या की उत्तरोत्तर वृद्धि से ब्राह्मी स्थिति को जीव प्राप्त होता है अर्थात् बह्म में लीन हो जाता है। अध्ययन अर्थात् बुद्धि का व्यायाम। निरन्तर शास्त्र अध्ययन और तद्नुसार उसका चिन्तन-मनन जीव को ब्रह्मावगामिनी बनाता है। भगवद् गीता के अनुसार भी बुद्धि के समीप ही तो ब्रह्म है।

स्वधर्म पालन: स्वधर्म पालन अर्थात् जिस वर्ण के हों, जिस मत के हों, जिस आश्रम आदि के हों, धर्म का पालन करते रहें- यह भी मोक्ष का मार्ग है। शास्त्रों की व्याख्या अर्थात् शास्त्रों की प्रबल युक्तियों द्वारा युक्तियुक्त व्याख्या करें। यह भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। व्याख्या करते समय बुद्धि अत्यन्त सूक्ष्म हो जाती है और ब्रह्म तो सूक्ष्माति सूक्ष्म है। स्थूल बुद्धि वाले तो स्थूल शरीर ही पा सकते हैं।

एकांतवास: एकांतवास अर्थात् संसारी कोलाहल और चकाचौंध से दूर। एकान्तवास का अर्थ अपने दायित्वों से भागकर पर्वत, जंगल, आश्रम आदि में भाग जाना कदापि नहीं है। जप अर्थात् निरंतर नाम मंत्र जप वाला भी मोक्ष को प्राप्त होता है। मंत्र जाप की महिमा का इससे बड़ा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जो शिव जी ने पार्वती जी से कहा- हे वरानने पार्वती मैं तीन बार प्रतिज्ञा करके कहता हूं कि केवल जप मात्र से ही इष्ट कार्य की सिद्धि हो जाती है। अब यह बात निर्भर करती है अपने-अपने बुद्धि और विवेक पर कि व्यक्ति को भौतिक सुखों की चाह है या इससे विमुख होकर पारलौकिक सुखों की।

समाधि से भी मुक्ति: समाधि भी मुक्ति का एक निमित्त बताया है। शास्त्रकारों के अनुसार आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और अन्तत: समाधि यह छह योग हैं। इनमें प्रथम तीन तो बाह्य साधना और अन्तिम तीन-धारणा, ध्यान और समाधि आंतरिक साधन कहलाते हैं। समाधि से मन एकाग्र होता है परंतु साथ में मन निर्मल होना परम आवश्यक है, नहीं तो पुन: जीव भौतिक वाद में पहुंच जाएगा। जब शरीर में मल न रहकर निर्मल बन जाए, मन में विक्षेप न होकर बिना विक्षेप के बन जाए और बुद्धि का आवरण हटकर निरावरण बन जाए तो समाधि से मोक्ष की अवस्था प्राप्त हो जाती है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

बुद्धि बंधन है, बुद्धि से मुक्त हों...

प्रेम आत्मा का भोजन है, प्रेम परमात्मा की ऊर्जा है जिससे प्रकृति का सारा सृजन होता है। आध्यात्म जगत में प्रेम से ज्यादा महत्त्वपूर्ण कोई शब्द नहीं है। यही वह रसायन है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ देता है। जब आप प्रेम में उतर जाते हो तो प्रेम का प्रत्युत्तर आपने आप आना शुरू हो जाता है। आप सद्गुरु की आंखों में प्रेम से झांकते हो तो सद्गुरु की प्रेम ऊर्जा आपको ऐसे लपेटने लगती है कि आप मंत्रमुग्ध होकर उसी के हो जाते हो। सद्गुरु को पकड़ो। पकड़ने का अर्थ है सबसे पहले वहां साष्टांग हो जाओ, झुक जाओ यानी अहंकार के विसर्जन का, प्रेम का, प्रीती का अभ्यास सद्गुरु के चरणों से शुरू करो। एक बात और है प्रेम करना नहीं होता, प्रेम तो स्वयं हो जाता है। लेकिन इस प्रेम के होने में बुद्धि सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। बुद्धि सोच विचार करती है। तर्क वितर्क करती है, वह खुले हृदय से अनुभव नहीं करने देती है। बुद्धि बंधन है, उसी से मुक्त होना है और उपलब्ध रहना है उन प्रेम के क्षणों में।

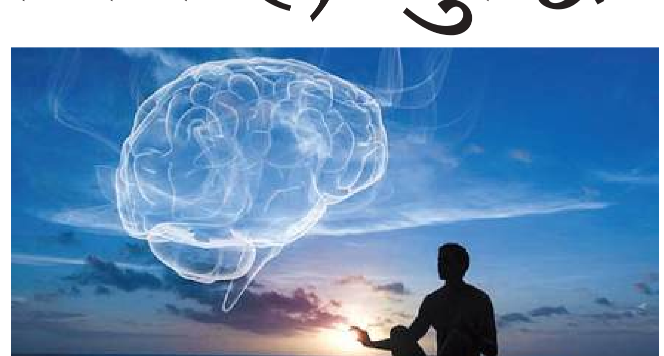

छिपाने के लिए कुछ नहीं

प्रेम की भूल-भुलैया का जरा अनुभव तो करो, लेकिन बुद्धि से नहीं, हृदय खोलकर प्रेम का दिया बनो। प्रेम का अर्थ होता है दूसरों को इतना अपना बना लेना कि कुछ छिपाने को बचे ही नहीं। आपको, जब आपको लगने लगे कि उससे छिपाने को कुछ भी नहीं रहा तब समझना कि आपको सच्चे अर्थों में प्रेम हो गया है। सद्गुरु ही एकमात्र व्यक्ति है जो नि:स्वार्थ प्रेम करता है। उसे आपसे कुछ पाना नहीं है। उसे तो अपना सब कुछ आपके ऊपर लुटाना है। उसके प्रति प्रेम करने में कठिनाई का अनुभव नहीं होना चाहिए।

प्रेम साधना है

ऋषियों ने कहा है, प्रकृति से प्रेम करो। फिर धीरे-धीरे मनुष्य पर आओ। मनुष्य से आकर आप सीधे परमात्मा तक पहुंचोगे। ऋषियों ने पहाड़ों को पूजा, नदियों को पूजा, वृक्षों को पूजा, चांद-तारों को पूजा। किसलिए? उन्होंने संदेश दिया कि सारी पृथ्वी से प्रेम करो। विराट अस्तित्व ही परमात्मा है। सबके प्रति प्रेम से इतना भर जाओ कि आपकी लय, आपका संगीत, आपका छंद उस परमात्मा से जुड़ जाए जो-जो शरीर में है वह सब ब्रम्हांड में है। सारे धर्म इसी बात का विज्ञान हैं और कुछ नहीं। प्रेम की एक ही साधना है, एक ही संकल्पना है जिसके साध लेने पर आध्यात्म की सारी साधनाएं प्रकट हो जाएंगी।

प्रेम के तीन तल

प्रेम के तीन तल होते हैं। पहला तल शरीर का तल है जहां आप गिरते हो। वासना के वशीभूत होकर परस्पर प्रेम करना वास्तव में प्रेम है ही नहीं। वह तो स्वार्थ है, छलावा है। एक-दूसरे की आवश्यकता की पूर्ति मात्र है। दूसरा तल है मन का तल, जब बात शरीर से ऊपर उठकर मन तक आ जाती है। मन से चाहने लगते हो। तीसरा तल है आत्मा का तल। सूक्ष्मतम अस्तित्व आत्मा, जब वह प्रेम एक दूसरे की आत्मा से जुड़ जाता है यानी एक दूसरे की आत्मा में बस जाते हो तब आप दो नहीं रहते एक हो जाते हो। आत्मसात हो जाते हो परस्पर। ऐसा नि:स्वार्थ प्रेम वासना रहित होता है। इसलिए ऐसा प्रेम करो। ऐसा प्रेम ही परमात्मा से आपका साक्षात्कार करा देगा।

नेगेटिव एनर्जी से बचें...

शास्त्रों, वास्तु और फेंगशुई के अनुसार हर दिशा का अपना महत्व है। उसी के अनुरूप उस जगह पर नकारात्मक अथवा सकारात्मक शक्तियों का वास होता है। वास्तु में सूर्य को ब्राह्म में ऊर्जा का स्त्रोत माना जाता है। इसी कारण पूर्व दिशा ऊर्जा का केंद्र रहती है पश्चिम में सूर्य अस्त होता है जहां उसकी ऊर्जा का ह्रास होता है और इसी दिशा पर शनिदेव वास करते हैं। शास्त्रों में दैवीय ऊर्जा का उद्गमन उत्तर पूर्व दिशा कही गई है। इसे ईशान कोण भी कहा जाता है। इसी दिशा से सारी दैवीय शक्तियां संचालित होती हैं। यही स्थान ईश्वर को भी समर्पित है इसके विपरीत दक्षिणी पश्चिम दिशा अर्थात साउथ वैस्ट दिशा पर दैत्यों और पिशाचों का काल वास होता है। जब किसी घर में पूर्व से सूर्य की किरणों को प्रवेश करने में बाधा उत्पन्न हो, उत्तर पश्चिम दिशा से वायु का संचालन बंद हो जाए, उत्तर पूर्व दिशा से जल का स्थान दूषित हो जाए, देव स्थान या घर का मंदिर दूषित हो जाए तो उन जगहों पर नकारात्मक शक्तियों का वास हो जाता है। जिस स्थान पर 43 दिन तक सूर्य की किरणों का संचालन न हो तथा वहां की दिवारों पर नमी के कारण सीलन हो तथा हवा के न संचालित होने से दुर्गुन्ध आती हो ऐसे स्थान पर नकारात्मक शक्तियां निवास करती हैं। जिस जमीन पर पूर्वजों का मरघट स्थान हो तथा उस जगह पर कोई व्यक्ति अपना आशियाना बना ले तो वहां नकारात्मक शक्तियां अपना वास बना लेती हैं। पीपल अथवा बरगद को काट कर घर बनाया गया हो। वहां भी पिशाच वास करते हैं। जो घर किसी कॉलोनी अथवा सड़क का आखरी घर हो और जिसके आगे जाकर रास्ता समाप्त हो जाता हो वहां पर भी नकारात्मक शक्तियों का वास होता है। जिस स्थान पर स्वच्छता नहीं होती वहां नकारात्मकता अपना प्रभाव दिखाती है। ऐसे स्थान पर कोई बस नहीं सकता। जिस घर-परिवार में लोग बीमार रहते हैं या स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से जूझते रहते हैं वहां भी नेगेटिव एनर्जी अपना साम्राज्य स्थापित कर लेती है। घर में पूरी तरह से रोशनी और पानी के न होने से घर-व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रात को नींद के आगोश में जाने से पहले अधिकतर लोगों को इत्र, डियो अथवा सुंगध को किसी न किसी रूप में अपने शरीर पर लगाना भाता है। पुराणों के अनुसार ऐसा करना नकारात्मक शक्तियों को बुलावा देना है। रात के समय नकरात्मकता सुंगधित काया की ओर विशेष रूप से आकर्षित होती हैं।

संपादकीय

राहुल का 'भारत विरोध'

यह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पुरानी आदत है। यह उनकी राजनीति का हिस्सा भी है अथवा कुछ विदेशी ताकतें ऐसा करने को उन्हें उकसाती रही हैं। करीब 7-8 साल से राहुल गांधी विदेशी सरजमीं से भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। यदि वह आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ही टिप्पणियां करें, तो उन्हें राजनीति मान कर नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन वह भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है। शायद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद एक में जो परिभाषा दी गई है, उसे नहीं पढ़ा। पढेंगे नहीं, तो समझेंगे कैसे? उसमें भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र परिभाषित किया गया है। संघीय चरित्र और ढांचा होने के कारण उस राष्ट्र में कई राज्य भी हैं, लेकिन वे निरंकुश नहीं हैं। भारत सरकार ही संवैधानिक तौर पर उन्हें संचालित करती है। अलबत्ता राज्यों को भी कुछ अधिकार दिए गए हैं। बहरहाल राहुल गांधी ने दूसरा मुद्दा रोजगार का उठाया और दावा किया कि चीन, वियतनाम आदि कुछ देशों में 'बेरोजगारी की समस्या' ही नहीं है, जबकि अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है। यहां विश्व बैंक के आंकड़े गौरतलब लगते हैं, क्योंकि 2023 में चीन की बेरोजगारी दर 4.7 फीसदी थी, जबकि भारत में यही दर 4.2 फीसदी थी। यानी चीन में बेरोजगारी, भारत की तुलना में, अधिक रही है। वहां का एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि 2 लाख नौकरियों के लिए करीब 77 लाख चीनियों ने आवेदन किया था। हम मानते हैं कि उत्पादन के क्षेत्र में चीन वैश्विक स्तर पर प्रभुत्व की स्थिति में है, लेकिन भारत भी आज 'एप्पल' और 'आईफोन 16' सरीखे अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को बना रहा है। अब दुनिया भर में यही भारत-निर्मित उत्पाद सप्लाई किए जाएंगे और उन पर 'मेक इन इंडिया' अंकित होगा। सवाल है कि विदेशी मंचों पर राहुल गांधी, भारत के बारे में, गलत तथ्य पेश क्यों करते रहे हैं? यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि भारतीय राजनीतिक प्रणालियों और पार्टियों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव है। यदि ऐसा है, तो राहुल की पार्टी कांग्रेस भी इसी जमात में शामिल है, क्योंकि वह तो देश की सबसे पुरानी पार्टी है। गजब बयान तो यह रहा, जब राहुल गांधी ने देवता और भगवान की परिभाषा ही बदल दी। परोक्ष रूप से उन्होंने सनातन धर्म की गरिमा को खंडित किया है। राहुल का आरएसएस के प्रति विद्वेष सनातन रहा है। दरअसल वह संघ को न तो जानते हैं और न ही उसकी गहनता तक कभी देख पाएंगे। राहुल समेत कांग्रेस में एक तबके का मानना है कि संघ और भाजपा पारंपरिक तौर पर महिला-विरोधी हैं। राहुल 'दुर्गावाहिनी' की भूमिका नहीं जानते, जो संगठन संघ के साथ काम करता रहा है। उसकी महिलाओं ने सहकारी और स्व सहायता समूहों के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। भाजपा में भी महिला मोर्चा है, जिसमें लाखों महिलाएं सक्रिय हैं। भाजपा का गठन 1980 में हुआ था, जिसकी अभी तक 4 महिला मुख्यमंत्री बन चुकी हैं और सबसे पुरानी पार्टी की 5 ही महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। चलो, यह लड़ाई उनकी परंपरागत है। हमारा सरोकार भारत के संदर्भ में है। क्या विषवमन जारी रहना चाहिए।

भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है।

कुछ अलग

ऑल इज बैल...

भले ही हिंदी सर इनकम टैक्स देते हों। बावजूद इसके वे अपनी कार में सरकारी राशन की दुकान का आटा, चावल, दाल-नमक लाना हर महीने नहीं भूलते। तो क्या हो गया जो वे चने की दाल वहां से ले उसका बेसन पिसवा पचास बचाते हों। पिछली बार हिंदी सर को सरकारी राशन की दुकान वाला उनसे पैसे ले नमक देना भूल गया था। जब घर आकर याद आया तो उन्हीं पांव सरकारी राशन की दुकान पर। जितने को वे वहां पहुंचे कोई और उनका नमक उठा नमक हलाल हो गया था। तब उन्होंने दुकानदार की वो ऐसी तैसी की, वो ऐसी तैसी की कि उसने एक नमक पैकेट के बदले उन्हें दूसरा फ्री में देकर अपनी जान बचाई। इसे कहते हैं अपने हक के लिए लड़ने वाला योद्धा। उनका मत है कि सरकारी कर्मचारी को या तो मुफ्त का या फिर सरकारी दुकान का ही राशन खाना चाहिए। इससे उसमें सरकारी संस्कार बने रहते हैं। सबके सामने छीकें तो वे सॉरी करते ही हैं, पर हिंदी सर अकेले में भी जो छींक जाएं तो सॉरी कहना नहीं भूलते। इसे कहते हैं हिंदी संस्कारी का अंग्रेजी परिष्कार! साढ़े ग्यारह महीने वे अंग्रेजी के हुए रहते हैं स्कूल के बाहर भी। हिंदी के वैध मास्साब होने के बाद भी। जब तक वे अपने हिंदी के वाक्य में दो चार अंग्रेजी के शब्द नहीं बोल लेते उन्हें अपने हिंदी भाषी होने पर सगर्व संकोच होता है। जब जब मुझे उनके साथ बाजार जाने का दुर्भाग्य नसीब हुआ है, बाजार की नाली पर सजी ताजी सब्जियां बेचते से कद्दू खरीदते सर हिंदी भी अंग्रेजी टोन में बोलते हैं। हिंदी लहजे में बोलने में वह आनंद कहां जो अंग्रेजी टोन में बोलने में आता है। उनका कथन है कि इससे कम्युनिकेशन इम्प्रेसिव बनता है। और आप तो जानते ही हैं, आदमी इंप्रेशन बनाने के लिए क्या क्या ढोंग नहीं करता? तब उन्हें सब्जी वाला सिर से पांव तक निहारता है। जब उसे वे कहीं से भी अंग्रेज नहीं लगते तो अपना सिर खुजलाता हुआ उन्हें बेकार सा कद्दू तोलकर दे देता है। पर फिर भी वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। जिसके पास अंग्रेजी के नाम पर कूड़ा कबाड़ हो, उसे अपनी हरकतों से बाज आना भी नहीं चाहिए। नहीं तो हिंदी की बास वाली जुराब में लिपटी हुई अंग्रेजी बुरा मान जाती है। बंदा माने या न! इधर ज्यों ज्यों हिंदी पखवाड़ा नजदीक आ रहा है त्यों त्यों उनके अंग्रेजी के शब्द धारदार हिंदी लहजे के हो रहे हैं। हिंदी पखवाड़ा है भाई साहब! हर टाइप के हिंदी प्रेमियों के लिए साल में एक ही बार तो आता है। साल भर हिंदी की खाने वालों को तो कम से कम पंद्रह दिन टूटी फूटी ही सही, हिंदी बोल ही लेनी चाहिए। इससे हिंदी की आत्मा को परम शांति तो नहीं, शांति सी जरूर मिल जाती है। कल हिंदी सर नमस्कार करने के बाद गले मिले। अच्छा लगा। वर्ना तो हाय वाय ही। हिंदी की कोई खासियत हो या न, पर उसमें यह खासियत तो जरूर है कि वह गले लगवाती है, गले पड़वाती नहीं। 'और कैसे हो मित्र?' 'मैं आल इज बैल!' वे मेरे गले लगने के बहाने मेरा गला दबाते हिंदीमय हुए। ये हिंदी की खाने वाले जब जब अंग्रेजीमय होते हैं तो ऐसे क्यों हो जाते होंगे भला? उन्होंने बैल कहा तो मैं सचेत हुआ। बैल! वैसे यहां बैलों के सिवाय और कोई दूसरा है भी नहीं। हर कहीं अड़े हुए। हर किसी से भिड़े हुए। मैंने इधर उधर देखा! कहीं मैं गली के कूड़े के ढेर के पास तो नहीं खड़ा हो गया हूं? यार! पर आसपास कहीं से तो बदबू भी नहीं आ रही। पर जब अपना बदन ही बदबूदार हो गया हो तो दूसरे कूड़े से बदबू कम ही आती है। 'और वो आपकी अगल वाले?' 'वे भी आल इज बैल!' 'और वे?' 'वे भी आल इज बैल!' 'और वो आपकी बगल वाले?' 'वे भी आल इज बैल!' मैं परेशान! यार! बंदे को क्या गया! मैं हिंदी सर से उनके आसपास वालों के हालचाल पूछा जा रहा हूं और वे हैं कि बैल! बैल! करी जा रहे हैं। जब सोचा तो मत पूछो उन पर कितना प्यार आया। गधे! सर अंग्रेजी हिंदी टोन में बोल रहे हैं।

देश और दुनिया में हिंदी के प्रसार के लिए आवश्यक है हिंदी की मांग

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

जिस प्रकार सेनाओं के मनोबल के लिए सेनाओं का गौरव-गान तो जरूरी है लेकिन युद्ध में विजय पाने के लिए आवश्यक होता है सेना द्वारा निरंतर अपनी शक्ति अपनी कमजोरियों और आवश्यकताओं की बारीकी से पड़ताल और उसके अनुसार कार्य-योजना बनाते हुए अपनी शक्ति को बढ़ाना। वही बात हर क्षेत्र के विकास और सशक्तिकरण पर लागू होती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए भी ठीक उसी प्रकार यह जरूरी है कि हिंदी के प्रसार की बाधाओं का सूक्ष्मता से अध्ययन करते हुए कार्य-योजना बनाई जाए। यह भी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है कि जो प्रयास किए गए हैं या किए जा रहे हैं, क्या उनके माध्यम से हिंदी का यथोचित प्रचार-प्रसार हो रहा है? क्या किए जा रहे प्रयास यथोचित और सही दिशा में हैं?

मैं लंबे समय से हिंदी के विभिन्न आयोजनों पर हिंदी के वैश्विक प्रसार और महिमा गान को सुनता रहा हूं। जैसे बड़े-बड़े रंग-बिरंगे गुब्बारे बहुत ही सुंदर लगते हैं। उन्हें देखकर खुशी भी होती है और तालियां बजाने को भी मन करता है। लेकिन हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि कुछ ही देर में इन खोखले गुब्बारों की हवा निकल जाएगी और ये जमीन पर आकर खत्म हो जाएंगे। जहां तक हिंदी के प्रसार का मामला है, हिंदी के आयोजनों में अधिकांशत: हिंदी की प्रगति के ऐसे ही रंगीन गुब्बारे उड़ाए जाते हैं। सकारात्मकता की जोरदार तालियां बजती हैं। हिंदी के यशोगान के बाद सब वही, जैसा था। वस्तुस्थिति को रखने का साहस कम ही लोग कर पाते हैं। अगर कोई करना भी चाहे तो नकारात्मकता का बिल्ला लगाकर उसे खारिज कर दिया जाता है। इसलिए प्राय: समझदार वक्तागण इससे बचते दिखते हैं। हिंदी के प्रचार-प्रसार संबंधी आलेखों में भी प्राय: यही प्रवृत्ति देखने को मिलती है। कहीं कोई नकारात्मकता का बिल्ला लगाकर खारिज न कर दे। प्रायः व्यक्तिगत चर्चाओं में वस्तुस्थिति को रखने और स्वीकारने वाले विद्वान भी सब कुछ जानते समझते हुए भी लेखन में वस्तु-स्थिति रखने से बचते दिखते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारी स्तर पर विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं। हिंदी भाषा के विकास के लिए भी केंद्र और राज्यों के स्तर पर अनेक संस्थान कार्यरत हैं। विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं। भारतीय नागरिकों के अतिरिक्त विदेशों में हिंदी शिक्षण और विदेशियों के हिंदी शिक्षण के लिए भी विभिन्न प्रकार के संस्थान प्रारंभ किए गए हैं। हिंदी भाषा-साहित्य के विकास पर प्रचार-प्रसार के लिए जितनी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं हैं उतनी विश्व में किसी अन्य भाषा के लिए नहीं। लेकिन इतने प्रयासों के बावजूद भी यदि देश-विदेश के स्तर पर हिंदी की अपेक्षित प्रगति और प्रसार नहीं हो पा रहा है तो इसकी सूक्ष्मता से समीक्षा आवश्यक है। यदि हिंदी की सेना को विश्व-विजय के लिए आगे बढ़ना है तो हमें अपनी खामियों आवश्यकताओं की भी समीक्षा करनी होगी। गुब्बारे उड़ाने के बजाय जमीनी स्तर पर कुछ ठोस निर्णय लेने होंगे। इस संबंध में आवश्यक निर्णय लेते हुए निर्णयों को लागू करने के लिए इच्छा-शक्ति भी दिखानी होगी।

हिंदी के प्रसार के लिए हमें उस प्रकार स्थितियों की समीक्षा करनी होगी, जिस प्रकार व्यापार-जगत में समीक्षा की जाती है। आंकड़ों का ईमानदार अध्ययन किया जाता है। प्रयासों की नहीं परिणामों की समीक्षा की जाती है। व्यापार जगत के लोग केवल सुनहरी अच्छी बातों से नहीं बल्कि जमीनी आंकड़ों में हुई प्रगति व अपने उत्पाद की मांग के रुझान से खुश होते हैं। यदि प्रगति में कोई कमी या बाधा है तो उससे निपटने के लिए कड़े से कड़े निर्णय लेते हैं। ऐसी ही व्यावसायिकता हिंदी के प्रसार के लिए भी हमें दिखानी होगी। इसलिए यह अति आवश्यक है कि सर्वप्रथम हम हिंदी की विकास-यात्रा की बात जमीनी स्तर पर समीक्षा करें।

इस संबंध में स्वर्गीय विद्यानिवास मिश्र का यह कथन उपयुक्त ही है कि विश्व में हिंदी की बात उठाते समय ऊपर से बड़ा बेतुका लगता है कि अपने देश में हिंदी पूरी तरह प्रतिष्ठित नहीं, फिर विश्व हिंदी की बात की जा रही है। परंतु हिंदी विश्वभर में फैली हुई है, यह निर्विवाद है। विश्व मे भाषा संबंधी आंकड़े परिचालित करने वाली संस्था एथनोलोग ने अपनी 2021 की रिपोर्ट मे अंग्रेजी को प्रथम माना है, तथा इनके बोलने वालों की संख्या 1348 मिलियन अर्थात 1 अरब चौंतीस करोड़ 8 लाख दर्शाई है तथा मंदारिन को दूसरे स्थान पर रखा है। इसके बोलनेवालों की संख्या 1 अरब 12 करोड़ बताई है तथा हिन्दी को तीसरे स्थान पर रखा है और इसके बोलनेवालों की संख्या सिर्फ 60 करोड़ दर्शाई है, जबकि शोधकर्ता जयंती प्रसाद नौटियाल के अनुसार विश्व मे हिन्दी बोलने वालों की संख्या 1 अरब 35 करोड़ 60 लाख है। अर्थात अंग्रेजी जानने वालों से एक करोड़ 52 लाख अधिक हैं और हिन्दी विश्व मे सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भले ही इन आंकड़ों की सटीकता पर कुछ असहमति भी हों लेकिन इससे हिंदी जाननेवालों की एक मोटी तस्वीर तो सामने आती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि गिरमिटिया देशों में प्रवासी भारतीयों द्वारा न केवल साहित्य सृजन किया जा रहा है बल्कि हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए भी सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। अब जबकि हिंदी की अकुरण-भूमि पर ही हिंदी का वातावरण तेजी से बदला और बदल रहा है तो नए हिंदी साहित्य की पौध कहां तैयार होगी? जब भारत में पौध ही तैयार न होगी तो विदेशों में हिंदी साहित्य-सुमन कैसे खिलेंगे? यहां इस बात पर गौर करने की आवश्यकता है कि भारत में भी अधिकांश हिंदी भाषा-साहित्य के कार्यक्रमों में पचास साल से उपर के ही लोग या भाषा के विद्यार्थी शिक्षक आदि ही दिखते हैं। उस पर भी इनकी संख्या बहुत ही कम होती है। मॉरीशस के साहित्यकार राज हिरामन से दो बार हिंदी संगोष्ठियों में मुलाकात हुई है। चर्चा में उन्होंने बताया कि वहां भी हिंदी के प्रचार का मुख्य कारण धार्मिक-सांस्कृतिक जुड़ाव ही अधिक है। हिंदी साहित्य के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित इफ्फको पुरस्कार से सम्मानित मॉरीसस के साहित्यकार रामदेव धुरंधर जब वैश्विक हिंदी संगोष्ठी में मुंबई आए तो अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, मैं वहां शब्द बोता हूं और भारत में उनकी फसल काटता हूं। उनके मंतव्य को आसानी से समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मॉरीशस में भी यूरोपीय भाषा के अखबारों का जो प्रचलन और प्रभाव है वैसा हिंदी के समाचारपत्रों का नहीं। जब यहां हिंदी का प्रभाव और प्रसार घटेगा तो विदेशों में इसके बढ़ने का कोई कारण नहीं दिखता। भाषा-संस्कृति का चोली-दामन का साथ है। विदेशों में संस्कृति के प्रसार के माध्यम से हिंदी का भी प्रचार-प्रसार हो सकता है।

विचार का विषय है कि जब भारत में ही लोग हिंदी के बजाए अंग्रेजी की तरफ जा रहे हैं तो विदेशों में कैसे बढ़ेगी? आज जब भारत में स्कूलों, कॉलेजों में हिंदी पढ़ने के लिए विद्यार्थी न मिल रहे हों और हिंदी प्रदेशों में हिंदी-भाषियों की संतानें हिंदी में स्वयं को असहज समझें तो विदेशों में ऐसा होना स्वभाविक ही है। जहां स्वतंत्रता के समय भारत में 99 प्रतिशत से भी अधिक विद्यार्थी मातृभाषा में पढ़ते थे। सर्वाधिक अंग्रेजी जानने वाले लोग मद्रास (तमिलनाडु) में थे जो कि करीब एक प्रतिशत था। इससे समझा जा सकता है कि भारत में विशेषकर हिंदीभाषी राज्यों मे कुछ अपवाद छोड़ दें तो लगभग सभी हिंदी माध्यम से ही तो पढ़ते थे। लेकिन 1986 की शिक्षा नीति के बाद जो परिदृश्य बदला, उसके चलते शिक्षा का तेजी से अंग्रेजीकरण हुआ। उस समय तक भी दिल्ली जैसे महानगर में भी स्नातकोत्तर स्तर तक की अनेक विषयों की शिक्षा हिंदी माध्यम से थी लेकिन अब छोटे-छोटे गांवों तक और नर्सरी तक अंग्रेजी माध्यम पसर गया है।

हिंदी की अंकुरण भूमि में हिंदी की स्थिति की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उत्तरप्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से जारी किए गए दसवीं और बारहवीं की बोर्ड की परीक्षा में हिंदी विषय का परीक्षा-परिणाम काफी खराब रहा है। बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट कक्षाओं में करीब 1100000 छात्र-छात्राएं हिंदी में ही असफल हो गए। यही नहीं अब उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में भी सरकारी स्तर पर अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुल रहे हैं। हालात ऐसे बने कि हिंदी-भाषी राज्यों में भी दसवीं तक भी हिंदी विषय की अनिवार्यता समाप्त कर उसके स्थान पर विदेशी भाषाओं का विकल्प दिया जाने लगा। यानी अपनी मां की जगह विदेशी मैम की स्तुति।

भारत सरकार के अंतर्गत गठित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा भी हिंदी या मातृभाषा के बजाए अंग्रेजी माध्यम को बढ़ावा देने के लिए अंग्रेजी शिक्षण राष्ट्रीय फोकस समूह के आधार पत्र दिसंबर 2008 से समझा जा सकता है। राष्ट्रीय फोकस समूह अंग्रेजी शिक्षण के सदस्य सभी अंग्रेजीदां या अंग्रेजी शिक्षा से जुड़े हुए हैं। इनमें हिंदी अथवा भारतीय भाषाओं के शिक्षण से जुड़ा कोई नाम नहीं है। और इसमें सर्वप्रथम ही यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अंग्रेजी का स्रोत औपनिवेशक है, अब इस बात को भुला दिया गया है। इसमें ही इस बात को स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत में अंग्रेजी की मांग का विस्फोट हुआ है क्योंकि यह समझा जाने लगा है कि अंग्रेजी से अच्छे अवसर मिल सकेंगे। यानी सरकार की नीति भी हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के बजाए अंग्रेजी और अंग्रेजी माध्यम को ही आगे बढ़ाने की रही।

स्वतंत्रता के समय प्राय: सभी भारतीय मातृभाषा में पढ़ते थे। हिंदी भाषियों की विपुल जनसंख्या के चलते हिंदी का देश-दुनिया में वर्चस्व था। लेकिन मांग और पूर्ति के सिद्धांत के कारण आगे चल कर धीरे-धीरे विद्यार्थियों का झुकाव अंग्रेजी की तरफ होने लगा। जो अंगर्जों के शासनकाल में न हुआ, वह आज़ादी के बाद होने लगा। और जिसका परिणाम यह है कि मातृभाषा में वही पढ़ रहा है, जिसके पास अंग्रेजी में पढ़ने की सुविधा नहीं है। इसका कारण यह नहीं है कि अचानक हमारे भीतर अंग्रेजी-प्रेम जाग गया। कारण है उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर। सभी क्षेत्रों में धीरे-धीरे संसाधनों की ढलान अंग्रेजी की ओर बनती चली गई। आर्थिक रूप से मध्यम और निम्न वर्ग को भी यह समझ में आने लगा कि यदि आगे बढ़ना है तो बिना अंग्रेजी कोई उपाय नहीं। तमाम सरकारी अभियानों के बाद भी जिले के हिंदी माध्यम स्कूलों की ओर बच्चों के कदम नहीं बढ़ पा रहे हैं। यह स्थिति तब है जब हिंदी को हर स्तर पर बढ़ावा देने की बात की जाती है।

अगर सिर्फ नागपुर का उदाहरण लें तो यहां स्कूलों की कुल संख्या 4000 है और हिंदी माध्यम की स्कूलों की संख्या मात्र 280, अर्थात, लगभग 14.28 प्रतिशत। साल-दर-साल विद्यार्थियों की संख्या घटने से स्कूलों को बंद करने की नौबत बनी हुई है। जिले में पिछले सत्र की तुलना में 70 प्रतिशत विद्यार्थी कम हुए हैं। बिगड़ती स्थितयों का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि हिंदी माध्यम के कई स्कूलों के शिक्षक ऑटो और बस का किराया अपने जेब से भरकर विद्यार्थियों को लाने का प्रबंध करने लगे हैं। सब कुछ नि:शुल्क मिलने के बाद भी हिंदी माध्यम स्कूलों से अभिभावक हिंदी से मुंह मोड़ रहे हैं क्योंकि हिंदी की मांग घट रही है और हिंदी माध्यम से रोजगार के अवसर धीरे-धीरे कम होते गए हैं। मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों में भी यही स्थिति है। डीएवी विद्यालय जो हिंदी के लिए बने थे ज्यादाकर अंग्रेजी माध्यम के हो गए हैं या धीरे-धीरे परिवर्तित हो रहे हैं। जो विद्यार्थी अपने देश में अपनी मातृभाषा अपनाने को तैयार नहीं, जब वे यहां से अंग्रेजीयत के साथ विदेशों में जाएंगे तो वहां हिंदी क्यों और कैसे अपनाएंगे? कहीं-कहीं तो हिंदी परीक्षा के प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ बना कर हिंदी को निपटाया जाने लगा है।

बात वहीं आकर टिकती है, हिंदी की भूमि पर हिंदी की मांग और रोजगार की स्थिति। संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड आदि सरकारी भर्ती परीक्षाओं मे इस प्रकार के परिवर्तन हुए कि अंग्रेजी माध्यम वालों को उसका लाभ मिलने लगा। इसके चलते भी हिंदी माध्यम वालों ने भी विवश हो कर अंग्रेजी का रुख किया। संघ लोक सेवा आयोग के बाहर ऐतिहासिक धरने, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तक शामिल हुए, लेकिन स्थितियों में कोई विशेष परिवर्तन न हो सका। चयनित हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों में गिरावट का सिलसिला तब शुरू हुआ, जब वर्ष 2011 में प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट को शामिल किया गया। 2013 में सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में भी बदलाव हुआ। छात्र दो वैकल्पिक विषय को चुन सकते थे। 400 अंकों का सामान्य अध्ययन और 200 अंकों का सीसैट होता है। हिंदी माध्यम के छात्र अंग्रेजी कंप्रीहेंशन के प्रश्नों में फंस जाते थे क्योंकि इनके अनुवाद जटिल होते थे। सफलता के प्रतिशत की बात करें तो हिंदी माध्यम के चयनित उम्मीदवार 2013 में 17 प्रतिशत थे। 2014 में यह आंकड़ा 2.11 प्रतिशत था, 2015 में 4.28 प्रतिशत, 2016 में 3.45 प्रतिशत और 2017 में यह 4.06 प्रतिशत था। हिंदी माध्यम से 2018 में चयनित उम्मीदवारों की संख्या मात्र 2.16 प्रतिशत रही। चयन परीक्षाओं में पिछले कुछ वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित होने वाली सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली है। इन्हीं परिस्थितियों के चलते हिंदी माध्यम की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। हालांकि अब इस पर ध्यान दिया जा रहा है।

हालांकि भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सचिव सत्यानंद मिश्रा का कहना था कि मातृभाषाओं में होने वाली पढ़ाई की गुणवत्ता खराब होने के कारण और कॉलेजों पर विश्वविद्यालयों में इन भाषाओं में अच्छे छात्रों की कमी भी हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों की संख्या कम होने का सबसे प्रमुख कारण है। अब छोटे या मध्यम शहरों में रहने वाले मध्यमवर्गीय परिवार बड़ी संख्या में अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने के लिए भेजते हैं। इस वजह से अंग्रेजी के उम्मीदवारों की संख्या बढ़ रही है। 2013 में 202 में से 48 उम्मीदवार ही हिंदी मीडियम स्कूलों में पढ़े थे। वहीं, इनमें से 22 उम्मीदवारों ने हिंदी माध्यम के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई की थी। हिंदी की मांग बढ़ाने के लिए जरूरी है कि हिंदी के माध्यम से हिंदी में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए संसाधनों की ढलान को हिंदी व भारतीय भाषाओं के पक्ष में किया जाए। जब विद्यार्थी हिंदी माध्यम से शिक्षा पाएंगे तो देश में ही नहीं, विदेशों में जा कर भी हिंदी के साथ जुड़े रहेंगे। नई शिक्षा नीति में इसके लिए भी समुचित उपाय किए गए हैं। आशा है कि कुछ वर्षों में इसका परिणाम सामने आएगा।

किसी भी भाषा के प्रयोग की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण कारक है, उसकी मांग। जब विभिन्न क्षेत्रों में उसकी मांग बढ़ेगी तो लोग उसे पढ़ना चाहेंगे, चाहे वह कोई विदेशी भाषा ही क्यों न हो। हवा-हवाई बातों से हवा महल बन सकते हैं, कोई परिवर्तन नहीं होता। मेरा स्पष्ट मत है कि यदि भारत में हिंदी की मांग बढ़ेगी तो प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से उसका प्रभाव विदेशों में भी पड़ेगा। यदि भारत में हिंदी की मांग घटेगी तो कृत्रिम उपायों से उसका कुछ विशेष लाभ नहीं होगा। जिस प्रकार कृत्रिम वर्षा से कृषि उत्पादन में वृद्धि नहीं हो सकती, उसी प्रकार कृत्रिम उपायों से भाषा का प्रचार-प्रसार नहीं हो सकता। भारत में अंग्रेजी के प्रचार-प्रसार के अभियान नहीं चलाए गए। लेकिन जैसे-जैसे संसाधनों की ढलान अंग्रेजी की तरफ होती गई, उसकी मांग बढ़ती गई और भारतवासी मातृभाषा छोड़ अंग्रेजी की तरफ लुढ़कते गए और हिंदी के बड़े पैरोकार भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने को विवश हो गए।

हिंदी के प्रचार-प्रसार का एक स्वभाविक कारक तो यही है कि हिंदी अपनी भूमि पर बढ़े और उसे मान-प्रतिष्ठा मिले। जिस प्रकार संसाधनों की ढलान अंग्रेजी की तरफ बनाई गई, वह हिंदी की तरफ बने। इससे उसकी मांग बढ़ेगी और प्रतिष्ठा भी। जब मांग बढ़ेगी तो रोजगार मिलेगा। रोजगार मिलेगा तो लोग हिंदी पढ़ेंगे, हिंदी माध्यम में भी पढ़ेंगे। अब उन्हें हिंदी माध्यम में लाने के असफल प्रयास हैं, तब वे स्वयं आएंगे। अंग्रेजी माध्यम की तरह मोटी फीस दे कर भी आएंगे। मांग न होने पर तो हिंदी-भाषी क्षेत्र में ही मुफ्त शिक्षा वाले हिंदी या अन्य भारतीय भाषा माध्यम के स्कूल केवल असमर्थों-गरीबों के शिक्षण केंद्र बन कर रह गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के पक्ष में संसाधनों की ढलान बदलने का काम तभी संभव है जब केंद्र की सरकार और राज्य सरकारें इसके लिए प्रतिबद्ध हों और युक्तिपूर्वक बहाव के विपरीत कोई राह बनाएं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा बाजार बन कर उभरा है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के चलते भी विश्व के विभिन्न देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे भारत की भाषाएं, विशेषकर हिंदी सीखें। इसी प्रकार यदि विदेशी कंपनियों को भारत के बाजारों में अपना माल बेचना है तो इसके लिए भी हिंदी सीखना उनकी आवश्यकता है। इसी प्रकार पर्यटन उद्योग के लिए भी हिंदी सीखना एक व्यावसायिक आवश्यकता है। यदि भारत के लोग अंग्रेजीपन छोड़ कर अपनी भाषा अपनाएंगे तो हिंदी की मांग बढ़ेगी और भी विश्व हिंदी सीखने के लिए विवश होगा।

जिस प्रकार किसी पौधे को फलने-फूलने के लिए खाद-पानी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार भाषा को भी फलने-फूलने के खाद-पानी की आवश्यकता होती है। यह खाद-पानी है, उस भाषा के माध्यम से शिक्षा व रोजगार। वर्ष 2014 में मुंबई में आयोजित वैश्विक हिंदी सम्मेलन में तत्कालीन गोआ की राज्यपाल व साहित्यकार स्व. मृदुला सिन्हा ने कहा था कि हमें हिंदी को हृदय और पेट की भाषा बनाना होगा।

विश्व में हिंदी की स्थिति की समीक्षा करते हुए हमें भारत में हिंदी की स्थिति से जोड़ कर आगे बढ़ना होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंदी की भूमि भारत है। हिंदी की जड़ें भारत में, विशेषकर हिंदी-भाषी राज्यों में। आज विश्व में जो हिंदी की व्याप्ति है वह भारत में हिंदी की मजबूत जड़ों से है। जब जड़ों को पानी और खाद मिलता है तो उसमें नवपल्लव आते हैं और टहनियां दूर-दूर तक फैलती हैं, जो आज हिंदी की विश्व-व्याप्ति के रूप में दिखाई देती यदि हिंदी की भूमि पर हिंदी की जड़ें मजबूत या कमजोर होंगी तो विश्वस्तर पर भी उसी के अनुरूप हिंदी की वही दिशा व दशा होगी। आज जरूरत है हिंदी की मांग बढ़ाने की।

(लेखक राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के पूर्व क्षेत्रीय उपनिदेशक और वैश्विक हिंदी सम्मेलन निदेशक हैं)

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया शारीरिक व्याधियों के चलते अस्पताल में भर्ती

ढाका, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को गंभीर शारीरिक व्याधियों की वजह से रात को राजधानी के एवरकेयर अस्पताल ले जाया गया। देश के प्रमुख बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर में उनके निजी चिकित्सक जाहिद हुसैन के हवाले से यह जानकारी दी गई है। डॉ. हुसैन बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य भी हैं।

वयोवृद्ध नेता खालिदा जिया के निजी चिकित्सक जाहिद हुसैन ने कहा कि उन्हें बुधवार आधीरात बाद लगभग 1:40 बजे अस्पताल ले जाया गया। इससे पहले, बीएनपी नेता खालिदा के प्रमुख प्रवक्ता शम्सुद्दीन दीदार ने एक विज्ञप्ति जारी की।

इसमें कहा गया कि खालिदा जिया को कुछ महत्वपूर्ण चिकित्सा परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा। वो डेढ़ महीने तक अस्पताल में रहने के बाद 21 अगस्त की शाम को घर लौटी थीं। बीएनपी ने कहा है कि उन्हें इलाज के लिए विदेश ले जाया जा सकता है।

लंबे समय से बीमार हैं जिया

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंबे समय से लीवर सिरोसिस, गठिया, मधुमेह, आंखों, किडनी, फेफड़े और हृदय रोग सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं।

इसी साल 23 जून को उनका सफल ऑपरेशन हुआ। नवंबर 2021 में लिवर सिरोसिस का पता चलने के बाद से चिकित्सकों ने 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री को इलाज के लिए विदेश ले जाने की सलाह दी। उनके परिवार ने इस संबंध में सरकार से बार-बार अपील की।

लेकिन तत्कालीन शेख हसीना सरकार ने इसे नजरअंदाज किया। अवामी लीग सरकार के पतन के अगले दिन राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने खालिदा जिया को रिहा करने का दिया। उनके निजी चिकित्सक ने कहा कि तब उन्हें विदेश नहीं ले जाया जा सका, क्योंकि उनकी स्थिति यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ कमांडर के मिले पत्र से पता चला हमास को हुआ भारी नुकसानः इज़राइल

यरूशलम। हमास के एक वरिष्ठ कमांडर द्वारा लिखे एक पत्र का इजरायल ने खुलासा किया है। इसमें गाजा पट्टी में इजरायली हमले से उग्रवादी समूह को हुए भारी नुकसान की जानकारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने कहा है कि यह पत्र हमास के खान यूनिस ब्रिगेड के कमांडर रफा सलामा द्वारा लिखा गया है। इसमें दावा किया गया है कि हमास के लगभग 80 प्रतिशत लड़ाके या तो मारे गए हैं, घायल हुए हैं या युद्धभूमि से भाग गए हैं। इजरायली सेना के खुफिया निदेशालय का कहना है कि जुलाई में हवाई हमले में मारे गए सलामा ने यह पत्र हमास नेता याह्या सिनवार और उसके भाई मुहम्मद को लिखा था। इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने हाल ही में कहा था कि यह पत्र गाजा में इजरायली सैनिकों द्वारा जब्त की गई सामग्रियों में से एक है। गैलेंट के अनुसार, इस पत्र में हमास को हुए नुकसान का जिक्र है। इसमें बताया गया है कि उसके 70 प्रतिशत हथियार नष्ट हो गए हैं, 90-95 प्रतिशत रॉकेट नष्ट हो गए, आधे लड़ाके मारे गए और कई घायल हो गए या भाग गए। गैलेंट ने पत्र का हवाला देते हुए कहा कि उनके पास केवल 20 प्रतिशत (लड़ाके) ही बचे हैं। पत्र में कथित तौर पर सिनवार बंधुओं से मदद मांगी गई है, जिसके बारे में गैलेंट ने कहा कि यह महीनों तक चले इजरायली बमबारी के बाद हमास के भीतर बढ़ते संकट को दर्शाता है। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को अचानक दक्षिण इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे और 250 से ज्यादा को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से इजरायल हमास के खिलाफ गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चला रहा है।

जॉर्डन के संसदीय चुनाव के प्रारंभिक नतीजों में इस्लामिक एक्शन फ्रंट सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

अम्मान। जॉर्डन के स्वतंत्र चुनाव आयोग के अध्यक्ष मूसा मायता ने देश के 20वें संसदीय चुनाव के प्रारंभिक परिणामों की घोषणा बुधवार कर दी। इसमें इस्लामिक एक्शन फ्रंट सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि 138 सीटों वाले संसद के निचले सदन के लिए हुए चुनाव में 105 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। मूसा मायता के हवाले से कहा है कि इस्लामिक एक्शन फ्रंट ने स्थानीय और राजनीतिक दलों (सामान्य) दोनों सूचियों के 31 सदस्यों के साथ संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें हासिल कीं। मिताक पार्टी ने 21, इरादा पार्टी ने 19 और तकादुम पार्टी ने आठ सीटें हासिल की हैं। इस चुनाव में 27 महिलाओं जीत दर्ज की। पिछले चुनाव में 15 महिलाएं चुनाव जीतकर सदन में पहुंची थीं।

20 इस्लामिक चैरिटी होम्स में बच्चों के यौन शोषण का भंडाफोड़, मौलवियों समेत 117 गिरफ्तार

कुआलालंपुर। मलेशियाई पुलिस ने दो राज्यों के 20 इस्लामिक चैरिटी होम्स में छापेमारी के दौरान 201 लड़कियों समेत 400 से अधिक बच्चों को रेस्क्यू किया। इस मामले में मौलवियों समेत 171 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को शिकायत मिली थी कि चैरिटी होम्स में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ जैसी घटनाएं हो रही हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद बुधवार को इन जगहों पर रेड मारी और बच्चों को रेस्क्यू किया। सभी बच्चों की उम्र 1 साल से 17 साल के बीच की है। रजारूद्दीन हुसैन ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने मौलवियों, छात्रावास पर्यवेक्षकों और संस्थान अध्यक्षों सहित 171 को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किये गये लोगों में 66 पुरुष और 105 महिलाएं शामिल हैं, जिनकी उम्र 17 से 64 वर्ष के बीच है। पुलिस अधिकारी रजारूद्दीन हुसैन ने प्रेस कांफ्रेंस में मामले का खुलासा किया कि ये सभी चैरिटी होम्स ग्लोबल इखवान सर्विसेज एंड बिजनेस (जीआईएसबी) द्वारा संचालित थे। जीआईएसबी एक मलेशियाई फर्म है, जो सुपरमार्केट कारोबार में शामिल है। इसकी वेबसाइट के अनुसार यह इंडोनेशिया, सिंगापुर, मिस्र, सऊदी अरब, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड सहित कई देशों में काम करती है। यौन शोषण के आरोपों पर जीआईएसबी ने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया लेकिन, एक बयान में जीआईएसबी ने अलग-अलग सोशल मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया कि कंपनी ने बच्चों का शोषण किया है। कहा कि कंपनी किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए वह पुलिस अधिकारियों के साथ सहयोग करेगी। जीआईएसबी द्वारा संरक्षित इन चैरिटी होम्स में चल रहे घिनौने कांड के पीछे मलेशिया के अल-अरकम धार्मिक संप्रदाय का नाम सामने आ रहा है।

अति आत्मविश्वास में धोखा खा गए ट्रंप कमला हैरिस ने चारों-खाने किया चित

वाशिंगटन, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और एक बार फिर राष्ट्रपति बनने के लिए चुनावी मैदान में कूदे डोनाल्ड ट्रंप अति आत्मविश्वास में बड़ा धोखा खा गए। उन्हे उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस ने चारो खाने चित कर दिया है। तीन महीने पहले ही रेस में उतरी भारतीय मूल की कमला हैरिस ने अपनी पहली डिबेट में महारथी ट्रंप को धूल चटा दी। ट्रंप जो पहले, कमला हैरिस को अपने सामने कुछ न कहकर उनकी लगातार खिल्ली उड़ा रहे थे और दावा कर रहे थे कि कमला हैरिस से उनका कोई मुकाबला नहीं। बुधवार को पेन्सिलवेनिया में 90 मिनट चली बहस के दौरान कमला हैरिस हर मौकों पर ट्रंप पर भारी दिखीं। ट्रंप अपने ही कई बयानों से बैकफुट पर नजर आए। हैरिस अमेरिकी विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, सीमा सुरक्षा और गर्भपात जैसे विषयों पर ट्रंप को घेरने में कामयाब रही।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने पहली बहस में रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को पछाड़ दिया। हैरिस अमेरिकी विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, सीमा सुरक्षा और गर्भपात जैसे विषयों पर ट्रंप को घेरने में कामयाब रहीं। ट्रंप के साथ बहस के दौरान हैरिस पूर्व 'प्रेसिडेंशियल डिबेट' में राष्ट्रपति जो बाइडेन के निराशाजनक प्रदर्शन की भरपाई करने काफी कामयाब रहीं। पेन्सिलवेनिया में 90 मिनट चली इस बहस के दौरान हैरिस (59) ने अंत में टिप्पणी की, ''मुझे लगता है कि आपने आज रात देश के लिए दो बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण सुने। एक जो भविष्य पर केंद्रित है और दूसरा जो अतीत पर केंद्रित है तथा हमें पीछे की ओर ले जाने वाला है, लेकिन हम पीछे नहीं जा रहे हैं।'' उन्होंने दावा कि दुनिया के नेता ''डोनाल्ड ट्रंप पर हंसते हैं'' और उनका उपहास उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने सैन्य नेताओं के साथ बात की है, जिनमें से कुछ आपके साथ काम कर चुके हैं। उनका कहना है कि आप एक कलंक हैं।''

ट्रंप (78) ने भी हैरिस को घेरने का प्रयास करते हुए पूछा कि आखिर अभी वह जो वादे कर रही हैं उसे उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन और अपने नेतृत्व वाले प्रशासन में इन साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल में क्यों नहीं पूरा किया पूर्व राष्ट्रपति ने बहस के समापन में अपनी टिप्पणी में कहा, ''उन्होंने इसी बात से शुरुआत की कि वह ऐसा करेंगी, वह वैसा करेंगी। वह ये सारी बेहतरीन चीजें करने वाली हैं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया इन सबको करने के लिए उनके पास साढ़े तीन साल का समय था। सीमा का विवाद सुलझाने के लिए उनके पास साढ़े तीन साल थे। रोजगार पैदा करने के लिए और जिन भी चीजों पर हमने बात की, इसके लिए उनके पास साढ़े तीन साल थे।

उन्होंने तब ऐसा क्यों नहीं कियाडिबेट के दौरान हैरिस ने कहा, ''जैसा कि मैंने कहा था कि आपको कई झूठ सुनने को मिलेंगे और वास्तव में यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं है।'' उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो वह राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने दावा किया, ''एक राष्ट्रीय गर्भपात निगरानी तंत्र होगा, जो आपकी गर्भावस्था, आपके गर्भपात की निगरानी करेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अमेरिकी लोगों का मानना ड्डहै कि कुछ स्वतंत्रताएं, विशेष रूप से अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता, सरकार द्वारा नहीं दी जानी चाहिए।''

ट्रंप ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि गर्भपात की नीति राज्यों द्वारा तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हैरिस एक बार फिर झूठ बोल रही हैं। मैं ऐसे किसी विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करने वाला हूं। डेमोक्रेटिक पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी और कानूनविद सभी इसे राज्यों में वापस लाना चाहते हैं और राज्य इसके पक्ष में हैं।'' चुनावी रैलियों को लेकर भी दोनों के बीच नोकझोंक हुई।पूर्व राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कई बार अफगानिस्तान का मुद्दा उठाया और कहा कि जिस तरह से वहां से अमेरिकी सेना को वापस बुलाया गया वह ''अमेरिका के इतिहास में सबसे शर्मनाक पल था''। इस पर हैरिस ने तालिबान के साथ उनकी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि यह याद रखना चाहिए कि (सैनिकों की) वापसी किस हालात में हुई। ट्रंप ने दावा किया कि हैरिस ''इजराइल से नफरत'' करती हैं जिस पर उपराष्ट्रपति ने पलटवार करते हुए कहा कि ट्रंप ''तानाशाहों'' को पसंद करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का 101वां सदस्य देश बना नेपाल भारत ने स्वागत किया

काठमांडू, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का 101वां सदस्य देश बन गया। भारत की राजधानी नई दिल्ली में बुधवार को एक कार्यक्रम में नेपाल ने इस गठबंधन में सहभागी होने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन अंतर-सरकारी संगठन है। इसे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने शुरू किया है।

विदेश मंत्रालय समारोह में नेपाल की तरफ से भारत में कार्यवाहक राजदूत सुरेंद्र थापा ने इस पर हस्ताक्षर किए। इस समारोह में विदेश मंत्रालय के आर्थिक कूटनीति तथा बहुपक्षीय आर्थिक संबंध डिविजन के प्रमुख संयुक्त सचिव अभिषेक सिंह की उपस्थिति रही। भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव सिंह ने नेपाल का गठबंधन में सहभागी होने पर स्वागत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम (नेवरहुड फर्स्ट) पॉलिसी के तहत नेपाल का गठबंधन में स्वागत है।सुरेंद्र थापा ने सहभागी होने पर प्रसन्नता जाहिर की है। थापा ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के इस वैश्विक प्रयास में सहभागी होना नेपाल के लिए सौभाग्य की बात है।

पुतिन ने ब्रिक्स सुरक्षा शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को यहां कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संगठन) के दो दिवसीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह मुलाकात कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस के मार्बल हॉल में हुई। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। अब पुतिन से कुछ ब्रिक्स प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी संभव है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इससे पहले पुतिन से प्रतिनिधियों की मुलाकात होने की संभावना के संकेत दिए थे। ब्रिक्स प्रतिनिधियों की दो दिवसीय 14वीं बैठक 11 सितंबर को रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु की अध्यक्षता में शुरू हुई। इस बैठक में रूस, चीन, ब्राजील, भारत, दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और इथियोपिया के प्रतिनिधि शामिल हुए।

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी का 86 वर्ष की आयु में निधन

लीमा, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

पिछले साल जेल की सलाखों से बाहर आए पेरू के पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें कैंसर था। दिवंगत नेता की पुत्री केइको फुजीमोरी ने बुधवार देर रात यह सूचना एक्स हैंडल पर साझा की। केइको ने इसी साल जुलाई में कहा था कि उनके पिता चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वह जेल से छूटने के बाद बेटी के घर पर रह रहे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, अल्बर्टो को दुनिया तानाशाह के रूप में भी जानती है। हालांकि सत्ता संभालने के बाद उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम किया। साथ ही बार हुए हिंसक वामपंथी विद्रोह को कुचल दिया। मगर एक घोटाले में उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी। बाद में मानवाधिकारों के हनन के आरोप में उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया। उन्हें 25 साल जेल की सजा सुनाई गई।

राष्ट्रपति से क्षमादान मिलने पर उन्हें पिछले साल 15 साल से अधिक समय जेल में बिताने के बाद राजधानी की बारबाडिलो जेल से रिहा कर दिया गया था। अमेरिका के इस अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कृषि इंजीनियर फुजीमोरी ने अपना चुनाव प्रचार ट्रैक्टर पर सवार होकर किया था। उन्होंने मारियो वर्गास लोसा को हराकर देश को चौंका दिया था। उन्होंने अपने कार्यकाल में मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और कुप्रबंधन पर काबू पाया। आर्थिक विकास और जीवन स्तर को ऊपर उठाया। मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसी। लेकिन उन्होंने पेरू के कानूनों और संवैधानिक संस्थानों के प्रति बहुत कम सम्मान दिखाया। उन्होंने कांग्रेस को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। उनकी क्रूरता की वैश्विक आलोचना की गई।

जजों के चुनाव मामले में मैक्सिको की जनता सड़कों पर उतरी, सीनेट में घुसे प्रदर्शनकारियों ने की तोड़फोड़

मैक्सिको सिटी, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

दुनियां में न्यायपालिका को लेकर नए तरह के प्रयोग करने का दौर चल निकला है। ऐसे में बताया जा रहा है कि मैक्सिको दुनिया का ऐसा पहला देश बन गया, जहां जजों को आम जनता वोटिंग के जरिए चुन सकेगी।

वैसे जजों के चुनाव से जुड़े प्रस्ताव को लेकर अब जनता सड़कों पर उतर आई है और इसका विरोध करते हुए प्रदर्शनकारी सीनेट में जो घुसे और तोड़फोड़ की है। मैक्सिको में जजों के चुनाव वाले बिल का भारी विरोध हुआ और इसी विरोध के बीच संसद में इसे पारित कर दिया गया।

सरकार का यह फैसला अब खुद उसके लिए गले की फांस बनता दिख रहा है। जानकारी अनुसार मैक्सिको की सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की ओर से संसद में पेश किए गए प्रस्ताव के पक्ष में 86 जबकि विरोध में 41 वोट पड़े थे, जिसके बाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

इस प्रस्ताव के विरोध में अब आमजन सड़कों पर उतरा है और प्रदर्शन करते हुए सीनेट में घुस गए और तोड़फोड़ की है। प्रदर्शन करने वालों में लॉ स्टूडेंट्स से लेकर कोर्ट कर्मचारी भी शामिल हैं। बताया जाता है कि जजों का चुनाव करने वाला विधेयक पारित कराने में राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर की अहम भूमिका रही है।

लोपेज का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म होने जा रहा है और वो अपने कार्यकाल के दौरान ही इसे पारित कराना चाह रहे थे।

इस कारण आनन-फानन में प्रस्ताव लाया गया और पास करवा लिया गया। अब जनता इसके विरोध में सड़क पर उतरी हुई है।

अमेरिकी युवाओं के लिए घातक बना चीन का धीमा जहर, अब तक दो सौ की हुई मौत

वाशिंगटन, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में एक नई महामारी विकसित हो रही है। इसका नाम है ड्रग्स। यानी वो धीमा जहर जिसकी चपेट में युवा जल्दी आते हैं। अमेरिका में ड्रग्स में चपेट में आने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। महामारी मुख्य रूप से फेंटेनाइल और अन्य ओपिओइड के कारण है।

यह पदार्थ हर हफ्ते 1,500 से अधिक अमेरिकियों की जान लेने के लिए जिम्मेदार है, ये पूरे देश में घातक ओवरडोज़ का मुख्य कारण बन गए हैं। अब तक करीब दो सौ लोगों की मौत हो चुकी है।

इस आपूर्ति श्रृंखला में चीन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो घातक फेंटेनाइल को संयुक्त राज्य अमेरिका में लाता है। भले ही दोनों देश प्रशांत महासागर के विशाल विस्तार से अलग हों। हेरिटेज फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी रासायनिक कंपनियां मैक्सिकन कार्टेल को फेंटेनाइल के उत्पादन के लिए आवश्यक कंपनियों की आपूर्ति कर रही है, जिसे बाद में अमेरिकी सीमा के पार तस्करी कर लाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार हाल के सालों में वैध फेंटेनाइल, एक अत्यधिक शक्तिशाली

सिंथेटिक ओपिओइड, इस ड्रग्स महामारी का चेहरा बन गया है। अवैध फेंटेनाइल की आपूर्ति मुख्य रूप से चीन और मैक्सिको में की जाती है और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी की जाती है। अमेरिका में फेंटेनाइल संकट के कारण 2023 में 108,000 से अधिक ओवरडोज़ से मौतें हुई हैं। इस महामारी से हो रही मौत के पीछे मिले सबूत में चीन और मैक्सिको दोनों की प्रत्यक्ष भागीदारी देखने को मिली है। ड्रग की घातकता और इसके उत्पादन और वितरण में आसानी ने इसके प्रभाव को और बढ़ा दिया है, हर दिन लगभग 200 अमेरिकी फेंटेनाइल ओवरडोज़ से मर रहे हैं। फेंटेनाइल संकट एक जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का परिणाम है, जो चीन के बायोफार्मास्युटिकल उद्योगों को मैक्सिकन ड्रग कार्टेल और अंततः अमेरिकी संपर्क से जोड़ता। चीनी कंपनियां फेंटेनाइल प्रीकर्सर रसायनों का उत्पादन और निर्यात करती हैं, जिन्हें बाद में मैक्सिको भेजा जाता है। वहां, कार्टेल रसायनों को फेंटेनाइल में तब्दील करते हैं और तैयार उत्पाद को संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करते हैं। एक भू-राजनीतिक विरोधी और दूसरा संगठित अपराध से त्रस्त राष्ट्र - एक सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा संकट को बढ़ावा दे रहा है जिसे नियंत्रित करना अमेरिका के लिए मुश्किल साबित हुआ है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, फेंटेनाइल अब अमेरिका के सामने अब तक का सबसे घातक ड्रग खतरा है। 2023 में दर्ज की गई 108,000 ओवरडोज़ मौतों में से 75,000 से ज़्यादा मौतों के लिए फेंटेनाइल जैसे सिंथेटिक ओपिओइड ज़िम्मेदार थे।

मनु भाकर को आराम, आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्पर्धाओं में उतरेंगी रिदम

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
रिदम सांगवान सीजन के आखिरी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्पर्धाओं में उतरने वाली अकेली भारतीय होंगी, जबकि दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक के बाद तीन महीने का ब्रेक दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने गुरुवार को 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्ग में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज पर 13 से 18 अक्तूबर तक खेला जाएगा।

टीम में पेरिस ओलंपिक खेलने वाले नौ सदस्य शामिल हैं। मनु ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य पदक जीता था। एनआरएआई महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, %हमने आईएसएसएफ विश्व कप के लिये मजबूत टीम उतारी है। पेरिस ओलंपिक के बाद टीम से अपेक्षायें काफी बढ़ी है।'

भारतीय टीम इस प्रकार है

एयर राइफल पुरूष : दिव्यांश सिंह पंवार, अर्जुन बाबुता
एयर राइफल महिला : सोनम उत्तम मसकार, तिलोत्तमा सेन
50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस पुरूष : चैन सिंह, अखिल श्योराण
50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस महिला : आशी चौकसी, निश्चल
एयर पिस्टल पुरूष : अर्जुन सिंह चीमा, वरूण तोमर
एयर पिस्टल महिला : रिदम सांगवान, सुरभि राव
25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरूष : अनीश, विजयवीर सिद्धू
25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल महिला : रिदम सांगवान, सिमरनप्रीत कौर बरार
ट्रैप पुरूष : विवान कपूर, भवनीश मेंदीरत्ता
ट्रैप महिला : राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी सिंह
स्कीट पुरूष : अनंतजीत सिंह नरूका, मैराज अहमद खान
स्कीट महिला : गनीमत सेखों, माहेश्वरी चौहान।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट चोटिल, वनडे के लिए ड्वारशुइस कवर के रूप में टीम में शामिल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट साउथेम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में चोटिल हो गए हैं, उन्हें साइड स्ट्रेन चोट लगी है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अपने यूके दौरे से एक और तेज गेंदबाज को खोने की संभावना का सामना करना पड़ रहा है। यदि, जैसा कि संभव है, बार्टलेट चोट के कारण चल रहे इंग्लैंड दौरे से बाहर होते हैं तो इससे स्पेंसर जॉनसन (साइड) और नाथन एलिस (हैमस्ट्रिंग) के साथ बाहर होने वाले वो तीसरे गेंदबाज होंगे। रिले मेरेडिथ, जिन्हें जोश हेज़लवुड की पिंडली की चोट के बाद स्कॉटलैंड श्रृंखला के लिए बुलाया गया था, एलिस के बाहर होने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैचों के लिए बरकरार रखा गया था, बार्टलेट की चोट के कारण शुक्रवार को कार्डिफ़ में होने वाले दूसरे टी-20 मैच के लिए टीम में आ सकते हैं। ऑलराउंडर आरोन हार्डी और कूपर कोनोली अन्य विकल्प हैं। न्यू साउथ वेल्स के बाएं हाथ के बेन ड्वारशुइस वनडे से पहले उड़ान भरेंगे, हालांकि वर्तमान में वह कवर प्रदान करने के लिए वहां मौजूद हैं और उन्हें आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। ड्वारशुइस को वनडे में कोई अनुभव नहीं है लेकिन उन्होंने तीन टी20 मैच खेले हैं। इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार चार विकेट लेने के बावजूद बार्टलेट को वनडे चरण का हिस्सा नहीं बनाया गया था। साइड की चोट के कारण उनका क्वींसलैंड के साथ घरेलू सीजन की शुरुआत में संदेह हो सकता है, जिसमें अक्टूबर की शुरुआत में शेफ़ील्ड शील्ड शुरू होने से पहले इस महीने के अंत में मार्श कप शुरू होगा।

बाबा फरीद गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट 19 सितंबर से, 12 टीमें भाग लेंगी

जैतो। 32वां ऑल इंडिया बाबा फरीद गोल्ड कप घरेलू हॉकी टूर्नामेंट 19 सितंबर से शुरु होगा। इसके लिए तैयारियों जोरों पर हैं। इसमें 12 टीमें खेलेंगी। ये टूर्नामेंट हॉकी क्लब फरीदकोट में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट बाबा फरीद आगमन पर्व पर आयोजित किया जा रहा है। बाबा फरीद हॉकी क्लब फरीदकोट के अध्यक्ष तेजिंदर सिंह के अनुसार इस राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में देश की 12 टीमें भाग लेंगी जिनमें जरखड़ अकादमी, ईएमई. जालंधर, एएमसी जालंधर, डीएसएफ जालंधर, सीआरपीएफ नवी दिल्ली, भारतीय नौसेना मुंबई, पीएसपीसी पटियाला, रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, लवली यूनिवर्सिटी, मेलबर्न क्लब फरीदकोट क्लब इलेवन आदि टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट से खेल की युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। जिन्हें अपने कौशल को दिखाने का एक मंच मिलेगा।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल शोरफुल की जगह अनकैप्ड जाकर अली बांग्लादेश टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने तेज गेंदबाज शोरफुल

इस्लाम की जगह अनकैप्ड बल्लेबाज जाकर अली को शामिल किया है। शोरफुल इस्लाम को पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान कमर में चोट लग गई थी और वह दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। भारत के चुनौतीपूर्ण दौरे के लिए बांग्लादेश की गेंदबाजी लाइनअप में अब तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, हसन महमूद और खालिद अहमद शामिल होंगे। हालाँकि जाकर ने अभी तक कोई टेस्ट या वनडे नहीं खेला है, लेकिन उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में डेब्यू करने के बाद से बांग्लादेश के लिए 17 टी20ई में भाग लिया है। उन्होंने 49 प्रथम श्रेणी मैचों में भी भाग लिया है, जिसमें 41.47 की औसत और चार शतक शामिल हैं। भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को चेन्नई में शुरू होने वाला है, जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर को कानपुर में शुरू होगा। दोनों मैच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा हैं। भारत दौरे के लिए बांग्लादेश टीम – नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, मेहदी हसन मिराज, जेकर अली, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राणा, तैजुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, नईम हसन, खालिद अहमद शामिल हैं।

पेरिस पैरालंपिक में इतिहास रचने वाले पैरा एथलीट्स से मिले पीएम मोदी

भारतीय दल को दी शुभकामनाएं और एथलीटों की तारीफ कर बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में इतिहास रचने के बाद गुरुवार को भारतीय दल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसका वीडियो भी सामने आया है। पीएम मोदी पैरा एथलीट्स से हंसी मजाक करते नजर आए। उन्होंने इतिहास रचने वाले एथलीट्स और उनके कोच की जमकर तारीफ की। पेरिस पैरालंपिक में रिकॉर्ड 29 पदक जीतने के बाद भारतीय एथलीट्स मंगलवार को देश लौटे थे। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य समेत 29 पदक जीते थे। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक का रिकॉर्ड तोड़ा था। टोक्यो में भारत ने 19 पदक जीते थे और देश पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा था, जबकि पेरिस में भारत 18वें स्थान पर रहा। भारत इस बार पेरिस में 25 पार के लक्ष्य के साथ उतरा था और उसे हासिल भी किया।

इस दौरान पीएम मोदी के साथ खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी नजर आए। जूडो में पैरालंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने वाले कपिल परमार ने पीएम मोदी को एक मोमेंटो गिफ्ट किया। पीएम मोदी ने फिर कपिल को ऑटोग्राफ भी दिया। वहीं, अवनि लेखरा ने पीएम मोदी को स्वर्ण पदक वाले ग्लव्स और एक जर्सी गिफ्ट की, जिसमें पीएम मोदी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद लिखा था। पीएम मोदी ने अवनि के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया। खेल मंत्रालय द्वारा साझा किए गए 43 सेकंड के वीडियो में पीएम को पदक विजेताओं के साथ बातचीत से पहले उन्हें बधाई देते देखा जा सकता है। भारत ने पैरालंपिक खेलों में अभूतपूर्व सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक सहित 29 पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने इस बार सबसे ज्यादा 84 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था।

स्वर्ण पदक 75 लाख, रजत 50 लाख , कांस्य पदक जीतने वाले एथलीटों को 30 लाख रुपये दिए

देश लौटने के बाद से पैरालिंपियनों को सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। खेल मंत्री मांडविया ने स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख रुपये, रजत विजेताओं को 50 लाख रुपये और खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले एथलीटों को 30 लाख रुपये दिए हैं। मिश्रित टीम स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को 22.5 लाख रुपये देकर सम्मानित किया गया। इनमें तीरंदाज शीतल देवी शामिल हैं, जिन्होंने राकेश कुमार के साथ कांस्य पदक जीता था। पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह ने कहा कि वह पीएम मोदी से मिलकर खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैं पेरिस पैरालंपिक में पैरा तीरंदाजी का चैंपियन बनकर लौटा हूं। यह देश के लिए ऐतिहासिक पदक है। मैंने प्रधानमंत्री को फाइनल में इस्तेमाल किया गया अपना एक तीर उपहार के रूप में दिया है। पीएम मोदी ने हमें काफी प्रेरित किया और पदक विजेताओं, प्रतिभागियों और सपोर्ट स्टाफ से बातचीत की।

प्रो क्रिकेट लीग : राजस्थान किंग्स के लिए खेलेंगे आईपीएल सनसनी कामरान खान

नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)।
इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व स्टार कामरान खान प्रो क्रिकेट लीग (पीसीएल) में राजस्थान किंग्स के लिए खेलेंगे। कामरान आईपीएल में राजस्थान किंग्स और पुणे वॉरियर्स के लिए खेल चुके हैं।

फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कामरान खान ने कहा, मैं राजस्थान किंग्स में वापसी और इसमें शामिल होने से खुश हूं। कुछ समय बिताने के बाद, मैं तरोताजा हूं और अपने कौशल और जुनून को खेल में वापस लाने के लिए तैयार हूं। मैं अपने प्रशंसकों के साथ फिर से जुड़ने और मैदान पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए उत्सुक हूं।

कामरान अपनी अद्भुत गति और स्विंग के लिए प्रसिद्ध हैं। पेशेवर क्रिकेट से थोड़े समय के ब्रेक के बाद कामरान खान अब अपनी पुनर्जीवित ऊर्जा और खेल के प्रति गहन प्रेम की बदौलत मैदान पर विजयी वापसी करने के लिए तैयार हैं।

प्रो क्रिकेट लीग के कार्यकारी निदेशक गणेश शर्मा ने साझा किया, हम प्रो क्रिकेट लीग में कामरान खान का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। कामरान की लाइनअप सिर्फ एक व्यक्तिगत वापसी नहीं है बल्कि लीग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उनकी उपस्थिति निस्संदेह प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगी और प्रशंसकों को उत्साहित करेगी। राजस्थान किंग्स के मालिक गौरव सचदेवा ने कहा, हमारा मानना है कि उनके शामिल होने से हमारी टीम के प्रदर्शन में काफी वृद्धि होगी और हमें नई जिंदगी मिलेगी। हम उन्हें प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं और हम जानते हैं कि उनकी वापसी से हमारे समर्थक बहुत खुश होंगे।

अंडर-19 यूपी क्रिकेट टीम के लिए मुरादाबाद मंडल से 10 खिलाड़ी फाइनल ट्रायल के लिए चयनित

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि 19 वर्ष से कम आयु वर्ग क्रिकेट टीम के लिए मुरादाबाद मंडल से 10 खिलाड़ी उप्र क्रिकेट एसोसिएशन ने फाइनल ट्रायल के लिए चयनित किए गए हैं। चयनित खिलाड़ियों को अलग-अलग तिथियों में कानपुर कमला क्लब में रिपोर्ट करना है। जिसमें 5 खिलाड़ियों को 13 को शाम 6 बजे और शेष पांच खिलाड़ी को 14 सितंबर को रिपोर्ट करेंगे।

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट : ग्रेटर नोएडा में लगातार बारिश के कारण चौथे दिन का खेल रद्द

ग्रेटर नोएडा, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में लगातार बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट का चौथा दिन भी गुरुवार को रद्द कर दिया गया। अब एक भी गेंद फेंके बिना मैच रद्द होने की संभावना है, आईसीसी मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने निर्णय लेने से पहले शुक्रवार सुबह तक इंतजार करने का फैसला किया है।

रात भर भारी बारिश होने के कारण मैदान के कुछ हिस्सों में पानी भरा रहा। कोई भी टीम आयोजन स्थल पर नहीं आई, हालांकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कुछ अधिकारियों को ग्राउंड स्टाफ के साथ लंबी चर्चा करते देखा गया, जो भारी बारिश के कारण निराश दिख रहे थे। यह स्थान, जो अपने पहले टेस्ट की मेजबानी कर रहा है, सुविधाओं और बुनियादी जल निकासी की कमी के कारण जांच के दायरे में आ गया है। धूप होने के बावजूद पहले कुछ दिनों तक कोई खेल नहीं होने के कारण आलोचना झेलने के बाद, स्टेडियम के अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से कवर मंगवाए, जबकि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने सुपर सॉपर्स भेजे।

एसीबी के एक अधिकारी ने एक बार फिर यहां टेस्ट मैच की मेजबानी के बोर्ड के फैसले का बचाव करते हुए कहा, हमने चीजों को वापस पटरी पर लाने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन मौसम ने हमारी परेशानियां बढ़ा दीं। अफगानिस्तान ने 2017 से इस स्थल पर कई टी20आई और वनडे मैचों की मेजबानी की है।

डेविस कप– अल्कराज और बॉतिस्ता ने स्पेन को दिलाई विजयी शुरुआत

वालेंसिया, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
कार्लोस अल्कराज और रॉबर्टो बॉतिस्ता के एकल मैच जीतने के बाद डेविस कप ग्रुप के शुरुआती मुकाबले में स्पेन ने चेक गणराज्य को 3-0 से हरा दिया। अल्कराज अपने मैच का शुरुआती सेट टाई-ब्रेक के बाद टॉमस मचाक के खिलाफ 6-7 (3-7) से हार गए थे, लेकिन माचाक को दूसरे सेट में चोट लगने लगी, जिसके बाद अल्काराज ने दूसरा सेट 6-1 से जीत लिया और बराबरी हासिल ली, हालंकि इसके बाद माचाक रिटायर हो गए और अल्कराज को विजेता घोषित कर दिया गया।

दूसरी तरफ बॉतिस्ता ने डेविस कप में अपनी वापसी का जश्न जिरी लेहेका के खिलाफ 7-6(1), 6-4 से जीत के साथ मनाया, जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं और स्पैनियार्ड से कई स्थान ऊपर हैं। अपनी जीत के बाद बॉतिस्ता ने अपने गृहनगर कास्टेलोन डे ला प्लाना के करीब शहर में अपनी सफलता का जश्न मनाया। उन्होने कहा, 'मैंने इस प्रतियोगिता में अपने करियर में अपने

जीवन की सबसे अच्छी चीजों का अनुभव किया है, और वालेंसिया में खेलना बहुत खास है। मैं स्पेन को पहला अंक दिलाकर बहुत खुश हूं।' युगल मैच में अल्कराज और मार्सेल ग्रेनोलर्स ने जैकब मेन्सिक और एडम पावलसेक को 6-7(2), 6-3, 7-6(2) से हराया और स्पेन को 3-0 से जीत दिला दी।

ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 में डेब्यू करने के लिए तैयार

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
पूर्व विश्व नंबर 1 रोहन बोपन्ना दिसंबर में शुरू हो रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के बहुप्रतीक्षित छठे संस्करण में हिस्सा लेंगे। बोपन्ना की इस टूर्नामेंट में पहली उपस्थिति होगी। टीपीएल ने 5 बेहद सफल सीज़न पूरे कर लिए हैं, और अब सीजन 6 भी दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है।

44 वर्षीय बोपन्ना, जिन्होंने 2 ग्रैंड स्लैम खिताब (पुरुष युगल में 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और मिश्रित युगल में 2017 में फ्रेंच ओपन) जीते हैं, ने तीन ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, वह 2016 रियो ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर रहे।

बेंगलुरु के रहने वाले इस शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी के नाम विश्व नंबर 1 बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, जब उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी के अंत में हासिल किया था। उन्होंने करियर में 25 से अधिक खिताब जीते हैं और लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं। ये चारों एकमात्र भारतीय ग्रैंड स्लैम विजेता हैं और जो इस लीग का समर्थन भी कर रहे हैं।

करीब दो दशकों तक एटीपी टूर का हिस्सा रहने के बाद, बोपन्ना अब टीपीएल में टेनिस की एक नई शैली अपनाएंगे। सभी फ्रेंचाइजी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कुल 5 मैच खेलेंगी क्योंकि लीग का 25-पॉइंट प्रारूप टेनिस प्रशंसकों की कल्पना को आकर्षित करता है। दो फ्रेंचाइजी के बीच सभी मैचों में पुरुष एकल, महिला

एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल शामिल होंगे। दो फ्रेंचाइजी के बीच प्रत्येक मैच में 100 अंक दांव पर होंगे, जहां प्रत्येक श्रेणी 25 अंक की होगी। प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 500 अंक (100 अंक × 5 मैच) खेलेगी और अंक तालिका में शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

बोपन्ना, सुमित नागल, फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन और अर्मेनियाई एलिना अवनेस्यान जैसे खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे, जो भारत के प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लब में शीर्ष पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

रोहन बोपन्ना ने कहा, मैं टेनिस प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने के लिए रोमांचित हूं, खासकर इसके अभिनव 25-पॉइंट प्रारूप के साथ। यह साल ख़त्म करने का एक आदर्श तरीका है। मेरा मानना है कि टीपीएल जैसे टूर्नामेंट, जो जमीनी स्तर के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं, अधिक युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर टेनिस प्रीमियर लीग के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, रोहन बोपन्ना का हमारे साथ जुड़ना शानदार है। उनकी साख और क्षमताएं कुछ ऐसी हैं जिन पर हमें स्पष्ट कारणों से चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति न केवल टीपीएल के छठे सीज़न को बढ़ावा देगी, बल्कि अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी, खासकर जब कोर्ट पर एक पूर्व विश्व नंबर एक है।

मुंबई ही नहीं बल्कि टेनिस जगत में भी हलचल मच जाएगी

टेनिस प्रीमियर लीग के सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा, रोहन बोपन्ना भारतीय टेनिस के प्रतीकों में से एक हैं, और हम यह देखकर बहुत खुश हैं कि वह सीजन 6 में टेनिस प्रीमियर लीग में खेलेंगे। इससे न केवल मुंबई बल्कि टेनिस जगत में भी हलचल मच जाएगी। हम रोहन और बाकी खिलाड़ियों के साथ टेनिस के कुछ बेहतरीन खेलों की उम्मीद कर रहे हैं।

मंत्रालय ने 71 कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों की प्रगति की समीक्षा की

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)। कोयला मंत्रालय ने 71 कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों की प्रगति की समीक्षा की है। ये सभी कोयला खदानें नीलामी की प्रक्रिया पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है।

मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि उन खदानों की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक हुई, जिनकी नीलामी अलग-अलग चरणों में की गई है। ये सभी कोयला खदानें प्रक्रिया पूरी होने के विभिन्न चरणों में हैं। इस बैठक की अध्यक्षता कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और नामित प्राधिकारी रूपिंदर बरार ने की। इन खदानों की व्यापक समीक्षा में घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त सचिव ने आवंटियों से उन कोयला ब्लॉकों को चालू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया, जो परिचालन के उन्नत चरणों में हैं।

कोयला मंत्रालय ने कहा कि यह रणनीतिक समीक्षा भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला ब्लॉकों के संचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए मंत्रालय के सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। इन खदानों पर ध्यान केंद्रित करके, सरकार का लक्ष्य घरेलू संसाधनों को अधिकतम करना और कोयले के आयात पर निर्भरता को कम करना है। दरअसल कोयला मंत्रालय घरेलू कोयला उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश के सतत आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

उल्लेखनीय है कि 71 कोयला ब्लॉक विनियामक मंजूरी प्राप्त करने के विभिन्न चरणों में हैं। ये ब्लॉक नौ राज्यों में वितरित हैं, जो अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में स्थित हैं।

सरकार को सीआईएल और पॉवरग्रिड से मिले लाभांश किश्त के 3258 करोड़

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पॉवरग्रिड) ने लाभांश किश्तों के रूप में 3258 करोड़ रुपये दिए हैं। इन कंपनियों में सीआईएल ने करीब 1945 करोड़ रुपये और पॉवरग्रिड ने 1313 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से लाभांश किश्त के रूप में क्रमशः लगभग 1945 करोड़ रुपये और 1313 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्त के रूप में 3258 करोड़ रुपये मिले हैं। उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रतिष्ठान है। यह भारत और दुनिया में भी सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी है, जो कोयला मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। वहीं, पॉवरग्रिड, भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का एक अनुसूची 'ए', 'महारत्न' उद्यम है, जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 23 अक्टूबर 1989 को निगमित किया गया था। पावरग्रिड एक सूचीबद्ध कंपनी है, जिसमें सरकार की 51.34 फीसदी हिस्सेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ को 3.2 लाख करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शेयर बिक्री ने निवेशकों की रिकॉर्ड तोड़ मांग का सामना किया और 6,560 करोड़ रुपए के आईपीओ की पेशकश के लिए संचयी बोली 3.2 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गई। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में करीब 90 लाख आवेदन मिले, जिसने टाटा टेक्नोलॉजिज के पिछले रिकॉर्ड 73.5 लाख आवेदनों को पीछे छोड़ दिया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि यह कामयाबी 5.5 लाख करोड़ डॉलर वाले देसी इक्विटी बाजार की मजबूती व गहराई को रेखांकित करती है और बड़े पैमाने पर होने वाली शेयर बिक्री को सहारा देने की उसकी क्षमता भी बताती है। यह मील का पत्थर वैश्विक वाहन दिग्गज ह्युंडै इंडिया के 25,000 करोड़ रुपए के अनुमानित आईपीओ और सॉफ्टबैंक समर्थित स्विगी के 10,000 करोड़ रुपए के अनुमानित आईपीओ से पहले देखने को मिला है। बजाज हाउसिंग के आईपीओ को निवेशकों की विभिन्न श्रेणियों से भारी मांग देखने को मिली और कुल मांग बिक्री पेशकश के 67 गुने के पार चली गई। संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 222 गुना आवेदन मिले जबकि एचएनआई श्रेणी में 10 लाख रुपए तक और 10 लाख रुपए से ज्यादा निवेश करने वाले निवेशकों के मामले में आवेदन क्रमशः 51 गुना व 31 गुना मिले। वैयक्तिक निवेशकों के मामले में बोली 60,000 करोड़ रुपए के पार चली गई।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 72 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.43 डॉलर यानी 0.61 फीसदी की उछाल के साथ 71.04 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.36 डॉलर यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 66.67 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

श्री तिरुपति एग्रो ट्रेडिंग का शेयर निर्गम मूल्य से 12 फीसदी उछलकर हुआ सूचीबद्ध

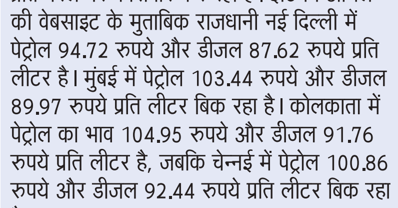

नई दिल्ली। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड कंपनी के शेयर गुरुवार को अपने निर्गम मूल्य 83 रुपये के मुकाबले करीब 12 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ है। कंपनी ने लगभग 170 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 78-83 रुपये प्रति शेयर किया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 92.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 11.92 फीसदी की उछाल को दर्शाता है। हालांकि, बाद में कारोबार के दौरान यह 17.51 फीसदी की बढ़त के साथ 97.54 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर कारोबार की शुरुआत में 8.43 फीसदी की बढ़त के साथ 90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों पर सूचीबद्ध होने से पहले कंपनी के शेयर 25 रुपये के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के साथ कारोबार कर रहे हैं। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 11.9 फीसदी का प्रीमियम मिला। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 795.64 करोड़ रुपये रहा। श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन सोमवार तक 124.74 गुना अभिदान प्राप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग लिमिटेड कंपनी, भारतीय घरेलू बाजार और विदेशों में लचीले इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (एफआईबीसी) यानी बड़े लचीले बैग और अन्य औद्योगिक पैकेजिंग उत्पाद जैसे बुने हुए बोरे, बुने हुए कपड़े और संकीर्ण कपड़े, टेप के निर्माण और बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

सेंसेक्स पहली बार 83 हजार के ऊपर निवेशकों ने कमाए 5.90 लाख करोड़

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)। मजबूत ग्लोबल संकेतों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से जमकर की गई खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को जोरदार छलांग लगाई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने 10 दिन बाद एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 83 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.77 प्रतिशत और निफ्टी 1.89 प्रतिशत की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का भी नया रिकॉर्ड बनाकर बंद हुए।

गुरुवार को दिनभर के कारोबार के दौरान जमकर हुई खरीदारी के कारण सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। कारोबार के दौरान सबसे अधिक तेजी मेटल, ऑटोमोबाइल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में दर्ज की गई। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी 1.5 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 6 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन

कारोबार के बाद बढ़ कर 466.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.76 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 5.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

गुरुवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,069 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,335 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,612 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 122 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,441 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,544 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 897 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 1 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सभी 50 शेयर हरे निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स गुरुवार को 407.02 अंक उछल कर 81,930.18 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद ये सूचकांक दोपहर 2 बजे तक बिकवाली के दबाव का सामना करते हुए सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। बिकवाली का दबाव बढ़ने पर ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 400 अंक नीचे फिसल कर 81,534.29 अंक तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद बाजार में तेजड़ियों ने पूरी तरह से अपना कब्जा बना लिया। लगातार हो रही चौतरफा खरीदारी के कारण अगले 1 घंटे में ही ये सूचकांक 1,593.03 अंक की जोरदार छलांग लगा कर 83 हजार अंक के स्तर को पार करते हुए अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,116.19 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,439.55 अंक की तेजी के साथ 82,962.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने गुरुवार को 141.20 अंक की तेजी के साथ 25,059.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद काफी देर तक बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण ये सूचकांक फिसल कर 24,941.45 अंक तक आ गया। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में खरीदार हावी हो गए। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक 514.90 अंक की छलांग लगा कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,433.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 470.45 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,388.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 4.40 प्रतिशत, भारती एयरटेल 4.37 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.90 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.68 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरुवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर दिग्गजों के बीच इकलौता नेस्ले का शेयर 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेमी और आईईएसए ने भारत में पारिस्थितिकी तंत्र को बढावा देने को किया समझौता

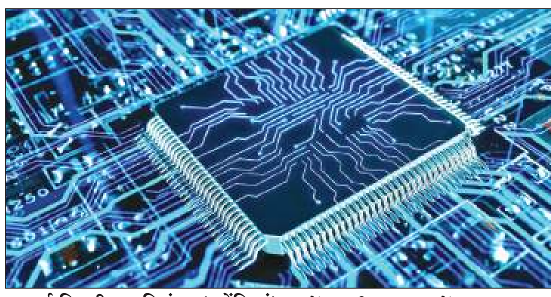

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)। वैश्विक सेमीकंडक्टर निकाय सेमी और उसके समकक्ष आईईएसए ने भारत में इस उद्योग के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक समझौते की घोषणा की है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि समझौते के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) सेमी का हिस्सा बन जाएगा। सेमी सेमीकॉन इंडिया सहित सेमीकॉन कार्यक्रमों का आयोजक है। सेमी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी सेमी को इस महत्वपूर्ण उभरते बाजार में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद करेगी और दोनों संगठनों को ठोस रणनीतियों की पहचान करने में सक्षम बनाएगी जो आपूर्ति श्रृंखला मजबूती बढ़ाने के लिए हमारी संयुक्त शक्तियों का लाभ उठाती हैं। हाल ही में जारी बयान में कहा गया कि सेमीकॉन इंडिया 2024 के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से संयुक्त नीति वकालत प्रयासों का मार्ग भी प्रशस्त होगा, जिसमें आईईएसए और सेमी उत्पाद विकास और विनिर्माण के लिए प्रोत्साहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेंगे, तथा उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) और डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन (डीएलआई) मॉडल जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का लाभ उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत, सेमी और आईईएसए के लिए एक बड़ी जीत है। यह भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर का ऊर्जा केंद्र बनने की स्थिति में ले जाएगा, आर्थिक वृद्धि को गति देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

कोष प्रबंधन मंच सेंट्रिसिटी ने दो करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। डिजिटल कोष प्रबंधन मंच सेंट्रिसिटी ने शुरुआती वित्तपोषण चरण में दो करोड़ डॉलर यानी कि लगभग 168 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कंपनी का मूल्यांकन 12.5 करोड़ डॉलर हो गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेंट्रिसिटी अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए ताजा पूंजी का उपयोग करने की योजना बना रही है। कंपनी अपनी प्रौद्योगिकी विकास टीम को 75 से बढ़ाकर 150 से अधिक विशेषज्ञों तक दोगुना करने की योजना बना रही है, जो जनरेटिव एआई-लेड मॉड्यूल, इंश्योर-टेक और ब्रोकिंग-टेक मंच जैसे नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करेगी। जनवरी, 2022 में स्थापित गुरुग्राम स्थित सेंट्रिसिटी ने सितंबर, 2022 में दो करोड़ डालर के मूल्यांकन पर 40 लाख डॉलर जुटाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिका में...

मुश्फिकुल फजल अंसारी के साथ काफी देर तक बातचीत करते देखा गया। यह वही बांग्लादेशी पत्रकार है जिसने एक प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया था, जबकि यह भारत का आंतरिक मामला।

बांग्लादेश सरकार ने मुश्फिकुल फजल अंसारी पर डिजिटल सिक्योरिटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर रखा है। मुश्फिकुल को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आतंकवाद और अंतर्राष्ट्रीय अपराध विभाग द्वारा वांछित घोषित किया गया था और उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। मुश्फिकुल एक वेब पोर्टल चलाता था जिसे 2015 में बांग्लादेश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। उस पर कई बार सरकार के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप लगा। मुश्फिकुल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का समर्थक है, जो भारत के उत्तर-पूर्व में विद्रोह का समर्थन करने के लिए जानी जाती है। यूएन मिशन ने भी मुश्फिकुल फजल अंसारी के पत्रकार के रूप में कार्यक्रमों में भाग लेने पर आपत्ति जताई थी।

राहुल गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथी संगठन इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल की एडवोकेसी डायरेक्टर सरिता पांडे से भी मुलाकात की। सरिता पांडे का पति भी भारत विरोधी संगठन से जुड़ा हुआ है। राहुल गांधी की यह मुलाकात उसी तरह गंभीर है, जैसे राहुल गांधी ने भारत की प्रबल विरोधी और हिंदुओं से घृणा करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से अंतरंग मुलाकात की थी। इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (आईएएमसी) के संबंध बैन इस्लामिक आतंकवादी संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से हैं। इसके अलावा, आईएएमसी के संबंध लश्कर-ए-तैयबा और जमात-ए-इस्लामी से भी हैं। आईएएमसी जमात-ए-इस्लामी समर्थित लॉबिंग संगठन है, जो खुद को मुस्लिम अधिकारों की वकालत करने वाला समूह बताता है।

यह संगठन अमेरिका में विभिन्न भारत विरोधी समूहों के साथ काम कर चुका है और यहां तक कि भारत को संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग द्वारा ब्लैकलिस्ट कराने के लिए उन्हें पैसे भी दिए थे। आईएएमसी को भारत में इस्लामी कारणों को आगे बढ़ाने के लिए फर्जी खबरें और गलत सूचनाएं फैलाने का भी दोषी पाया गया है। 2021 में यूएपीए के तहत मामला भी दर्ज किया गया था। वर्ष 2019 में हिंदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स की सह-संस्थापक सुनीता विश्वनाथ ने भी भारतीय मुसलमानों में एनआरसी को लेकर डर और घबराहट पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया था। दिलचस्प यह है कि राहुल गांधी ने अपनी 2023 की अमेरिका यात्रा के दौरान सुनीता विश्वनाथ से भी मुलाकात की थी। सुनीता विश्वनाथ का संगठन अमेरिकी धनपशु और कुख्यात भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसायटी फाउंडेशन/ओपन सोसायटी इंस्टीट्यूट के फंड से चलता है।

75% हल हो...

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बर्लिन में जर्मन विदेश कार्यालय के वार्षिक राजदूत सम्मेलन में रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा, हमें नहीं लगता कि यह संघर्ष युद्ध के मैदान पर हल होने वाला है। संघर्ष का हल निकालने के लिए रूस और यूक्रेन को युद्ध के मैदान से बाहर आकर बातचीत करनी होगी। इसके लिए भारत दोनों देशों को सलाह देने के लिए हमेशा तैयार है। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए मास्को में हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सम्मेलन में चीन के साथ भारत के संबंधों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत चीन से व्यापार के लिए बंद नहीं है, लेकिन मुद्दा यह है कि भारत बीजिंग के साथ किन क्षेत्रों में और किन शर्तों पर व्यापार करता है। इससे पहले, विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा, हमें नहीं लगता कि यह संघर्ष युद्ध के मैदान पर हल होने वाला है। उन्होंने कहा कि किसी स्तर पर कोई बातचीत होती है तो रूस और यूक्रेन को उस बातचीत में शामिल होना होगा।

सम्मेलन में एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी की रूस और यूक्रेन की यात्रा का हवाला दिया। बताया कि कैसे पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति से कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। उन्होंने कहा, हमें नहीं लगता कि आपको युद्ध के मैदान से कोई समाधान मिलेगा। यदि आप सलाह चाहते हैं, तो हम हमेशा सलाह देने को तैयार हैं। इस मौके पर जयशंकर ने क्वाड के बारे में भी बात की। कहा, हमने क्वाड को पुनर्जीवित किया है। यह एक प्रमुख राजनयिक मंच है और भारत इसके लिए प्रतिबद्ध है। क्वाड भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच एक रणनीतिक सुरक्षा वार्ता है।

गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत उन तीन देशों में शामिल है, जिनसे वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर लगातार संपर्क में है। वे इसे सुलझाने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर यूक्रेन की इच्छा है कि वह बातचीत जारी रखे, तो मैं ऐसा कर सकता हूं। पुतिन की यह टिप्पणी पीएम मोदी की यूक्रेन की यात्रा के दो सप्ताह के भीतर आई, जहां उन्होंने राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत की।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, हम अपने दोस्तों और साझेदारों का सम्मान करते हैं, मेरा मानना है कि वे ईमानदारी से इस संघर्ष से जुड़े सभी मुद्दों को हल करना चाहते हैं, मुख्य रूप से चीन, ब्राजील और भारत। मैं इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में रहता हूं। पिछले महीने अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की से कहा था कि यूक्रेन और रूस दोनों को बिना समय बर्बाद किए युद्ध को समाप्त करने के लिए एक साथ बैठना चाहिए। शांति बहाल करने के लिए भारत सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

हादसों और प्रभावों से...

पीएम-ई-बस सेवा-भुगतान सुरक्षा तंत्र (पीएसएम) योजना को भी मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से वित्त वर्ष 2028-29 तक 38,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) की तैनाती की जाएगी। वर्तमान में, पीटीए द्वारा संचालित अधिकांश बसें डीजल/सीएनजी पर चलती हैं, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, ई-बसें पर्यावरण के अनुकूल हैं और उनकी परिचालन लागत भी कम है।

वरिष्ठ वामपंथी ...

पार्टी ने इस मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और एम्स के डॉक्टरों के प्रति आभार जताया।

सीताराम येचुरी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव और पार्टी के संसदीय समूह के नेता थे। उनका जन्म 12 अगस्त 1952 को चेन्नई में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्हें 2016 में राज्यसभा में सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

आपातकाल में जेएनयू में रहते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वह लगातार तीन बार जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। 1984 में उनको सीपीआई एम की केंद्रीय समिति में शामिल किया गया था। 2015 में उनको पार्टी का महासचिव चुना गया। येचुरी 2005 में पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने सदन में कई मुद्दे उठाए। वामपंथी नेताओं के तौर पर उनकी अलग पहचान थी।

तो गणेश पूजा में ...

वकील इंदिरा जयसिंह इस वीडियो को देखने के बाद कहती हैं कि मुख्य न्यायाधीश ने कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के विभाजन को लेकर समझौता किया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को इसकी निंदा करनी चाहिए।

इस तरह अशोक धावले सीजेआई के घर पीएम मोदी को पूजा करते हुए देख कहते हैं, अब न्यायाधीश चंद्रचूड़ को उनकी रिटायरमेंट के बाद राज्यसभा में पोस्ट मिलेगी, वो राज्यपाल बनेंगे या फिर अडानी बोर्ड के डायरेक्टर या हो सकता है अगले कानून मंत्री ही बन जाएं। वकील प्रशांत भूषण इस वीडियो को देख कहते हैं, हैरानी है कि मुख्य न्यायाधीश ने मोदी को अपने आवास पर प्राइवेट मीटिंग के लिए आने दिया। बहुत बुरा संदेश जाएगा कि जिस न्यायपालिका का काम मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है वह सरकार के दायरे में काम करे। प्रशांत भूषण बताते हैं कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच दूरी होनी चाहिए।

खान मार्केट गिरोह के लिबरल पत्रकार और लिबरल वकीलों के बाद कई नेता भी हैं जिन्हें पीएम मोदी द्वारा सीजेआई के घर जाने पर आपत्ति हो रही है। शिवसेना के संजय राउत कहते हैं कि उनकी पार्टी का मामला कोर्ट में हैं जिसमें दूसरी पार्टी केंद्र सरकार हैं ऐसे में वो कैसे सोचे कि उन्हें न्याय मिलेगा। इसी तरह कांग्रेस की पूर्व प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी भी अपने ट्वीट में इस मुद्दे को उठाती हैं, पूछती हैं कि क्या जो महाराष्ट्र का मामला कोर्ट में है उसमें फैसला आ जाएगा या चुनाव आने तक उसे टाला जाता रहेगा।ध्यान रहे अलग-अलग प्रोफेशन से आने वाले लिबरलों की ये सारी आशंका, ये सारा डर सिर्फ पीएम मोदी के सीजेआई के घर पहुंच जाने के कारण है। दिलचस्प बात ये है कि इसी लिबरल जमात को इफ्तार पार्टी से समस्या नहीं है। अगर देश का प्रधानमंत्री इफ्तार पार्टी का आयोजन कराए और देश के बड़े बड़े नेता उसमें शामिल होने जाएं, तब इन्हें डर नहीं सताता कि सेकुलर देश में इस तरह देश के प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित इफ्तार से देश की बहुसंख्यक आबादी को कैसा चलेगा।

इफ्तार पार्टी की बात कोई काल्पनिक नहीं है। साल 2009 में प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह द्वारा उनके घर पर इफ्तार पार्टी आयोजित की गई थी और उस समय उनकी मेहमानों में एक चेहरा तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन का भी था। आज लोकतंत्र को खतरे में बताकर चिल्लाने वालों को शायद तब सब कुछ सही लगा हो। तब उन्हें ये डर न सताया हो कि आखिर जब सीजेआई ही प्रधानमंत्री के घर आकर उनसे हंस-हंस कर बात कर रही हैं तो फिर इंसाफ कौन करेगा।

इनका ये डर आज सिर्फ इसलिए है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और वो हिंदू धर्म को मानने वाले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर जाकर पूजा कर रहे हैं। लिबरलों के हिसाब से तो शायद सीजेआई का धर्म हिंदू है तो उन्हें मन से नास्तिक होना चाहिए, क्योंकि अगर वो अपने धर्म का पालन करेंगे तो इस जमात को हमेशा यही लगेगा कि जो शख्स पूजा पाठ करता है वो कैसे न्याय कर पाएगा! लेकिन वही व्यक्ति बैठकर घर में इफ्तार पार्टी कर दे तो उसकी विश्वसनीयता इनकी नजरों में दुगनी बढ़ जाएगी, उसमें न्याय की क्षमता आ जाएगी, उसके सेकुलरिज्म के कसीदे पढ़ें जाएंगे।

लिबरलों का ये हाल तब है जब उनके ऊपर खुद को न्यूट्रल दिखाने के लिए दबाव है। सोचिए, अगर वो ये दिखावा करना छोड़ दें तो इनके ट्वीट में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच के संबंध पर बात नहीं होगी बल्कि ये खुलेआम हर हिंदू त्यौहार का विरोध करते दिखेंगे। आज जिस लोकतंत्र और संविधान को खतरे में बताकर ये लोग सीजेआई के घर हुई गणेश पूजा और उसमें शामिल हुए पीएम का विरोध कर रहे हैं, वही संविधान देश के नागरिकों को अनुच्छेद 25 के तहत अपने-अपने धर्म को मानने की आजादी देता है। अनुच्छेद 25 (1) में उल्लिखित है कि लोक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य तथा इस भाग के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी व्यक्तियों को अंत:करण की स्वतंत्रता का और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान हक होगा।अब ये दोगली जमात ये तो नहीं कह सकती कि देश का पीएम बनने से और सीजेआई बनने से देश की नागरिकता छिन जाती है। सच तो यही है कि जो अधिकार एक नागरिक के होते हैं, वही अधिकार पीएम मोदी और सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के पास भी हैं। ऐसे में अगर ये दोनों लोग अपने इन अधिकारों से वाकिफ हैं और इन्हें अपने धर्म का आचरण करने में समस्या नहीं है तो जाहिर है वो लोग इस तरह कार्यक्रमों में आ जा सकते हैं। और अगर लिबरलों के हिसाब से जवाब नहीं होना चाहिए, तो फिर उन्हें आपत्ति का आधार इफ्तार पार्टियों और सम्मेलनों को बनाना चाहिए जहां पहुंचकर कार्यपालिका और न्यायपालिका के लोग मिलते भी हैं और उनके बीच हंस-हंसकर बात भी होती है।

साल का आखिरी चन्द्र ग्रहण 18 को

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024 को लगने जा रहा है। वैसे तो यह आंशिक चंद्र ग्रहण होगा, जिसका प्रभाव दुनियाभर में रहेगा। यह चंद्रग्रहण कुल 4 घंटे 4 मिनट तक रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल का आ-खिरी चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024 में होगा। ये आंशिक चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा। इस ग्रहण के दौरान चंद्रमा का एक छोटा हिस्सा ही गहरी छाया में प्रवेश करेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस चंद्र ग्रहण का कुछ राशियों के लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में इस राशि के लोगों को सावधान रहना चाहिए। चंद्र ग्रहण पर सूतक ग्रहण से ठीक 9 घंटे पहले शुरू होता है और ग्रहण समाप्त होने पर समाप्त होता है।

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2024 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। साल 2024 का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च 2024 होली के दिन लगा था। वहीं, दूसरा चंद्र ग्रहण बुधवार 18 सितंबर को लगेगा। इसके अलावा, पहला सूर्य ग्रहण सोमवार 8 अप्रैल को लगा था। दूसरा सूर्य ग्रहण बुधवार 2 अक्टूबर को लगने जा रहा है। विशेष बात यह है कि दोनों ग्रहण के दिन समान ही हैं। यानी कि पहला चंद्र और सूर्य ग्रहण सोमवार को हैं। वहीं दूसरा चंद्र और सूर्य ग्रहण बुधवार को हैं। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि साल 2024 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। साल 2024 का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च 2024 होली के दिन लगा था। वहीं, दूसरा चंद्र ग्रहण बुधवार 18 सितंबर को लगेगा। इसके अलावा, पहला सूर्य ग्रहण सोमवार 8 अप्रैल को लगा था। दूसरा सूर्य ग्रहण बुधवार 2 अक्टूबर को लगने जा रहा है। विशेष बात यह है कि दोनों ग्रहण के दिन समान ही हैं। यानी कि पहला चंद्र और सूर्य ग्रहण सोमवार को हैं। वहीं दूसरा चंद्र और सूर्य ग्रहण बुधवार को हैं।

18 सितंबर को आखिरी चंद्र ग्रहण

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024 में होगा। ये आंशिक चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा। इस ग्रहण के दौरान चंद्रमा का एक छोटा हिस्सा ही गहरी छाया में प्रवेश करेगा।

चंद्र ग्रहण समय: प्रातः काल 06:12 मिनट से लेकर 10:17 मिनट तक

चंद्र ग्रहण की कुल अवधि: 04 घंटे 04 मिनट तक

चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, चंद्र ग्रहण का सूतक काल ग्रहण से 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है। इसके आधार पर, 18 सितंबर को होने वाले चंद्र ग्रहण का सूतक काल आमतौर पर 17 सितंबर की रात से शुरू होगा। चूंकि यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक काल लागू नहीं होगा। साल के इस दूसरे चंद्र ग्रहण का भारत में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह यूरोप, अफ्रीका और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। भारत में चंद्रमा 18 सितंबर को सुबह 6:06 बजे अस्त होगा, जबकि ग्रहण सुबह 6:12 बजे शुरू होगा। नतीजतन, ग्रहण शुरू होने तक चंद्रमा पहले ही अस्त हो चुका होगा, जिससे यह भारत में अदृश्य हो जाएगा।

चंद्र ग्रहण सूतक

18 सितंबर को लगने वाले चंद्र ग्रहण का सूतक नहीं लगेगा क्योंकि ये चंद्र ग्रहण दिन के समय लग रहा है। ज्योतिष अनुसार उसी ग्रहण का सूतक काल माना जाता है जो खुली आंखों से दृष्टिगोचर हो।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चंद्र ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

घर में सही दिशा में लगा हुआ शीशा आपकी किस्मत बदल सकता है

अगर आप घर में वास्तु के नियम से शीशा लगाते हैं, तो घर में खूब बरकत होती है। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है वहीं अनदेखी करने पर दुख और दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है। जब आप अपने घर में शीशा लगाएं, तो वास्तु के हिसाब से सही दिशा में लगाएं। ऐसा करने घर हमेशा खुशियां आती हैं। आइए जानते हैं किस दिशा में शीशा लगाना शुभ माना जाता है।

बेडरूम में आईना

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में कभी भी आईना नहीं लगाना चाहिए। बेड का प्रतिबिंब आईने में दिखने से कई बार वैवाहिक जीवन में काफी समस्याएं आती हैं। आईना जरुरी भी हो तो उसके सदैव ढक कर रखें। ऐसा करने से दांपत्य जीवन में कलेश नहीं होगा और खुशियों का आगमन होगा।

शीशा लगाने की सही दिशा

वास्तु के हिसाब से अगर घर में सही दिशा में शीशा न लगा हो, तो नकारात्मक ऊर्जा घर में बनी रहती है। वास्तु के मुताबिक, उत्तर दिशा की दीवार पर आईना लगाना काफी शुभ माना जाता है। इसे इस तरह लगाएं कि आईने में देखते समय चेहरा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रहे।

छत पर आईना

वास्तु के अनुसार, अगर आप घर की छत पर आईना लगाने की सोच रहे हैं तो इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर लगाना चाहिए, ताकि आपको इसका शुभ परिणाम मिले। वहीं, घर के किचन के सामने या एक दर्पण के सामने दूसरा शीशा नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से वास्तु दोष उत्पन्न होता है। जिससे घर में रहने वाले लोगों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

टूटे हुए शीशा का वास्तु दोष

कहा जाता है कि घर में कभी भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर में किसी भी तरह का टूटा-फूटा या चटका हुआ शीशा नहीं रखें। इसे खराब वास्तु दोष माना गया है, जो दुख-दुर्भाग्य का कारण बनता है। अपने घर में कभी भी टूटे हुए शीशे को घर में न रखें। यह वास्तु दोष का कारण बनता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

बाथरुम में आईना

अगर आप बाथरुम में शीशा लगाते हैं, तो सदैव पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार पर लगाना चाहिए। वहीं, गोल आकार का दर्पण बाथरुम में सुंदर लगने के साथ वास्तुशास्त्र के अनुकूल रखें।

संतान की प्राप्ति और उनकी लंबी उम्र के लिए रखा जाता हैं जितिया व्रत

संतति की प्राप्ति के लिए जितिया का व्रत महिलाएं रखती हैं। इसके साथ ही बच्चों की लंबी उम्र के लिए भी इस व्रत को किया जाता है। इस व्रत को मुख्य रूप से यूपी, बिहार के साथ ही झारखंड की महिलाएं रखती हैं, जिसमें भगवान जीमूतवाहन की पूजा की जाती है।आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जितिया का व्रत किया जाता है। मान्यता है कि इस इस व्रत को करने से निसंतान दंपत्तियों के घर में किलकारी गूंजने लगती है। इसी वजह से इस व्रत को जीवित्पुत्रिका व्रत और जिउतिया व्रत भी कहा जाता है।

इस व्रत को यूपी, बिहार और झारखंड की महिलाएं करती हैं। यह व्रत काफी कठिन होता है क्योंकि इस दौरान महिलाएं निर्जला रहती हैं। इसके साथ ही भगवान जीमूतवाहन की पूजा की जाती है। इंदौर के ज्योतिषाचार्य पंडित गिरीश व्यास बताते हैं कि मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत से माताओं की गोद भर जाती है।

वहीं, जिन माताओं की संतान हैं, उन पर कोई कष्ट न आए। संतान से अलगाव का दुख नहीं सहना पड़ता है। बच्चों की उम्र लंबी रहे, इसके लिए भी महिलाएं इस व्रत को निर्जला रखती हैं।

25 सितंबर को रखा जाएगा व्रत

पंडित गिरीश व्यास ने बताया कि अष्टमी तिथि 24 सितंबर 2024 को मंगलवार की रात 12 बजकर 38 मिनट पर शुरू होगी। अष्टमी तिथि 25 सितंबर 2024 को यानी बुधवार को दोपहर 12.10 तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर जितिया व्रत 25 सितंबर को ही करना शुभ रहेगा।

इस दिन वरियान योग रहेगा। लग्न मुहूर्त सुबह 10:10 से दोपहर 12:20 तक रहेगा और चौघड़िया मुहूर्त सुबह 10:48 से दोपहर 12:18 तक रहेगा। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 10.41 बजे से दोपहर 12.12 मिनट तक है।

सूर्यदेव की होती है पूजा

जितिया व्रत के दिन सुबह दैनिक नित्यकर्म करने के बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य दें और उनकी पूजा करें। इसके बाद एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं। उसके ऊपर थाली में सूर्य भगवान की मूर्ति रखकर दूध और जल से उनका अभिषेक करें।

इसके बाद धूप-दीप दिखाकर उन्हें अक्षत चढ़ाएं। इसके साथ ही निसंतान महिलाएं संतान प्राप्ति की मनोकामना कहें और जिन महिलाओं की संतान हैं, वे अपने बच्चों की लंबी उम्र की कामना करें। इसके साथ ही महिलाएं बच्चों पर भविष्य में आने वाले दुखों, संकटों को दूर करने के लिए भगवान से प्रार्थना करें। संकल्प लेने के बाद जितिया व्रत की कथा सुनें। इसके बाद आरती करें और फल, मिष्ठान का भोग लगाकर पूजा को पूर्ण करें। अगले दिन सुबह व्रत का पारण करें।

धार्मिक महत्व के साथ ही वास्तु और सेहत के लिए भी वरदान है तुलसी

तुलसी के पत्तों का धार्मिक महत्व तो है ही, लेकिन यह ऐसी जड़ी-बूटी भी है, जो आपकी सेहत के लिए भी वरदान है। इंदौर के ज्योतिषाचार्य पंडित गिरीश व्यास बताते हैं कि भगवान विष्णु को लगाए जाने वाले भोग में यदि तुलसी का पत्ता नहीं होता है, तो वह भोग को स्वीकार नहीं करते हैं।

वह बताते हैं कि वैज्ञानिक शोधों के बाद यह पाया गया है कि तुलसी में कैंफीन, यूजेनॉल और सिनेओल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं। ये मिलकर श्वसन तंत्र के वायरल, बैक्टीरियल और फंगल संक्रमण को ठीक करने में काफी मददगार साबित होते हैं।

इन बीमारियों में भी कारगर – इसके अलावा तुलसी में विटामिन घ भी पाया जाता है। यह वसा में घुल जाने वाला विटामिन होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। रोजाना सुबह तुलसी की 4 पत्तियां खाली पेट खाने से मधुमेह, रक्त विकार, वात, पित्त, कैंसर आदि की बीमारी नहीं होती है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत– रोजाना तुलसी के पौधे के पास बैठने से श्वास और अस्थमा जैसी बामारियों में राहत मिलती है। रोजाना तुलसी का पानी पीने से तनाव दूर होता है और मन शांत होता है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है यानी इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

वास्तु दोष भी करती है दूर–घर में कोई संकट आने से पहले ही तुलसी इसका संकेत देने लगती है। पौधे का बहुत ध्यान रखने के बावजूद भी वह सूखने लगता है। घर के अग्नि कोण से लेकर वायव्य कोण तक की जगह में तुलसी का पौधा लगाने से वास्तु दोष को दूर किया जा सकता है।

पथरी को भी तोड़ देती है– तुलसी में मौजूद एसिटिक एसिड पथरी को तोड़ने में मदद करता है। यह यूरिक एसिड के स्तर को कम करती है। त्वचा संबंधी विकारों में भी तुलसी की पत्ती बहुत फायदेमंद साबित होती है। तुलसी प्राकृतिक माउथ फ्रेशनर का काम करती है और मुंह के छालों को भी ठीक करने में मददगार साबित होती है।

अनंत चतुर्दशी को ही करें गणेश प्रतिमा का विसर्जन इसके बाद किया तो मिलेगा बुरा फल

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है। इसी दिन गणेशोत्सव का समापन होता है और गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, गणेश प्रतिमा का विसर्जन अनंत चतुर्दशी के दिन ही किया जाना चाहिए। इसके अगले दिन से पितृ पक्ष लग जाता है और उस दिन गणेश प्रतिमा का विसर्जन धर्म संगत नहीं माना गया है।

श्री गणेश प्रतिमा के विसर्जन शहरों में तैयारियां शुरू

श्री गणेश प्रतिमा के विसर्जन को लेकर विभिन्न शहरों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जबलपुर में कलेक्टर दीपक सक्सेना और पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह द्वारा जिले के साधु-संतो के साथ बैठक आयोजित की।बैठक में महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद महाराज, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, स्वामी नरसिंहदास महाराज, चेतन्यानंद महाराज, शरद काबरा सहित प्रतिष्ठित संतजन मौजूद थे।

बैठक में सभी संतों ने एक स्वर में कहा कि श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन भारतीय संस्कृति की परंपरा व शास्त्रोक्त तरीके से हो। अनंत चतुर्दशी को ही श्रीगणेश प्रतिमा का विसर्जन हो।संतों ने बताया कि पितृपक्ष या श्राद्धपक्ष में श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन वर्जित है। यदि इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है, तो वह फलदायी नहीं माना जा सकता।

सभी संतो ने इस दौरान एक स्वर में कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां किसी न किसी प्रयोजन की सिद्धि के लिए है। अत: इसे सही दिशा दें और अच्छा वातावरण दें ताकि किसी को असुविधा न हो।

कब होगी पितृपक्ष की शुरुआत

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से आरंभ हो जाएगी और 18 सितंबर को सुबह 8 बजकर 4 मिनट तक रहेगी। इस तरह श्राद्ध पक्ष की शुरुआत 18 सितंबर से होगी। इस दौरान पिंडदान, तर्पण, ब्राह्मण भोजन और दान जैसे कार्य किए जाएंगे।

धन और समृद्धि की देवी महालक्ष्मी व्रत कथा

महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। इस व्रत की कथा बहुत ही पवित्र और प्रेरणादायी है। मान्यता कि ये 16 दिनों का व्रत धन और समृद्धि प्राप्त करने की एक शक्तिशाली साधन है। इस व्रत को करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। जो भी जातक पूरे विधि-विधान के साथ देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए ये व्रत करते हैं उनके जीवन में हर प्रकार की सुख शांति आती है। आर्थिक स्थिति को मजबूत होती ही है साथ ही समाज में मान सम्मान भी बढ़ता है। महालक्ष्मी व्रत कथा क्या है आइए जानते हैं।

कथा के अनुसार, एक बार की बात है, एक गरीब ब्राह्मण परिवार था। वो इतने गरीब थे कि उनके पास खाने के लिए भी कुछ नहीं था। लेकिन उस ब्राह्मण की एक आदत अच्छी थी कि वो हर हाल में भगवान विष्णु का ध्यान करता है वो उनका भक्त था। पौराणिक कथा के अनुसार जब श्रीहरि ने उसकी पूजा से प्रसन्न होकर उसे दर्शन दिए तो उन्होने भक्त से पूछा कि बताओ तुम्हे क्या चाहिए। गरीब ब्राह्मण ने कहा कि उनकी इच्छा है कि देवी लक्ष्मी उनके घर में निवास करें। अब भगवान विष्णु ने उसकी इस इच्छा को पूरा करने के लिए उसे एक मार्ग दिखाया।

ब्राह्मण से श्रीहरि ने कहा कि मंदिर के बाहर एक स्त्री आती है जो गोबर के उपले थोपती है। आप उसे अपने घर में आने का निमंत्रण देना। ब्राह्मण भी ज्ञानी था वो भगवान विष्णु के कहते ही समझ गया कि वो साक्षात देवी लक्ष्मी ही हैं। बस उन्होने कहा कि जब वो तुम्हारे घर आएंगी तो तुम्हारा घर धन-धान्य से समृद्ध हो जाएगा। ऐसा कहते हैं भगवान विष्णु ध्यानमग्न हो गए।

अगले दिन सुबह 4 बजे उठते ही वो ब्राह्मण पूजा अर्चना करके उस मंदिर के बाहर पहुंच गया। कुछ समय बाद उसने देखा कि एक महिला गोबर के उपले थोपने आ रही है। ब्राह्मण ने उस देवी से निवेदन किया कि आप मेरे घर आएं। मां लक्ष्मी समझ गयी की इसे आवश्य की भगवान विष्णु ने भेजा है। तब मां लक्ष्मी ने उस ब्राह्मण से कहा कि वो महालक्ष्मी व्रत रखे। 16 दिनों के इस व्रत करे और जब 16वां दिन आए तो चंद्रमा को अर्घ्य दे। इससे उसकी मनोकामना जरूर पूरी होगी और देवी लक्ष्मी का उसके घर में वास होगा। ब्राह्मण ने ऐसा ही किया। उसने 16 दिनों तक व्रत तो रखा ही साथ ही हर दिन पूजा करने के बाद उत्तर दिशा की ओर मुंह करके देवी लक्ष्मी को पुकारा भी। मां लक्ष्मी ब्राह्मण की इस तपस्या को देखकर प्रसन्न हुई और उसके घर आयी। महालक्ष्मी के आशीर्वाद से उस गरीब ब्राह्मण की दरिद्रता दूर हो गयी और वो अपने परिवार के साथ खुश रहने लगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जो भी व्यक्ति हर साल महालक्ष्मी के व्रत करता है उसके जीवन में सुख शांति तो आती ही है साथ ही उसके घर में देवी लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

रेड 2 की रिलीज डेट का ऐलान

मेकर्स ने अजय देवगन के साथ बाकी स्टार कास्ट के नाम से उठाया पर्दा

अजय देवगन की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा हुआ है। रेड 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है। रेड के सीक्वल में अजय देवगन एक नए दुश्मन से भिड़ते हुए नजर आएंगे। मेकर्स ने रेड 2 की रिलीज के साथ फिल्म के स्टार कास्ट का भी खुलासा किया है।ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर रेड 2 के बारे में अपडेट साझा किया है। तरण आदर्श के अनुसार, अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर स्टारर रेड 2 की रिलीज डेट तय हो गई है। रेड 2, जिसमें अजय देवगन आईआरएस अधिकारी अमेय पटनायक की भूमिका में हैं। यह फिल्म अगले साल 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।फिल्म का निर्देशन राजकुमार गुप्ता ने किया है। रितेश देशमुख ने खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म में वाणी कपूर और रजत कपूर भी हैं। फिल्म को दिल्ली और लखनऊ में बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है। फिल्म भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित किया गया है।जैसे ही फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अपडेट सामने आई, फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी। एक फैन ने लिखा, एक विलेन और मरजावां के बाद रितेश देशमुख फिर से विलेन की भूमिका में। एक अन्य ने लिखा, इतना लेट।बता दें कि जनवरी में अजय ने रेड 2 के सीक्वल की घोषणा की थी। उन्होंने पोस्टर भी शेयर किया था जिसमें लिखा था कि अमय पटनायक वापस आ गए हैं। पहले यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज की तारीख बदल दी गई है।

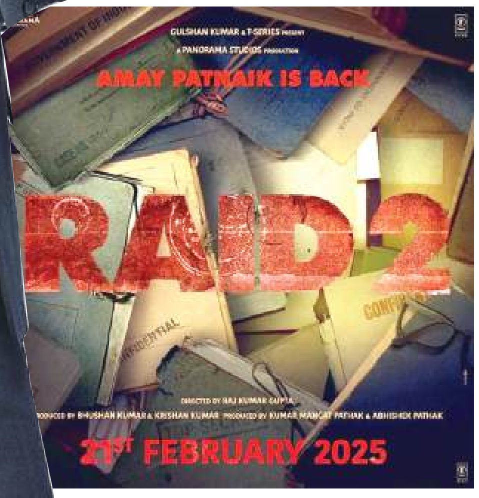

ध्वनि भानुशाली की पहली फिल्म कहां शुरू कहां खत्म का ट्रेलर रिलीज

गायिका ध्वनि भानुशाली गायकी में अपना हुनर पहले ही दिखा चुकी हैं। अब वे अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। वे कहां शुरू कहां खतम फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। आज आखिरकार फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रेलर कॉमेडी ड्रामा का भरपूर डोज दे रहा है। फिल्म की कहानी शादी के इर्द-गिर्द घूमती है।फिल्म में भानुशाली के साथ आशिम गुलाटी हैं और इसका निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है। शादी की कहानी पर आधारित ट्रेलर में ध्वनि को मंडप से भागी हुई दुल्हन और आशिम गुलाटी को शादी तोडऩे वाले के रूप में दिखाया गया है। कहानी एक दिलचस्प मोड़ लेती है, जब आशिम के घर वाले ध्वनि को बहू मान लेते हैं और उन्हें अरेंज मैरिज के बंधन में बंधकर रहना पड़ता है। इसके बाद उनकी अरेंज्ड एक्सीडेंटल लव स्टोरी शुरू होती है।ट्रेलर वीडियो साझा करते हुए ध्वनि भानुशाली ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के कैप्शन में लिखा, शादी से बचना आसान है, लेकिन प्यार से बचना? असंभव। कहां शुरू कहां खतम का ट्रेलर अभी रिलीज हो गया। 20 सितंबर को सिनेमाघरों में फिल्म देखें। ध्वनि अपनी डेब्यू फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि और आशिम के साथ सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा सहित कई कलाकार हैं। सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लुका छुपी और मिमी फेम लक्ष्मण उटेकर और ऋषि विरमानी द्वारा लिखित यह फिल्म कॉमेडी-ड्रामा और रोमांच का भरपूर डोज देगी।लक्ष्मण उटेकर की फिल्म कहां शुरू कहां खतम 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस युवा संगीतमय पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का निर्माण विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा किया गया है।

आदर्श गौरव की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर रिलीज

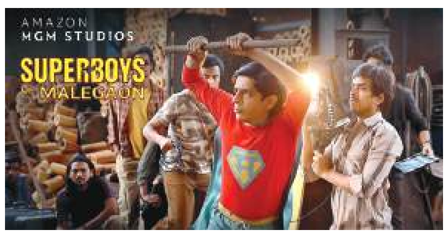

अमेजऩ एमजीएम स्टूडियो, एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने अपनी नई हिंदी फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव में सेट की गई, यह फिल्म नासिर शेख की रीयल लाइफ स्टोरी है और यह दमदार होने के साथ उत्साहित करने वाली कहानी पेश करने गारंटी देती नजर आ रही है। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने प्रोड्यूस किया है, जिसके रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती प्रोड्यूसर हैं। इसे रीमा कागती ने डायरेक्ट किया है और वरुण ग्रोवर ने इसकी स्क्रिप्ट लिखी है। फिल्म में आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा लीड रोल में हैं।ट्रेलर मजेदार और दिल को छू लेने वाले पलों से भरा है, जो आपको मालेगांव में रहने वाले नासिर और उसके अनोखे दोस्तों के ग्रुप की जिंदगी से रूबरू कराता है। इस छोटे से शहर में सपने बड़े हैं, दिल खुशी से भरे हुए हैं और सब कुछ मुमकिन लगता है। जैसा कि आप देखेंगे, आप सोचेंगे कि क्या नासिर का बड़ा प्रोजेक्ट उसके सपनों को साकार कर पाएगा और उसके आसपास के लोगों के जीवन में बदलाव ला पाएगा।

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव दोस्ती, फिल्म मेकिंग और कभी हार न मानने का जश्न मनाता है, यह उन लोगों की क्रिएटिविटी और कड़ी मेहनत को दिखाती है, जो बड़े सपने देखते हैं और अपने सपने को हकीकत बनाने के लिए मुश्किलों को पार करते हैं।सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का वर्ल्ड प्रीमियर 13 सितंबर को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। इसे 10 अक्टूबर को बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया जाएगा। यह फिल्म जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर ने मचाया धमाल

एक घंटे में 10 मिलियन व्यूज का आंकड़ा किया पार

देवरा पार्ट 1 इस साल की सबसे प्रतीक्षित तेलुगू फिल्मों में से एक है। कोरतला शिवा की निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान अहम भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर 5 भाषाओं में लॉन्च किया। एक्शन से भरपूर ट्रेलर को दर्शकों और फैंस से बेहतरीन रिस्पॉन्स मिला है। ट्रेलर ने मात्र एक घंटे में 10 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार किया है।मेकर्स ने हाल ही में देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर के व्यूज के बारे में अपडेट साझा किया है। मेकर्स इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी साझा की है कि देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर को 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले हैं। मेकर्स ने देवरा का ट्रेलर पांच भाषाओं हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम लॉन्च किया गया है। ट्रेलर का लॉन्च इवेंट मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान, जाह्नवी कपूर समेत फिल्म मेकर्स शामिल हुए।देवरा के ट्रेलर लॉन्च से जूनियर एनटीआर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते दिख रहे हैं। जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वह किसी एक मुख्य भाग का खुलासा करना चाहेंगे, तो आरआरआर सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने कहा कि वह किसी एक स्टंट या सीक्केंस का जिक्र नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने वादा किया कि देवरा पार्ट 1 के आखिरी 30-40 मिनट रॉकिंग है। उन्होंने कहा, मैं इसका वेट नहीं कर सकता। उन्हें शार्क स्टंट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें शॉर्क स्टंट शॉट की शूटिंग से नफरत थी। इस सीन को सही तरीके से शूट करने में पूरा दिन लग गया था।ट्रेलर लॉन्च के मौके पर एनटीआर ने माना कि वह देवरा की रिलीज को लेकर काफी नर्वस हैं, क्योंकि यह लगभग सालों बाद उनकी सोलो फिल्म रिलीज होने जा रही है इससे पहले वह आरआरआर, जो ब्लॉकबस्टर रही, में राम चरण के साथ नजर आए थे।जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान के अलावा, फिल्म में प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है, जिसका पहला भाग 27 सितंबर को आएगा।

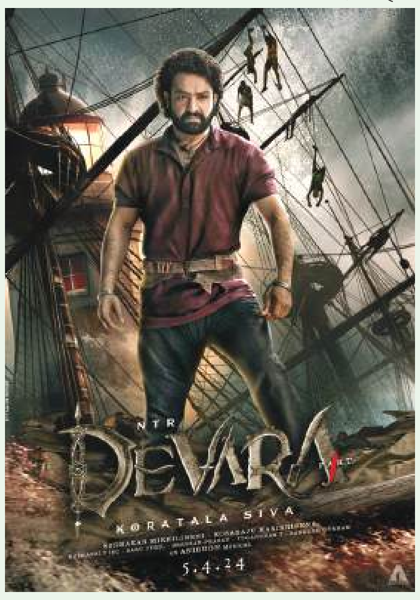

पिंक साड़ी में गजब का कहर ढा रहीं जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं।जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- टू मच प्रीटी।बता दें कि जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। ये ही नहीं उनका हर एक अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

हिंदी फिल्मों में फिर से अभिनय करना चाहती हैं कृति शेट्टी

तलाश रहीं बेहतरीन मौका

ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म सुपर 30 की हीरोइन कृति शेट्टी ने बॉलीवुड फिल्मों को लेकर अपना ओपिनियन साझा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह और अधिक हिंदी फिल्मों में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह इस भाषा से सहज हैं।मुंबई में जन्मी और पली-बढ़ी एक्ट्रेस ने 2019 की हिंदी फिल्म में एक अनाम किरदार निभाया था। दो साल बाद, उन्होंने तेलुगू फिल्म उप्पेना के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उसके बाद से उन्होंने तमिल फिल्मों द वॉरियर और कस्टडी में अभिनय किया है। वह फिलहाल अपनी डेब्यू मलयालम फिल्म एआरएम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें टोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में हैं।कृति शेट्टी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह (सुपर 30) कोई भूमिका थी, मैं बस वहां भीड़ में था। मेरा जन्म और पालन-पोषण मुंबई में हुआ, इसलिए हिंदी मेरे लिए सबसे सहज भाषा है। तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाएं कुछ ऐसी हैं जो मुझे उन फिल्मों में काम करने के दौरान नहीं आती थीं। इसलिए, हिंदी ऑर्गेनिक होगी। परफॉर्मेंस के लिहाज से यह एक मजेदार अनुभव होगा। इसलिए, मैं एक्साइटेड हूं और इसके (हिंदी फिल्मों के) लिए तैयार हूं।एआरएम एक पेन इंडिया फैंटसी ड्रामा है, जो 12 सितंबर को मलयालम, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में बड़े पर्दे पर आएगी। मलयालम भाषा की फिल्म में काम करना शेट्टी के लिए एक गर्मजोशी भरा और प्रेरणादायक अनुभव था।कृति ने कहा, मलयालम सिनेमा में, परफॉर्मेंस के मामले में सब कुछ रॉ, ऑथेंटिक और ऑर्गेनिक होना है। मैं थोड़ा नर्वस थी क्योंकि मैं यह पहली बार कर रही थी। मुझे अच्छा मार्गदर्शन मिला। एक चीज जो मैं हमेशा एक एक्टर के रूप में बनना चाहती थी: मैं रॉ, ऑथेंटिक और छोटा होना चाहती थी, लेकिन हर जगह आपको ऐसा करने के लिए जगह मिलती है। इसलिए, यहां (एआरएम) मेरे पास सही जगह थी।एआरएम का निर्देशन पहली बार फिल्म निर्माता जितिन लाल ने किया है और सुजीत नांबियार ने लिखा है। उत्तरी केरल में 1900, 1950 और 1990 की तीन टाइमलाइन में सेट की गई इस फिल्म में थॉमस मणियन, कुंजिकेलु और अजयन के किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग पीढ़ियों के माध्यम से भूमि के खजाने की रक्षा करने की कोशिश करता है। यह थॉमस की 50वीं फिल्म है। निर्देशक ने कहा कि इसकी पहले से कोई भी योजना नहीं थी।लाल ने कहा, हमने इस (फिल्म) पर आठ साल पहले काम करना शुरू किया था। यह आठ साल का सफर रहा है। हमने इसे 50वीं फिल्म की तरह प्लान नहीं किया था, लेकिन यह धीरे-धीरे हुआ। मैं चाहता था कि वह (थॉमस) कुछ अलग करें, इसलिए वह इस फिल्म में ट्रिपल रोल कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है। जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फंसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएं। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आप–को बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए, यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्त्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएं–गी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जी–वनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 13 सितंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 10:32 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 09:36 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 08:47 तक
करण : तैतिल प्रात: 11:09 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 03:24 तक
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : उत्तराफाल्गुनी में रवि प्रात: 09:35 स , श्री रामदेव दशमी

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बंडारू दत्तात्रेय ने तत्काल प्रभाव से हरियाणा विधानसभा भंग की

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा भंग कर दी है। हरियाणा की भाजपा सरकार की सिफारिश पर गवर्नर ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। हरियाणा की विधानसभा भंग करने की अधिसूचना में गवर्नर ने लिखा भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (2) के उप–खंड (बी) द्वारा मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के राज्यपाल, तत्काल प्रभाव से हरियाणा विधानसभा भंग करता हूं।

सीएम नायब सैनी की कैबिनेट ने कल (बुधवार) को ही इसे मंजूरी दी थी। दरअसल, 6 महीने की अवधि में विधानसभा सत्र न बुला पाने के संवैधानिक संकट से बचने के लिए हरियाणा सरकार ने यह कदम उठाया था। जिसके बाद हरियाणा की 14वीं विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। हरियाणा में सरकार का कार्यकाल 3 नवंबर तक था। यानी यह 52 दिन बचा था। नियमों के चलते 12 सितंबर तक सत्र बुलाना अनिवार्य था। हालांकि नायब सैनी अब कार्यवाहक सीएम बने रहेंगे। देश के इतिहास में इस तरह के संवैधानिक संकट के बाद विधानसभा भंग होने की यह पहली स्थिति है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसी स्थिति नहीं आई।

यहां तक कि कोरोना काल में भी हरियाणा में इस संकट को टालने के लिए 1 दिन का सेशन बुलाया गया था। इससे पहले भी हरियाणा विधानसभा 3 बार भंग हुई लेकिन तब समय से पहले चुनाव करवाने के लिए ऐसा किया गया था।

कृष्ण मिड्ढा ने जींद से भरा नामांकन

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने गुरुवार को जींद विधानसभा के लिये नामांकन पत्र भरा।

डॉ कृष्ण मिड्ढा के नामांकन पत्र दाखिल करते समय केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली मौजूद रहे।

श्री खट्टर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 60 दिनों में नायब सैनी ने 126 घोषणा की हैं, जो कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल पर भारी है। उन्होंने दावा किया है कि हरियाणा में बहुमत के साथ सरकार आयेगी। उन्होंने कहा कि 10 साल के भाजपा के शासन काल मे बिना पर्ची बिना खर्ची लोगों को नौकरी देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपराधी किस्म के लोगों को टिकट दी है। कुछ ऐसे लोग हैं जो जेल में बंद हैं, तो वहीं कुछ लोग ऐसे हैं जिन पर ईडी की जांच चल रही है। यह लोग ऐसे लोगों को मान्यता देने का काम कर रहे हैं। इससे पहले श्री खट्टर ने आज असंध विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी योगेन्द्र राणा का नामांकन दाखिल कराया एवं जनसभा को संबोधित किया। नामांकन भरवाने की इस श्रृंखला में उन्होंने नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भगवानदास कबीरपंथी की नामांकन सभा को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है और हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह एवं सम्मानित जनता का आशीर्वाद यहां कमल खिलाने जा रहा है।

इनेलो–बसपा गठबंधन ने आखिरी सूची की जारी

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) गठबंधन ने नामांकन के अंतिम दिन गुरुवार को विधानसभा उम्मीदवारों की आ–खिरी सूची जारी की।

इनेलो ने इससे पहले 21 और बसपा ने चार उम्मीदवारों की सूची पहले ही जारी कर दी थी। गुरुवार को उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए इनेलो ने नरवाना से विधा रानी दनौदा, बरवाला से संजना सातरोड़, रतिया से पूर्व मंत्री रामस्वरूप रामा, फरीदाबाद एनआईटी से पूर्व विधायक नगेंद्र भडाना, गुहला से पूनम सुल्तानिया, अंबाला कैंट से सरदार ओंकार सिंह, खरखोदा से प्रीतम खोखर, पंचकूला से डॉ. क्षितिज चौधरी, घरोंडा से मन्नू कश्यप, उकलाना से बलराज सभरवाल, करनाल से सुरजीत सिंह पहलवान, समालखा से राजेश झटीपूर, राई से प्रमोद दहिया उर्फ मोदी, सोनीपत से सर्धम, जींद से नरेंद्रनाथ शर्मा, उचाना से विनोद ढूलगच अलेवा, आदमपूर से रणदीप लोहचब, हिसार से श्यामलाल गर्ग, लोहारू से भूप सिंह श्योराण, बाढड़ा से विजय पंचगामा, भिवानी से कर्मवीर यादव, किलोई से एडवोकेट कृष्ण कौशिक, रोहतक से दिलावर मेहरा, बेरी से प्रमोद राठी, नारनौल से नरसिंह दायमा, बावल से संपतराम दहनवाल, पटौदी से पवन बोहरा, गुडग़ांव से गौरव भाटी, होडल से सुनील कुमार वाल्मीकि, फरीदाबाद से नरेंद्रपाल सिंह को उम्मीदवार घोषित किया है। इनेलो बसपा गठबंधन ने सिरसा विधानसभा सीट से हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) के उम्मीदवार गोपाल कांडा को समर्थन दिया है।

15 साल पुरानी दुश्मनी भुला हलोपा और इनेलो ने किया गठबंधन

सिरसा, 12 सितम्बर (एजेंसियां)।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने गुरुवार को 15 साल की दुश्मनी भुलाकर हरियाणा लोक पार्टी (हलोपा) के साथ गठबंधन कर लिया है। नामांकन के अंतिम दिन दोनों पार्टियों ने हाथ मिला लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गोपाल कांडा से गठबंधन को कोई फैसला नहीं किया और सिरसा में अपना उम्मीदवार उतार दिया। इसके बाद हलोपा और इनेलो में वार्ता आगे बढ़ी और सिरे चढ़ गयी। अभय चौटाला आज सिरसा में गोपाल कांडा के आवास पर गये और गठबंधन का औपचारिक ऐलान किया। गोपाल कांडा सिरसा में गठबंधन के उम्मीदवार होंगे।

श्री कांडा सिरसा के लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। तीसरी बार वह मैदान में है। इससे पहले भाजपा के साथ गठबंधन की उनकी बातचीत चल रही थी मगर अंत तक बातचीत सिरे नहीं चढ़ी। इसके कारण गोपाल कांडा ने पहले अकेले लडने.का फैसला लिया और फिर अचानक इनेलो से समझौता कर सबको चौका दिया।

गौरतलब है कि गोपाल कांडा गीतिका शर्मा सुसाइड मामले से चर्चा में आए थे और तिहाड़ जेल की सजा काट चुके हैं, हालांकि न्यायालय से अब वह बरी हो चुके हैं। बता दें कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले हलोपा के साथ गठबंधन करना चाहते थे। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने इसके लिये प्रयास किये थे। लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने ऐसा नहीं होने दिया। हालांकि, चुनाव के बाद भी गोपाल कांडा ने हरियाणा की मनोहर सरकार का समर्थन किया था, जो बहुमत से कम रही थी।

सावित्री जिंदल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हिसार से भरा नामांकन

हिसार, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

कुछ महीने पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुईं देश की चौथी सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने गुरुवार को हिसार विधानसभा सीट से आजाद उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया।

नामांकन दाखिल करने के बाद श्रीमती जिन्दल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैंने हिसार के विकास और परिवर्तन के लिये हिसार की सेवा करने का संकल्प लिया है। हिसार की जनता ही मेरा परिवार है और इस परिवार के साथ मेरा नाता बाऊजी ओम प्रकाश जिंदल ने जोड़ा था। जिन्दल परिवार ने सदा हिसार की सेवा की है, मैं जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने और उनके विश्वास को बनाये रखने के लिए पूरी तरह से समर्पित हूं। भाजपा ने हिसार से कमल गुप्ता को अपना प्रत्याशी बनाया है। श्रीमती जिंदल लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले ही भाजपा में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते हैं। इस बीच, भाजपा से टिकट न मिलने से नाराज हिसार नगर निगम के निवर्तमान मेयर गौतम सरदाना ने भी बतौर निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि हिसार के लोग बड़े ही स्वाभिमानी हैं, और वे थोपे गये विधायक को इस बार सत्ता सौंपने की बजाय घर भेजने का काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि मेयर रहते हुये हिसार शहर का बहुत विकास करवाया है। मगर वह यह भी मानते हैं कि क्षेत्रीय विधायक/ मंत्री की बेरुखी के कारण हिसार शहर को वह मुकाम नहीं दिला पाये, जिसके हम हकदार थे।

उन्होंने हिसार वासियों का आह्वान किया कि जो कमी 2009 में रह गयीं थी, वह इस बार 2024 के चुनावों में पूरी करनी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में बतौर निर्दलीय उम्मीदवार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। यह उनका पहला चुनाव था और उस समय उनकी टक्कर पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल से थी। तब उन्हें 18,138 वोट मिले थे और वह मामूली अन्तर से ही चुनाव हार गये थे।

परिवार को बंधक बनाकर की गई डकैती की वारदात का पर्दाफाश

श्रीगंगानगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में श्री गंगानगर जिले के पदमपुर थाना क्षेत्र में एक परिवार को बंधक बनाकर नगदी और आभूषण लूट की वारदात का खुलासा करते हुये पुलिस ने पंजाब के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

श्रीगंगानगर के पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को बताया कि इस वारदात में शामिल अशोक (50) निवासी इंदिरा कॉलोनी, फिरोजपुर कैंट, चुंगी नंबर सात, पंजाब और शालू सुल्तान (26) निवासी वार्ड नंबर 9, धर्मकोट, जिला मोगा, पंजाब को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पांच सितम्बर को वार्ड नंबर चार निवासी शरबती देवी (58) ने पदमपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पिछली रात करीब 12.30 बजे दो बदमाश दरवाजा खुलवाकर जबरन घुस आये और उन्होंने उसके पति और उसे मारपीट करके बंधक बना लिया। वे घर से नकदी और सोने चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गये।

उन्होंने बताया कि इस पर बदमाशों की तलाश में पुलिस के कई दलों का गठन किया गया जिन्होंने गहन जांच पड़ताल के बाद दोनों बदमाशों का सुराग लगा लिया। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर आज पंजाब के फिरोजपुर एवं मोगा जिले से दोनों बदमाशों को पकड़ लिया गया।

उनसे घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों एवं लूट के माल की बरामदगी के लिये पूछताछ की जा रही है। श्री यादव ने बताया कि इस वारदात में करीब नौ बदमाशों के शामिल होने का पता चला है। आरोपियों की गिरफ्तारी और सुराग लगाने में कांस्टेबल पवन कुमार एवं राजेन्द्र का विशेष योगदान रहा।

भरतपुर में भारी बारिश से स्कूलों में अवकाश की घोषित

भरतपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के भरतपुर जिले में लगातार भारी वर्षा को देखते हुए कक्षा एक से 12 तक के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी में दो दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव की तरफ से जारी आदेश के अनुसार गुरुवार एवं शनिवार, 14 सितंबर को सरकारी, गैर सरकारी विद्यालय एवं आंगनबाड़ी में अवकाश घोषित किया है।

डॉ. यादव ने बताया कि लगातार बरसात की संभावना से जलभराव को देखते हुये जिले में कक्षा एक से 12 तक के विद्यालयों, आंगनबाड़ी में अवकाश रहेगा, शैक्षणिक कार्य बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय स्टाफ नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। गौरतलब है कि 13 सितम्बर को पहले से ही राजकीय अवकाश अवकाश घोषित के कारण अब लगातार तीन दिन तक स्कूल बंद रहेंगे।

गुणवत्तापूर्ण विकास से संबंधित कार्य प्रभावी ढंग से पूरा कराएं: खर्रा

अजमेर, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के स्वायत्त शासन मंत्री एवं ब्यावर जिला प्रभारी झाबरमल खर्रा ने कहा है कि अधिकारी सरकार की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण विकास से संबंधित कार्य प्रभावी ढंग से पूरा कराएं।

ब्यावर में समीक्षा बैठक में आये खर्रा ने गुरुवार को बजट घो–षणाओं, अति वृष्टि एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करके आमजन को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने के निर्देश भी दिये । उन्होंने जल भराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करके समुचित जल निकासी के प्रबंध रखने एवं शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित निस्तारण करने को कहा। प्रभारी मंत्री ने बजट घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के प्रति राज्य सरकार बेहद गंभीर है । समस्त अधिकारी बजट घोषणाओं की जल्द क्रियान्विति करके आमजन को जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं एवं जो कार्य जिला स्तर पर होने हैं उन्हें शीघ्र पूरा करें।

मोदी के जन्म दिन पर चार हजार किलो तबर्रुक तैयार होगा

अजमेर, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के मौके पर राजस्थान में अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह परिसर में स्थित बड़ी देग में चार हजार किलोग्राम तबर्रुक (प्रसाद) तैयार कराकर वितरित किया जायेगा। इससे पहले श्री मोदी की दीर्घायु एवं सेहदमंदी के लिए दुआ की जायेगी।

अजमेर दरगाह के खादिम अफसान चिश्ती ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी के जन्मदिन पर दरगाह में पहली बार लंगर का आयोजन किया गया है। दरगाह शरीफ अजमेर में चार हजार किलोग्राम की देग, जिसमें मेवायुक्त मीठे चावल होंगे, को पका कर, दुआ के बाद जरूरतमंद, गरीब तबके के लोगों के साथ ही दरगाह के पास बस्तियों में बांटा जायेगा। उन्होंने बताया कि भारतीय अल्पसंख्यक और चिश्ती फाऊंडेशन के बैनर तले आयोजन होगा, जिसके लिये 15 से ज्यादा कार्यकर्ता भी तैनात किये जायेंगे। अजमेर दरगाह शरीफ में बादशाह अकबर की तैयार कराई बड़ी एवं छोटी देग हैं, जिसमें सालाना उर्स के मुबारक मौके पर तबर्रुक तैयार करके तकसीम किये जाने की परम्परा है, जिसका विधिवत ठेका भी दिया जाता है । यह पहला मौका होगा, जब प्रधानमंत्री के सम्मान में देग पकवाने का काम होने जा रहा है । खादिम अफसान चिश्ती, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े हैं और सालाना उर्स में प्रधानमंत्री की भेजी चादर को पेश करवाने में अगुवाई करते हैं।

सीएम नीतीश ने छपरा के मढ़ौरा आईटीआई में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का किया उद्घाटन

पटना/एजेंसियां।

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सारण जिले के अमनौर प्रखंड मुख्यालय स्थित अमृत सरोवर पर्यटक स्थल का दौरा किया। जहां स्थानीय भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी ने उनका स्वागत किया। पर्यटक स्थल परिसर में मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण कर पर्यटक के सौंदर्यीकरण को देखा तथा अपहर के लिए प्रस्थान कर गए। अपहर गांव स्थित हरि जी उच्च विद्यालय पहुंच कर चारदीवारी का लोकार्पण किया। वहीं, आरएन प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय के आठ भवन निर्माण का शिलालेख रखा।

विद्यालय परिसर में बने बैड मिंटन कोर्ट, बॉलीबॉल कोर्ट और ओपन जिम का अवलोकन करने के बाद अपहर स्थित शिवालय पहुंचे। अपहर शिवालय परिसर में बिहार सरकार द्वारा चल रहे विभिन्न योजनाओ का स्टॉल लगाया गया था। जहां प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया। यहां लाखों की लागत से सोलर स्ट्रीट लाइट योजना सहित अन्य विकास कार्यो का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मढ़ौरा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में नवनिर्मित 300-300 क्षमता के दो छात्रावासों का उद्घाटन तथा अन्य विकास की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया। जबकि मढ़ौरा स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। वहीं, अमनौर प्रखंड के अमनौर हरन-ारायण पंचायत में अमृत सरोवर का अवलोकन किया गया। ग्राम पंचायत राज अपहर में लगाए गए स्टॉल का भ्रमण एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित लाभुकों को चेक, पर्चा और चाभी वितरित किया गया। इस अवसर पर सारण के स्थानीय भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी, विधायक कृष्ण कुमार मंटू, भाजपा और जदयू के जिलाध्यक्ष सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं, जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरी तरह से चुस्त और दुरुस्त व्यवस्था को लेकर मजबूती के साथ दिखे।

जनता दल यूनाइटेड ने पार्टी में किया भारी फेरबदल

पटना/एजेंसियां।

जनता दल यूनाइटेड ने विभिन्न प्रकोष्ठों में नए अध्यक्ष और प्रभारियों की नियुक्ति की है। इस बात की जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पत्र जारी कर दी है। इस क्रम में भारती मेहता को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री डॉ. रंजू गीता को प्रभारी बनाया गया है। पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। मनीष कुमार युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वशिष्ठ सिंह प्रभारी बने हैं। राधेश्याम को छात्र जदयू के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है, जबकि विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव छात्र प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी बनाये गये हैं। अशरफ अंसारी को

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं मेजर इकबाल हैदर प्रभारी होंगें। राजेश त्यागी को अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है, जबकि पूर्व विधायक अरुण मांझी इसके प्रभारी बनाये गये हैं। सुरेंद्र उरांव को अनुसूचित जनजाति का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। मनोज कुमार किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बनाये गये हैं, जबकि डॉक्टर एन ल बी सिंह को चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। धनजी प्रसाद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बनाये गये हैं, जबकि विधान पार्षद ललन सर्राफ को प्रभारी का दायित्व दिया गया है। राम चरित्र प्रसाद को तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। सुनील कुमार को शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और नीतीश पटेल को मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है।

जादू टोना करने के आरोप में महिला की हत्या

बेतिया /एजेंसियां।

जिले में एक युवक ने जादू टोना करने का आरोप लगाकर एक महिला को गोली मार कर हत्या कर दी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी की फैली हुई है।

लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं, जितनी मुंह उतनी बातें सुनने को मिल रही हैं। बता दें कि मामला बगहा पुलिस जिले की बगहा के रामनगर थाना क्षेत्र के सपही पंचायत के चूड़ीहरवा गांव की है। मृतका की पहचान सरयू राय की पत्नी सुनरपति देवी के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बगहा भेज दिया है।

इधर, मृतका के पति सरयूराय ने बताया कि चार साल पहले उनके भाई के साथ रास्ते को लेकर विवाद शुरू हुआ था, जिसे स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से सुलझा लिया गया था। एक साल पहले उनके भाई और उसकी पत्नी की बीमारी के कारण मौत हो गई। इसके बाद से सरयूराय के भतीजे और उसके परिजन आरोप लगाने लगे कि सुनरपति देवी ने टोना-टोटका कराकर उनके मां और पिता की मौत करवाई थी। इसी रंजिश में उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। हत्या की इस घटना से चूड़ीहरवा गांव में तनाव का माहौल है। लोग डरे-सहमे अपने घरों में हैं। पुलिस का कहना है कि सरयूराय के बयान के आधार पर कुछ संदिग्धों की तलाश की जा रही है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। वहीं, एफएसएल टीम भी घटना स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। घटना के बाद पहुंचे एसडीपीओ नंद जी प्रसाद ने बताया कि पूर्व में हुए जमीन विवाद के चलते इस हत्या को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतका के पति सरयूराय के बयान पर कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनमें पट्टीदारों की संलिप्तता भी हो सकती है। सरयूराय ने बताया कि उसकी पत्नी के पास उनकी बेटी रेशमा 13 वर्षीय बैठी थी। तभी बदमाश आए और उसे गोलीमार पर चले गए। दोनों का नाम भी सरयूराय ने पुलिस को बताया है। दोनों सरयूराय के अपने भतीजे होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

पप्पू यादव ने राजनाथ सिंह से की मुलाकात

पूर्णिया में रक्षा औद्योगिक गलियारा स्थापित करने का किया आग्रह

पटना/एजेंसियां।

सांसद पप्पू यादव ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और पूर्णिया, बिहार में रक्षा औद्योगिक गलियारा (डिफेंस कॉरिडोर) स्थापित करने का आग्रह किया। इस मुलाकात के दौरान, उन्होंने रक्षा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूर्णिया की रणनीतिक स्थिति और इसके महत्व को रेखांकित किया गया है। पप्पू यादव ने कहा कि पूर्णिया में भारतीय वायुसेना का एक महत्वपूर्ण बेस मौजूद है, जो वायु पूर्णिया हवाई अड्डा या चुनपुर हवाई अड्डा के नाम से जाना जाता है। यह हवाई अड्डा विशेष रूप से

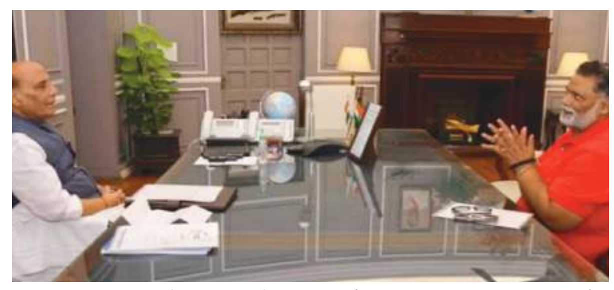

चीन-भारत युद्ध के समय सेना की आपूर्ति के लिए बनाया गया था और अब उत्तर-पूर्वी कॉरिडोर में बैंकअप के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया की रणनीतिक स्थिति इसे नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के निकट एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान बनाती है। इसके साथ ही, यहां पर्याप्त भूमि की उपलब्धता और पर्यावरणीय अनुकूलता इसे रक्षा कॉरिडोर स्थापित करने के लिए आदर्श बनाते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि इस मांग को पूरा करने से न केवल पूर्णिया के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि देश की रक्षा और सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्हें उम्मीद है कि इस दिशा में आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएंगे। इस मुलाकात के दौरान, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पप्पू यादव के आग्रह पर सहमति जताई और कहा कि इस मुद्दे को कैबिनेट में उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्णिया में रक्षा औद्योगिक गलियारा स्थापित करने से देश की रक्षा और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस मुलाकात के बाद, पप्पू यादव ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही पूर्णिया में रक्षा औद्योगिक गलियारा स्थापित किया जाएगा और यह क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समाज राजनीति से नहीं, बल्कि समाज की बुराइयों को दूर करने से चलता है: मंत्री

पटना/एजेंसियां।

बिहार के राजनीतिक माहौल में एक बार फिर गरमाहट देखने को मिली है। राज्य के मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को नालंदा में विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के शराबबंदी कानून को खत्म करने के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मंत्री कुमार ने कहा, कुछ लोग सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं। लेकिन समाज राजनीति से नहीं, बल्कि समाज की बुराइयों को दूर करने से चलता है। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा, गांधीजी ने कहा था कि अगर उन्हें एक क्षण के लिए भी तानाशाह बनना पड़े तो वे सबसे पहले शराब जैसी बुराइयों को खत्म कर देंगे। मंत्री कुमार ने आगे कहा, देश की आधी आबादी चाहती है कि शराबबंदी हो और समाज नशामुक्त हो। जो लोग राष्ट्रपिता के सपनों को चकनाचूर करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें कौन समझाए? इसी बीच, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। यादव ने दावा किया था कि उनके पास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो है, जिसमें वे सरकार बनाने के लिए गिड़गिड़ा रहे थे। इस पर मंत्री कुमार ने कहा, नीतीश कुमार जी ने आज तक किसी के सामने गिड़गिड़ाया नहीं है। उनका सपना बिहार की तरक्की, शांति और अमन का है। लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे पर बोलते हुए मंत्री ने स्वीकार किया कि राज्य में अपराध की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन उन्होंने

जोर देकर कहा कि अपराधियों को किसी भी हालत में नहीं बख्शा जाता। बिहार में कानून व्यवस्था की यही खासियत है। मंत्री श्रवण कुमार ये बयान नालंदा स्थित महाबोधि एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर संस्थान में दे रहे थे, जहां वे वीएड के नए शैक्षणिक सत्र के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया और जल-जीवन-हरियाली का संदेश दिया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार सरकार की शराबबंदी नीति पर तीखा प्रहार किया। गुरुवार को जिला कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में राजद के जिला प्रवक्ता धनंजय कुमार और दीपक कुमार सिंह ने वर्तमान सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। प्रवक्ताओं ने 2015 के महागठबंधन सरकार का स्मरण कराते हुए कहा, तब हमने कहा था मदिरालय नहीं, विद्यालय चाहिए। शराब नहीं, किताब चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में शराबबंदी कानून पूरी तरह से विफल हो चुका है। दीपक कुमार ने कहा, शराबबंदी के नाम पर गरीबों और दलितों को जेल भेजा जा रहा है। जबकि वास्तविक अपराधी खुले आम घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में सरकार के एक मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री ने भी इस नीति पर सवाल उठाए हैं। राजद नेताओं ने नालंदा जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां जदयू के एक प्रखंड अध्यक्ष को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी एक पूर्व प्रखंड अध्यक्ष इसी आरोप में गिरफ्तार हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे बिहार में सत्ता के संरक्षण में शराब का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। यह एक समानांतर अर्थव्यवस्था बन गई है, जो सरकार की नाकामी को दर्शाती है। राजद नेताओं ने 2025 के चुनाव का जिक्र करते हुए वादा किया कि अगर तेजस्वी यादव की सरकार बनती है, तो हर परिवार को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा, आज बिहार का हर वर्ग नौजवान, बेरोजगार, किसान, मजदूर, महिलाएं सब तेजस्वी जी की ओर आशा भरी नज़रों से देख रहे हैं। अंत में, उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त की और सरकार को इसे रोकने में विफल बताया।

सीबीआई टीम पहुंची सदर अस्पताल

बालिका गृह से गायब लड़की का ढूंढ रही सुराग

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के चर्चित बालिका गृह कांड में एक नाबालिग लड़की को ढूंढने और सुराग में जुटे सीबीआई के दो सदस्यों की टीम सदर अस्पताल में पहुंची। हजारीबाग जिले का एड्रेस देकर बालिका गृह के सेवा संकल्प विकास से ले गए थे दो लोग, जिन्होंने खुद को बच्ची का माता-पिता बताया था। सीबीआई की टीम ने बताया कि बच्ची जो कथित मां-बाप के द्वारा ले जाई गई थी। उसके पते और दिए गए दस्तावेज फर्जी निकले थे। इस मामले में हमें दोनों की तलाश है और बच्ची के इलाज करने वाले उस समय चिकित्सक की टीम की भी। दरअसल, जिले के चर्चित शेल्टर होम कांड मामले में गुमशुदा एक नाबालिग बच्ची की तलाश को सीबीआई ने एक बार फिर से तेज कर दिया है। इसको लेकर के आज जिला सदर अस्पताल में अधीक्षक डॉ. बीएस

झा के कक्ष में करीब एक घंटे से अधिक समय तक जानकारी ली। आपको बता दें कि सीबीआई की दो सदस्यों की टीम ने इस दौरान में यह भी जानकारी मांगी है कि गायब हुई बच्ची जिसको सीडब्ल्यूसी सीतामढ़ी के द्वारा फर्जी तरीके से पत्र को जारी कर हजारीबाग जिले के बताए गए फर्जी दस्तावेज वाले मां-बाप को सौंपा गया था। मामले में सीबीआई की टीम इस बात की जानकारी को जुटा रही है कि बच्ची को जिस डॉक्टर और टीम के द्वारा मानसिक रूप में बीमार बताया गया था, उसका इलाज किसने किया और इसका प्रमाण पत्र कैसे जारी किया गया था। सीबीआई की टीम के दो सदस्य में से एक एमके सिन्हा ने बताया कि अब तक की जांच में हमने गायब बच्ची की तलाश को अलग-अलग जिले में किया है। उसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा झारखंड के हजारीबाग जिले के रहने वाले दो लोग जिन्होंने खुद को गायब बच्ची का माता-पिता बताकर के यहां से ले गए थे, उसकी एड्रेस भी गलत निकली थी। इसके साथ ही जो दस्तावेज वोटर आईडी के दिए गए, उसके अंदर रामचंद्र पासवान ने बतौर पिता जबकि शीतला देवी ने खुद को बच्ची के माता-पिता बताया था और फिर ले कर चले गए, जिस जगह का एड्रेस दिया गया था, वहां पर कोई भी इस नाम का व्यक्ति नहीं रहता है। इस बात की जानकारी हजारीबाग के बीएलओ ने भी अपनी लिस्ट और ग्रामीण के द्वारा लिए गए जानकारी में भी नहीं है। यानी पूरी तरह से गलत पता देकर नाबालिग बच्ची को यहां से ले जाया गया था। साल 2018 के चर्चित शेल्टर होम कांड मामले में अब तक कार्रवाई में सभी बच्ची का सुराग की ढूंढ लिया गया है। लेकिन साल 2015 में ले जाया जा चुकी नाबालिग लड़की की अब तक तलाश नहीं हो पाई है। जबकि कांड को साल 2018 में शेल्टर होम कांड के मामले में आने के बाद सीबीआई को जानकारी मिली। आपको यह बता दें, अब सीबीआई को नालाबिग बच्ची के वैसे माता-पिता की तलाश है, जिसके बाद फर्जी तरीके से आईडी कार्ड देकर के बालिका गृह से ले जाया गया था, जिसमें हजारीबाग जिला के पता दिया गया था और इसके साथ ही बच्ची को ले जाए जाने के लिए सीडब्ल्यूसी सीतामढ़ी जिला के एक अधिकारी के फर्जी तरीके से ऑर्डर किए गए पत्र के आधार पर रिलीज किया गया था। अब दोनों लोग रामचंद्र पासवान और शीतला देवी की तलाश है, जिनके द्वारा नाबालिग लड़की को ले जाया गया था।इस मामले में सीबीआई अलग-अलग जगहों पर जानकारी जुटा रही है कि आखिर वो कौन लोग थे, जिसके द्वारा इस तरह की मामले को अंजाम दिया गया था और इस मामले में और कौन लोग शामिल हैं।

गंगा नदी में छलांग लगाकर युवक ने की आत्महत्या

पटना/एजेंसियां।

पटना में गंगा नदी में एक युवक ने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले का उसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। घटना के लगभग 10 घंटे बाद एसडीआरएफ टीम ने सर्च ऑपरेशन कर गंगा नदी से युवक का शव बरामद कर लिया। युवक की पहचान पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र के भठ्ठी पर निवासी अमित कुमार उर्फ पिल्लू (28) के रूप में हुई। इधर, पुलिस का मानना है कि बीच गंगा नदी में जाकर एक सूखे पेड़ पर वीडियो बनाने के दौरान पैर फिसलने से उसकी मौत हुई है। सवाल यह उठता है कि बीच गंगा नदी में तेज धार और अथाह पानी के बीच युवक सूखे पेड़ के नजदीक कैसे पहुंचा। वायरल वीडियो को देखने से या प्रतीत होता है की गंगा नदी के किनारे युवक ने पहले वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया और उसके बाद गंगा नदी में चलांग लगा दी। बताया जा रहा है की भट्टी पर निवासी अमित कुमार उर्फ पिल्लू पिछले कई दिनों से काफी परेशान था। वायरल वीडियो से प्रतित होता है कि किसी लड़की और अपने परिवार के एक भाई को लेकर वह काफी डिप्रेशन में था। बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम वह पटना सिटी मालसलामी थाना क्षेत्र के पीरदमरिया घाट के नजदीक पहुंचा। फेसबुक पर आकर लाइव वीडियो बनाया और उसके बाद गंगा नदी में छलांग लगा दी। माल सलामी थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी गई।

पुलिसकर्मियों पर बालू माफियाओं ने किया हमला

जमुई/एजेंसियां।

जिले में बालू के अवैध कारोबार को रोकने गए पुलिसकर्मियों पर बालू माफियाओं ने हमला कर दिया, जिसमें थानाध्यक्ष समेत दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गये। आननफानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। घटना गिद्धौर बरहट थाना के सीमावर्ती क्षेत्र गुगुलडीह इलाके की है। घटना के संबंध में पुलिसकर्मियों का कहना है कि गुरुवार को गिद्धौर थाना को सूचना मिली कि गिद्धौर के सीमावर्ती क्षेत्र गुगुलडीह इलाके में बालू का अवैध खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और अवर निरीक्षक पंकज कुमार दलबल के साथ वहां पहुंच गये। पुलिस को देखते ही वहां लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस बालू लोड ट्रैक्टर का पीछा करने लगी, तभी बालू माफियाओं ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस घटना में एसआई पंकज कुमार को नाक पर चोट लग गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com